नई दिल्ली
रविवार 14 सितंबर 2025
अश्विन मास कृष्ण पक्ष, सप्तमी/अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 151
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 34
न्यून. 26

हिंदी दिवस आज

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं सुशीला कार्की को भारत के पीएम का बधाई संदेश

नेपाल की शांति, समृद्धि और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध भारत: प्रधानमंत्री मोदी

विदेश मंत्रालय ने भी किया पीएम कार्की का स्वागत और नेपाल में जताई शांति-स्थिरता लौटने की उम्मीद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नेपाल में आखिरकार चार दिनों तक चले 'जेन-जेड' के खूनी हिंसक विरोध-प्रदर्शन के बाद सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कार्की को अपने शुभकामना संदेश के साथ पदभार ग्रहण की बधाई दी है। साथ ही उन्होंने निकट पड़ोसी हिमालयी देश की आम-जनता की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भी पूरी तरह से प्रतिबद्धता जताई। एक्स पर अपनी एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बीते शुक्रवार रात नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पद ग्रहण करने पर माननीय श्रीमती सुशीला कार्की जी को मैं भारत की 140 करोड़ जनता की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। भारत अपने नेपाली भाई-बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

भारत का परम मित्र नेपाल: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने इंफाल में भी नेपाल के नए राजनीतिक घटनाक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत का एक दोस्त ही नहीं बल्कि परम मित्र है। दोनों देशों का साझा विश्वास का इतिहास है और इसी के तहत हम दोनों आगे बढ़ रहे हैं। मैं देश की 1.4 बिलियन जनता की तरफ से श्रीमती सुशीला कार्की को नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा है कि वो नेपाल को शांति, स्थिरता और समृद्धि के रास्ते पर आगे लेकर जाएंगी। अपने देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में उनका पदभार ग्रहण करना महिला जागरूकता का एक बड़ा उदाहरण प्रस्तुत करता है।

नेपाल में कायम होगी शांति और स्थिरता

विदेश मंत्रालय ने बीते 12 सितंबर की मध्यरात्रि के बाद एक बयान जारी कर नेपाल की नई प्रधानमंत्री कार्की का स्वागत करते हुए यह उम्मीद जताई कि अब भारत के पड़ोसी देश में शांति और स्थिरता कायम करने में मदद मिलेगी। मंत्रालय के मुताबिक, एक निकट पड़ोसी देश, लोकतंत्र और एक दीर्घावधि विकास भागीदार होने के नाते भारत लगातार नेपाल के विकास और समृद्धि के लिए बेहद निकटता से काम करेगा। जिसका लाभ दोनों देशों और उनकी आम-जनता को मिलेगा।

सोशल मीडिया बैन के चलते जला नेपाल

गौरतलब है कि सुशीला कार्की नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं और उन्होंने विरोध प्रदर्शनों के बीच पहाड़ी देश के पूर्व प्रधानमंत्री केपी.शर्मा ओली के इस्तीफा देने के बाद अंतरिम सरकार के प्रशासनिक मुखिया के तौर पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली है। काठमांडू में जेन-जेड के विरोध-प्रदर्शन की बड़ी वजह सरकारी सिस्टम में गहरी पैठ बना चुका भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर लगाई गई पाबंदी थी। कुल करीब 96 घंटों तक चली भीषण आगजनी, हिंसा और तोड़फोड़ की वजह से 50 से ज्यादा स्थानीय लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हुए। मृतकों में नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री झाला नाथ खनल की पत्नी रविलक्ष्मी चित्रकार भी शामिल हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अयोध्या में 26 लाख जलेंगे दीये, होगी भव्य आतिशबाजी

लखनऊ। अयोध्या में 19 अक्टूबर को आयोजित दीपोत्सव-2025 में इस बार अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रदूषणमुक्त ग्रीन आतिशबाजी का कार्यक्रम भी होगा। यह विशेष कार्यक्रम 10 मिनट का होगा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार दीपोत्सव में सरयू घाटों पर 26 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्वलित होंगे और नदी किनारे विशेष सजावट होगी। ▶▶ पढ़ें पेज 05 भी

यूजीसी नेट परीक्षा का सर्टिफिकेट जारी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने जून 2025 यूजीसी नेट परीक्षा का सर्टिफिकेट जारी कर दिया है। इसे अब सफल उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। सर्टिफिकेट को डाउनलोड करने के लिए अपना एप्लिकेशन नंबर, जन्मतिथि और सिक्योरिटी पिन लॉग इन करना होगा।

इंस्टाग्राम रील बना भारत में नंबर वन

नई दिल्ली। भारत में शॉर्ट वीडियो कंटेंट की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और अब मेटा ने दावा किया है कि इंस्टाग्राम रील इस श्रेणी में सबसे आगे निकल चुका है। एक ताजा स्टडी के मुताबिक, रील्स ने यू-ट्यूब, टीवी और अन्य सभी प्लेटफॉर्म को पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब रील्स ने भारत में अपने पांच साल पूरे कर लिए हैं।

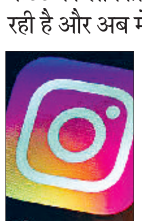

भारी बारिश के बीच सड़क मार्ग से की पीएम ने 65 किमी की यात्रा करीब डेढ़ घंटे में मणिपुर के लोगों के बीच पहुंचे

पीएम मोदी ने कहा-शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपने पूरे करें, मैं साथ हूं, भारत सरकार आपके साथ है

अपील की-मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं

मणिपुर के नाम में मणि, जो भविष्य में पूरे नॉर्थ-ईस्ट की चमक को बढ़ाएगी

पीएम का पहला पड़ाव चुराचांदपुर का पीस ग्राउंड था, जहां कुकी-जो समुदाय के लोग रहते हैं। बाद में वे कांगला किला गए, जो मैतेई समुदाय के लिए सांस्कृतिक और राजनीतिक महत्व रखता है

मणिपुर आशा और आकांक्षाओं की धरती

एजेंसी ▶▶ इंफाल

भारी बारिश के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचे। यह उनकी पहली यात्रा थी जब से मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़की थी। प्रधानमंत्री ने चुराचांदपुर और इंफाल जाकर लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार मणिपुर को फिर से सामान्य जीवन की ओर ले जाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। मणिपुर में मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच हिंसा की खबरें भी आई थीं। पीएम मोदी का मणिपुर दौरा काफी ज्यादा अहम माना जा रहा है। उनका पहला पड़ाव चुराचांदपुर का पीस ग्राउंड था, जहां कुकी-जो समुदाय के लोग रहते हैं। इसके बाद वे कांगला ▶▶ शेष पेज 5 पर

मणिपुर में 7000 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर जोर दिया

बारिश के बीच निकलता पीएम का काफिला

सैकड़ों गांवों में यहां रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई

पीएम ने कहा कि पहले यहां गांवों में पहुंचना कितना मुश्किल था, आप सभी जानते हैं। अब सैकड़ों गांवों में यहां रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई है। इसका बहुत अधिक लाभ पहाड़ी लोगों को, ट्राइबल गांवों को हुआ है। हमारी सरकार के दौरान ही मणिपुर में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है। जीरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन बहुत जल्द राजधानी इंफाल को नेशनल रेल नेटवर्क से जोड़ देगी। आज हमारा चुराचांदपुर, हमारा मणिपुर, देश के बाकी हिस्सों के साथ मिलकर प्रगति कर रहा है। जैसे हमने देश भर के गरीबों के लिए पक्के मकान बनाने की घोषणा की, मणिपुर को भी इसका लाभ मिला है। यहां लगभग 60,000 घर पहले ही बन चुके ▶▶ शेष पेज 5 पर

और क्या कहा पीएम ने?

मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा

पीएम ने कहा कि मैं राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा है। मैं आपसे वादा करता हूं कि मैं मणिपुर के लोगों के साथ हूं। किसी भी जगह विकास की जड़ें जमाने के लिए शांति आवश्यक है। पिछले ग्यारह वर्षों में, पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझ गए हैं। लोगों ने शांति का मार्ग चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है।

रेल व सड़क परियोजनाओं के बजट में कई गुना वृद्धि की

पीएम ने कहा कि मणिपुर की सीमा अन्य देशों से लगती है और यहां कनेक्टिविटी हमेशा से एक चुनौती रही है। मैं समझता हूं कि खराब कनेक्टिविटी के कारण आपको किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। भारत सरकार ने दो स्तरों पर काम किया है। पहला, हमने रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए बजट में कई गुना वृद्धि की ▶▶ शेष पेज 5 पर

यह तुम्हारा देश नहीं, वापस जाओ...

ब्रिटेन में सिख महिला से दुष्कर्म करने वाले दो हैवानों की नस्लीय धमकी

- घटना के बाद से ब्रिटेन में सिख समुदाय में भारी नाराजगी, पुलिस ने दिया सुरक्षा बढ़ाने का आश्वासन
- ब्रिटेन के सांसदों ने मामले की कड़ी निंदा करते हुए नस्लवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

यहां तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है, अपने देश वापस जाओ...धमकी भरे ये शब्द ब्रिटेन के ओल्डबरी इलाके में दिनदहाड़े एक 20 वर्षीय सिख महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दो दरिंदों के हैं। घटना बीते 9 सितंबर की सुबह करीब 8.30 बजे ओल्डबरी के टेम रोड के पास हुई।

जिसके बाद महिला ने पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उसके साथ दो लोगों ने बलात्कार किया और उसके बाद धमकी देते हुए नस्लीय टिप्पणी भी की है। स्थानीय वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस इसे एक उत्तेजित हमले के रूप में देख रही है और उसने पिछले शुक्रवार को आम-जनता से दुष्कर्म के बारे में सूचना देने के लिए एक अपील जारी करते हुए मामले की सघन जांच शुरू कर दी है। जिसमें सीसीटीवी की फुटेज से लेकर फोरेंसिक से जुड़े तथ्यों को भी खंगाला जा रहा है। वहीं, मामले के सामने आने के बाद ब्रिटेन में रह रहा समूचा सिख समुदाय खासा नाराज है। यहां एक ▶▶ शेष पेज 5 पर

ब्रिटेन में नस्लवाद कतई स्वीकार नहीं

ब्रिटेन के सांसदों ने घटना के साथ ही नस्लवाद पर गंभीर चिंता जताते हुए कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। सांसद प्रीत कौर गिल ने कहा, मैं इस घटना की सख्त लहजे में निंदा करती हूं। हालिया समय में नस्लवाद में हुई बढ़ोतरी हमारे लिए चिंता का सबब बनी हुई है। यह पूरी तरह एक हिंसात्मक प्रवृत्ति है। लेकिन इसे नस्लीय रूप से उत्तेजित हमला माना जा रहा है। जिसके पीछे की वजह अपराधियों द्वारा पीड़ितों को ये कहना कि वो यहां की नहीं है। मैं कहना चाहूंगी कि वो यहां की ही है। गिल ने कहा कि ब्रिटेन में हमारे सिख समुदाय समेत सभी समुदायों को सुरक्षित, सम्मानित और मूल्यवान महसूस करने का अधिकार है। ओल्डबरी या ब्रिटेन में कहीं पर भी नस्लवाद और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। स्मेथविक के सांसद गुरिंदर सिंह जोसन ने कहा ▶▶ शेष पेज 5 पर

इजराइल के खिलाफ और फिलिस्तीन के पक्ष में महासभा में भारत ने डाला वोट

फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के पक्ष में भारत, यूएनजीए में दिया समर्थन

- *फ्रांस-सऊदी अरब द्वारा लाए गए प्रस्ताव के पक्ष में 142 देश, विरोध में 10 और 12 देशों ने बनाई मतदान से दूरी।*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में इजराइल और हमास के बीच लंबे वक्त से जारी भीषण संघर्ष के दौर में भारत, फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के पक्ष में खड़ा हो गया है। साथ ही उसने मामले पर विश्व के सबसे बड़े निकाय संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भी इस संबंध में बीते शुक्रवार देर रात आए एक प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया है। जिसे जानकार वर्तमान में गाजा को लेकर बने हुए भारत के रुख से इतर उसका एक बड़ा कदम बता रहे हैं। पूर्व में करीब तीन वर्षों से भारत ने यूएन ▶▶ शेष पेज 5 पर

कहा, मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के लोग विकास देख रहे हैं

नड्डा ने बिहार में विपक्ष को बताया 'गैर-जिम्मेदार' और 'सत्ता का भूखा'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को पटना में कहा कि विपक्ष 'गैर-जिम्मेदार' और 'सत्ता का भूखा' है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां का बार-बार अपमान करना कांग्रेस की 'घृणित मानसिकता' को दर्शाता है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी राजनीतिक पार्टियों को जनता से करारा जवाब मिलेगा। भाजपा अध्यक्ष ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जताने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की और कहा कि महाराष्ट्र के बारे में उनके आरोप कभी भी एक जैसे नहीं रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों में 'असंगतता' का आरोप लगाया। नड्डा ने पिछले महीने 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में हुई घटना और विपक्षी दल द्वारा सोशल मीडिया ▶▶ शेष पेज 5 पर

कमरे को खोलते समय वीडियोग्राफी कराई जाएगी

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी की चौथी बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया

अब खुलेगा बांके बिहारी मंदिर में बंद गर्भगृह के कमरे का राज, मौजूद संपत्ति का विशेष 'ऑडिट' भी होगा

एजेंसी ▶▶ मथुरा

भगवान कृष्ण की नगरी वृंदावन स्थित विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार है, अब इसे लेकर मंदिर समिति ने एक बड़ा निर्णय लिया गया है। समिति ने मंदिर के गर्भगृह में वर्षों से बंद पड़े एक कमरे को खोलने का निर्णय लिया है। समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि कमरे को खोलते समय वीडियोग्राफी कराई जाएगी, ताकि पूरी प्रक्रिया रिकॉर्ड में रहे और यह देखा ▶▶ शेष पेज 5 पर

गर्मी और सर्दी में दर्शन का नया समय

गर्मियों में दर्शन समय
- सुबह आरती: 7:00 से 7:15 बजे
- दर्शन: 7:15 से 12:30 बजे
- दोपहर आरती: 12:30 से 12:45 बजे
- शाम दर्शन: 4:15 से 9:30 बजे
- रात की आरती: 9:30 से 9:45 बजे

सर्दियों में दर्शन समय
- सुबह आरती: 8:00 से 8:15 बजे
- दर्शन: 8:15 से 1:30 बजे
- दोपहर आरती: 1:30 से 1:45 बजे
- शाम दर्शन: 4:00 से 9:00 बजे
- रात की आरती: 9:00 से 9:15 बजे

सभी भक्त होंगे समान

अब वीआईपी दर्शन पर्चियों की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। यह कदम श्रद्धालुओं को समान अवसर देने और अनावश्यक भीड़-भाड़ से बचाव के लिए उठाया गया है। अब हर भक्त को बिना भेदभाव के दर्शन करने का अवसर मिलेगा।

पहली बार रबी सम्मेलन दो दिन का, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक भी होंगे शामिल

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान के नेतृत्व में शुरू होने जा रहा है 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का दूसरा चरण

रबी फसल के लिए 16 दिवसीय अभियान 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चलेगा

- अभियान से पहले सोमवार 15 सितंबर से 16 सितंबर तक दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय रबी सम्मेलन की तैयारियां पूरी
- सम्मेलन में अभियान से पूर्व विभिन्न विषयों पर राज्यों के कृषि मंत्री और वरिष्ठ कृषि अधिकारी करेंगे विचार-मंथन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के पहले चरण की अपार सफलता के बाद केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत होने जा रही है। पिछली बार खरीफ फसल के लिए अभियान शुरू हुआ था और अब रबी फसल को लेकर देशभर के कृषि वैज्ञानिक इस अभियान के जरिए गांव-गांव जाकर किसानों से मिलेंगे, आवश्यक जानकारी देंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लैब टू लैंड' मंत्र को साकार करने में भूमिका निभाएंगे। अभियान की तैयारियों के क्रम में ही 15 सितंबर से नई दिल्ली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान 2025' पूसा, नई दिल्ली में आयोजित हो रहा है। रबी फसलों के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन देशभर के कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, नीति-निर्धारकों एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहाँ ▶▶ शेष पेज 5 पर

टैरिफ पर ट्रंप का नया फ़साना...

यूक्रेन युद्ध अमेरिका से कहीं ज्यादा यूरोप की समस्या है, उन्हें साथ आना होगा

भारत पर आसान नहीं था 50 फीसदी टैरिफ लगाने का निर्णय, संबंधों में आई दरार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तो क्या आखिरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर लगाए गए सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ को लेकर अपनी गलती मान ली है? क्या उनके इस फैसले से भारत और अमेरिका के संबंधों में फूट पड़ी है? क्या यूक्रेन युद्ध पूरी तरह से यूरोप की ही समस्या है? वर्तमान समय में ये वो तमाम जरूरी सवाल हैं। जिनका जवाब किसी और ने नहीं बल्कि खुद ट्रंप ने अपने एक ताजा बयान के जरिए दिया है। सबसे पहले उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार किया कि भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का निर्णय आसान नहीं बहुत मुश्किल था। यह एक बड़ी बात है और उनके इस फैसले से भारत और अमेरिका के संबंधों में दरार आई है। 'फॉक्स एंड फ्रेंड्स' नामक ▶▶ शेष पेज 5 पर

फिर बोले, मैंने रुकवाया भारत-पाक संघर्ष

डोनाल्ड ट्रंप ने टॉक शो के दौरान एक बार फिर से दुनिया में शांति कायम करने का अपना पुराना राग अलापा। उन्होंने कहा मैंने विश्व में जारी कुल करीब 7 युद्ध रुकवाए हैं। जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया समय में हुआ संघर्ष भी शामिल है। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि यह वो ही थे जिन्होंने कांगो और रवांडा के युद्ध को भी खत्म करवाया है। उन्होंने कहा कि यह ऐसी जंग थी जो बीते करीब तीन दशक से अधिक समय से जारी थी। लाखों लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे थे। लेकिन मैंने इलाके में युद्ध रुकवाकर शांति स्थापित की है। लंबे समय से यह समस्या अनसुलझी थी।

भारत, अमेरिका का बड़ा ग्राहक

अमेरिका के राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि नई दिल्ली अमेरिका का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार व ग्राहक है। इसके बावजूद मुझे भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना पड़ा। क्योंकि वो लगातार रूस से तेल की खरीद कर रहे थे और उन्हें रोकने के लिए मुझे ऐसा करना पड़ा। टैरिफ के मेरे इस निर्णय से हमारे भारत के साथ संबंधों में तनाव के साथ ही दरार आई है।

नकली नंबर प्लेटों के साथ छोटे शहरों में बेचते थे

लग्जरी कारें चुराने के आरोप में छह लोगों को किया अरेस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने लग्जरी कारों समेत वाहन चोरी करने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपी वाहनों को चुराने के बाद उन्हें नकली नंबर प्लेटों के साथ छोटे शहरों और दूरदराज के इलाकों में बेच देते थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत की चोरी की चार कारें बरामद कीं। इसके अलावा आरोपियों के पास से मास्टर चाबियां, फर्जी नंबर प्लेट, जाली पंजीकरण प्रमाण पत्र और चोरी के वाहनों में बदलाव करने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी

जब्त किए। पुलिस ने 27 अगस्त को हिंडन कैनाल रोड के पास एक काले रंग की स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) को रोका। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसके चालक की पहचान जामिया नगर निवासी काजिम हुसैन (25) के रूप में हुई है, वह दस्तावेज दिखाने में विफल रहा और सत्यापन में यह पुष्टि हुई कि वाहन प्रीत विहार से चोरी किया गया था। पुलिस ने बताया कि काजिम कथित तौर पर चोरी के कई मामलों में जेल जा चुका है। उसने खुलासा किया कि वह और उसके साथी दिल्ली, मेरठ, अलीगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में संचालित एक सुव्यवस्थित गिरोह का हिस्सा थे। काजिम ने कथित तौर पर खुलासा किया कि चोरी के वाहनों को वाहकों द्वारा ले जाया जाता था और नकली नंबर प्लेट लगाने के बाद रिसीवरों को बेच दिया जाता था। काजिम की निशानदेही पर दो वाहक - खुशनवाज (30) और ताज मोहम्मद (29) को दिल्ली और गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया। जबकि एक उसके अन्य सहयोगी अबुजार उर्फ सोनू (27) को स्थानीय पुलिस से मिली जानकारी के बाद बिहार में चोरी की गई एसयूवी के साथ पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि दो रिसीवर आमिर मलिक (28) और आसिफ खान (45) को अलीगढ़ में एक अन्य चोरी की एसयूवी के साथ गिरफ्तार किया गया।

कीमतों को लेकर विवाद में आइसक्रीम विक्रेता पर किया हमला, दो गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शाहीन बाग से दो लोगों को गिरफ्तार किया है जिन पर आरोप है कि उन्होंने आइसक्रीम विक्रेता से कीमत को लेकर झगड़ा किया और झगड़े के बाद उस पर कागज काटने वाले चाकू से हमला किया। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। आरोपियों की पहचान उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम निवासी रेहान उर्फ इमरान (23) और अहमदाबाद निवासी फरीद (23) के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ₹घटना 11-12 सितंबर की रात की है जब शिकायतकर्ता रोशन कुमार अपनी आइसक्रीम की गाड़ी लेकर जसोला की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह नाला रोड स्थित एक एटीएम के पास पहुंचे, तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया और आइसक्रीम की कीमत को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया।₹ हाथापाई के दौरान, उनमें से एक ने रोशन कुमार पर कागज काटने वाले चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके पेट में चोट लग गई। हमले के तुरंत बाद आरोपी भाग गए, जबकि रोशन कुमार को इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कुमार के बयान के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की।

शुक्रवार शाम गश्त पर निकली पुलिस टीम ने शाहीन बाग में मेट्रो लाइन के नीचे श्रम विहार कट के पास दो लोगों को संदिग्ध रूप से घूमते देखा। पुलिस को देखकर, उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन कुछ देर पीछा करने के बाद उन्हें पकड़ लिया गया।

अधिकारी ने कहा कि उनके पास से एक देसी पिस्तौल और एक कारतूस मिला। पूछताछ करने पर, उन्होंने मारपीट के मामले में शामिल होने की बात स्वीकार की। दोनों के खिलाफ हथियार कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है और उनके तीसरे साथी की तलाश जारी है।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे लोगों को बंदूक का डर दिखाकर उनसे पैसे ऐंठते थे।

पुलिस ने बताया कि रेहान एक अपराधी है और वह कई मामलों में शामिल रहा है। जिनमें शस्त्र कानून, डकैती और गैर इरादतन हत्या के मामले भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि फरीद का अहमदाबाद में पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है, जिसकी पुष्टि की जा रही है।

छतरपुर में छत से गिरकर किशोर की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक मकान की छत से गिरकर 19 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि मैदान गढ़ी पुलिस थाने में ए-ब्लॉक, गली नंबर 34, छतरपुर में हुई इस घटना की सूचना पुलिस को एक पीसीआर कॉल से मिली थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंचने पर पुलिस को एक युवक खून से लथपथ पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि बाद में उसके परिवार से संपर्क करने पर उसकी पहचान छतरपुर निवासी विशाल गौड़ के रूप में हुई। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच और सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि विशाल गौड़ शुक्रवार देर रात करीब 12.48 बजे छत से गिर गया था। उन्होंने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण करने पर छत पर एक मोबाइल नंबर लिखा मिला, जिससे युवक की पहचान में अहम भूमिका निभायी।₹ पुलिस ने बताया कि अपराध दल और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आगे की जांच जारी है।

ट्रक चालक को बेहोश करके छह टन तांबा स्क्रैप लूटा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में चार व्यक्तियों ने एक ट्रक चालक को कथित तौर पर बेहोशी का इंजेक्शन देकर करीब तांबे का छह टन कबाड़ लूट लिया। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 9 सितंबर को सुबह करीब 9 बजे हुई, जब बुराड़ी निवासी 27 वर्षीय मनीष कुमार नामक चालक एक गोदाम से माल लादकर लिबासपुर से मंडोली ले जा रहा था। पुलिस ने बताया कि जैसे ही वह सिग्नेचर ब्रिज के पास पहुंचा, एक कार ने उसके ट्रक को रोका। पुलिस ने बताया कि दो लोग गाड़ी पर चढ़ गए और चालक को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, उनमें से एक ने कथित तौर पर मनीष

कुमार के हाथ में बेहोशी का कोई इंजेक्शन लगा दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद आरोपी ट्रक लेकर भाग गए और लाखों रुपये कीमत के तांबे का कबाड़ ट्रक से कहीं उतारकर और वाहन एक जगह छोड़कर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि बाद में मनीष कुमार बेहोशी की हालत में मिला और उसे एक अस्पताल ले जाया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

पुलिस ने ताज पैलेस में बम की धमकी को तलाशी के बाद बताया अफवाह

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी स्थित होटल ताज पैलेस को शनिवार को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिससे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने तलाशी के बाद इसे झूठी धमकी घोषित कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ताज पैलेस के प्रवक्ता ने कहा कि गहन सुरक्षा जांच के बाद अधिकारियों ने इस धमकी को अफवाह घोषित कर दिया है। हमारे मेहमानों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है और हम लगातार सतर्क हैं। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर, बम निरोधक दस्ता, खोजी कुत्तों का दस्ता और त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) सहित

दिल्ली पुलिस की कई टीम मौके पर पहुंच गईं। अधिकारी ने बताया कि हम होटल पहुंचे और व्यापक तलाशी अभियान चलाया। सभी सार्वजनिक क्षेत्रों, पार्किंग स्थलों, लॉबी और कमरों की बम निरोधक उपकरणों और खोजी कुत्तों की मदद से गहन जांच की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और धमकी को अफवाह घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने कहा कि साइबर टीम ईमेल भेजने वाले का पता लगाने का प्रयास कर रही हैं।

यह घटना दिल्ली उच्च न्यायालय को ईमेल के माध्यम से इसी तरह की बम की धमकी मिलने के एक दिन बाद हुई है।

डूसू चुनाव में आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू एनएसयूआई अध्यक्ष ने लगाए सीएम पर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संगठन चुनावों में अब आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू होने लगा है। इसी कड़ी में नेशनल स्टूडेंट युनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरूण चौधरी ने मोर्चा खोलते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधा है। वरुण चौधरी ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि जब-जब एनएसयूआई ने छात्रों की आवाज़ उठाई है, सत्ता में बैठे लोगों ने दमन का रास्ता ही चुना है। डीयू प्रशासन, आरएसएस व बीजेपी के इशारों पर एनएसयूआई उम्मीदवारों को रोकने और डराने में लगा है। उन्होंने लिखा कि लेकिन याद रखिए छात्रों का हौसला न दबाया जा सकता है, न खरीदा जा सकता है। इस बार छात्र ही देंगे सबसे बड़ा जवाब अपने वोट से, डीयू चुनाव में एनएसयूआई का पैनल 5225 जीतेगा। वरुण ने डीयू प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए लिखा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के इशारे पर डीयू प्रशासन एनएसयूआई के डूसू कैंडिडेट्स को लगातार परेशान कर रहा है और उनकी उम्मीदवारी को रद्द करने की धमकी दे रहा है। उन्होंने लिखा कि वाइस प्रेसिडेंट पद के कैंडिडेट राहुल झांसला को पूछताछ के नाम पर घंटो बैठा कर रखा गया। जबकि डीयू चुनाव में नामांकन के बाद कैंडिडेट्स को कैंपेनिंग के लिए सिर्फ 4 दिन मिले हैं, उसमें भी डरा हुआ प्रशासन एनएसयूआई के सभी कैंडिडेट्स को लगातार कैंपेन से रोक रहा है। वरुण ने आरोप लगाए कि एक तरफ एबीवीपी कैंडिडेट्स रोक के बावजूद धड़ल्ले से प्रिंटेड मैटेरियल बांट रहे हैं, दूसरी तरफ एनएसयूआई कैंडिडेट्स को नोटिस और धमकी दे रहे हैं। इससे साफ है कि आरएसएस और बीजेपी डर चुके हैं और डीयू चुनाव अधिकारी एबीवीपी को खुले आम फायदा पहुँचा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि लेकिन डरो मत! मुख्यमंत्री उतार लो या प्रधानमंत्री डीयू के छात्र करारी हार देंगे। मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी के सभी छात्रों से अपील करता हूं कि इनका जवाब अपने वोट से दें। कोर्ट से भी मांग है कि इस अनफेयर प्रैक्टिस को तत्काल रोकें।

डूसू चुनाव के लिए एबीवीपी ने जारी किया अपना घोषणापत्र

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का घोषणा पत्र (संकल्प पत्र) दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के वास्तविक मुद्दों को रेखांकित करने वाला है। छात्र कल का नहीं अपितु आज का नागरिक है यह सोच एबीवीपी के घोषणापत्र में परिलक्षित हो रही है। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सोलंकी ने शनिवार को प्रेसवार्ता में घोषणापत्र लॉच के अवसर पर यह बातें कही। उन्होंने कहा कि एबीवीपी ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। एबीवीपी ने 5 हजार से अधिक विद्यार्थियों से विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सुझावों पर गहनता से विचार कर अपना घोषणापत्र जारी किया। इस घोषणापत्र में एबीवीपी ने शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य के साथ- साथ खेल और रोजगार से सम्बन्धित विषयों को प्रमुखता से स्थान दिया है। यहां प्रेस वार्ता में एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सोलंकी, राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल,दिल्ली प्रदेश प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद प्रत्याशी आर्यन मान, उपाध्यक्ष पद प्रत्याशी गोविंद तंवर, सचिव पद प्रत्याशी कुणाल चौधरी और सह-सचिव पद प्रत्याशी दीपिका झा की उपस्थिति रहीं और इन्होंने भी डीयू के विकास के लिए अपने अपने दावे किए।

शिक्षित युवा की पसंद नहीं हैं केजरीवाल: सचदेवा

नई दिल्ली। हाल ही में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव जीती थी जिसको पंजाब के युवाओं के आप की छात्र इकाई वैकल्पिक राजनीति के लिए छात्र संघ (एएसएपी)से दूरी का प्रमाण माना जा रहा था और अब एएसएपी एक बार फिर दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव से भागी जो साफ करता है कि 11 साल बाद भी अरविंद केजरीवाल शिक्षित युवा की पसंद नहीं हैं। अब अचानक आप का यू टर्न दिल्ली के युवाओं की अरविंद केजरीवाल से दूरी का संकेत तो है ही साथ ही बैक डोर से कांग्रेस की छात्र इकाई के साथ खड़ा होना भी है। सचदेवा ने कहा है कि आप का छात्र संघ चुनाव से भागना अरविंद केजरीवाल एवं सौरभ भारद्वाज की निजी हार है।

दिल्ली पुलिस ने मथुरा में अवैध हथियार फैक्टरी का किया भंडाफोड़

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी के पास लगभग तीन किलोमीटर पानी से भरे खेतों को पार करके एक अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। खेतों में बाढ़ग्रस्त पानी की गहराई तीन से आठ फुट तक थी। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में मथुरा निवासी शिवचरण (60) को गिरफ्तार किया गया। अलीगढ़ में इसी तरह की बरामदगी के 10 दिनों के भीतर बड़ी संख्या में अवैध हथियार और कच्चा माल बरामद किया गया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंठिया ने कहा, ₹फैक्टरी मथुरा के अनेरदा गढ़ी गांव में यमुना नदी के पास स्थित थी। घटनास्थल तक पहुंचने के लिए टीम को लगभग तीन किलोमीटर पानी से भरे खेतों को पार करना पड़ा, जहां पानी की गहराई तीन से

आठ फुट तक थी। टीम को घटनास्थल तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगे। अधिकारी ने कहा कि जलमग्न इलाके, रोशनी की कमी और मोबाइल संचार के नुकसान के बावजूद, टीम ने हथियार बरामद किए और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने वापस लाए जाने के दौरान पानी भरे खेतों का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे दबोच लिया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि चरण बाहरी लोगों को इलाके में आने से रोकने के लिए फैक्टरी स्थल के पास दो कुत्ते रखता था। पूछताछ के दौरान, चरण ने खुलासा किया कि उसने पहले अपने साथी हनवीर की मदद की थी, जिसे कुछ दिन पहले अलीगढ़ में इसी तरह की छापेमारी में गिरफ्तार किया गया था। हनवीर ने बाद में एक और फैक्टरी शुरू की, जबकि चरण मथुरा स्थित फैक्टरी को खुद ही चलाता रहा। पुलिस ने बताया कि हथियारों का निर्माण और आपूर्ति हनवीर के माध्यम से की जाती थी, और दोनों मुनाफे को बराबर-बराबर बांटते थे। फैक्टरी परिसर में छापेमारी के दौरान 14 देसी पिस्तौल (नौ सिंगल बैरल और पांच डबल बैरल), एक मस्कट गन, 350 से ज्यादा पिस्तौलों का कच्चा माल, 50 बैरल, 28 बैरल पाइप, लकड़ी के हैंडल और अन्य पुर्जे बरामद हुए। अधिकारियों ने बताया कि हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली ड्रिल मशीन, एक कटर, एक ग्राइंडर और आरी समेत कई मशीनें भी जब्त की गईं। पुलिस ने बताया कि सिंडिकेट के बाकी सदस्यों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

नरेला में सबसे पुराना सीएनजी स्टेशन बदहाल, उपभोक्ता परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली देहात के नरेला विधानसभा के सिंघोला-बवाना मार्ग स्थित सबसे पहले बने 'मेघा सीएनजी स्टेशन' (मार्बल मार्किट के पास) की स्थिति इन दिनों बेहद दयनीय हो चुकी है। उपभोक्ताओं की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद बांकनेर रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के अध्यक्ष एस.एल. खत्री ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर स्टेशन की तुरंत नवीनीकरण की मांग की है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष खत्री ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया है कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के वरिष्ठ अधिकारी मौके का दौरा करें और उपभोक्ताओं की समस्याओं को दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाएं। पत्र की प्रतियां उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक को भी भेजी गई हैं ताकि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाए।

■ आरडब्ल्यू अध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक को भेजा पत्र

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष खत्री ने पत्र में कहा गया है कि नरेला सब-सिटी में बने इस सीएनजी स्टेशन पर तीन कम्प्रेशर लगे हैं, जिनमें से एक पूरी तरह खराब हो चुका है और एक की हालत बेहद खराब है। केवल एक कंप्रेसर औसतन काम कर रहा है। इसके चलते प्रेशर कम रहता है और उपभोक्ताओं को लंबी कतारों और परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नरेला में हजारों गाड़ियों की ईंधन जरूरत इसी स्टेशन पर पूरी होती है, ऐसे में जल्द सुधार बेहद जरूरी है।

गुरुद्वारा कमेटी का 350वें शहीदी दिवस को समर्पित सर्व धर्म सम्मेलन 20 सितंबर को

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने घोषणा की है कि 350वें शहीदी दिवस को समर्पित सर्व धर्म सम्मेलन 20 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। कमेटी अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, और जनरल सेक्रेटरी जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि नौवें पातशाह गुरु तेग बहादुर साहिब और उनके साथ शहीद हुए अन्य गुरसिख भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी के 350वें शहीदी दिवस पर सर्व धर्म सम्मेलन 20 सितंबर को आयोजित हो रहा है। आईसीएआर कन्वेंशन सेंटर टोडापुर में आयोजित सम्मेलन में विभिन्न धर्मों की प्रतिष्ठित हस्तियां भाग लेंगी और गुरु साहिब की बेमिसाल शहादत को याद करेंगी। उन्होंने बताया कि सर्व धर्म सम्मेलन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दिल्ली की संगत इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेगी। इसके लिए कमेटी के सदस्यों को ड्यूटी भी सौंप दी गई है, जो अपने-अपने क्षेत्रों से संगत को लाने का समन्वय करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी पहले ही यह एलान कर चुकी है कि गुरु साहिब की शहादत को समर्पित कार्यक्रम 25 नवंबर तक लगातार चलते रहेंगे और 23 से 25 नवंबर तक लाल किले पर एक भव्य और ऐतिहासिक समागम आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश की शीर्ष नेतृत्व भी भाग लेगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शान आजाद उर्फ मैडी पुत्र** जगदीश चंद **निवासी** मकान नं. 1984, द्वितीय तल, खारी कुआं मंदिर के ऊपर, बस्ती जुलाहान, सदर बाजार, दिल्ली, ने **FIR No. 130/2020, U/S 324/341 /34 IPC, पुलिस स्टेशन सदर बाज़ार, उत्तर जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शान आजाद उर्फ मैडी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शान आजाद उर्फ मैडी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 130/2020, U/S 324/341/34 IPC, पुलिस स्टेशन सदर बाज़ार, उत्तर जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **शान आजाद उर्फ मैडी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.10.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव गोयल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
द्वितीय तल, कमरा नं0–247,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/12257/N/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. /84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बैज नाथ रॉय, BR & BREWTECH** के प्रोप./अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, पंजीकृत कार्यालय – 293, लकेश्वरी, भगवानपुर, रुड़की, हरिद्वार – 247661; दूसरा पताः 307/22, गौरव टावर, पीवीआर सोनिया, विकासपुरी, नई दिल्ली – 18; तीसरा पताः 331, कृषि कॉओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, डी–ब्लॉक, विकासपुरी, नई दिल्ली – 18 ने मुकदमा **FIR No. 9053, 9054, 9055, 9056/19 U/s 138 NI ACT, थानाः दरिया गंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बैज नाथ रॉय** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बैज नाथ रॉय** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 9053, 9054, 9055, 9056/19 U/s 138 NI ACT, थानाः दरिया गंज, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **बैज नाथ रॉय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री उर्वी गुप्ता
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी–01 (एन आई एक्ट)
कोर्ट नं. 201, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/11772/CD/2025
(Court Matter)

आप ने पार्टी मुख्यालय में पाकिस्तानी क्रिकेटरों का पुतला जलाया

जो बार या क्लब भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का प्रसारण दिखाएगा उसका विरोध किया जाएगा : सौरभ भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच आज खेले जाने वाले क्रिकेट मैच के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने पार्टी कार्यालय में विरोध स्वरूप पाकिस्तानी क्रिकेटर का पुतला जलाया। इस पुतला दहल में आप के बुराड़ी से विधायक संजीव झा, कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार, किराड़ी से पूर्व विधायक ऋतुराज झा, जंगपुरा से पूर्व विधायक प्रवीण देशमुख एवं आप की यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गुप्ता तथा अन्य कार्यकर्ता भी शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। इस दौरान आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने ऐलान किया कि जो बार या क्लब आज पाकिस्तान और भारत के बीच खेले

जाने वाले क्रिकेट मैच का प्रसारण अपने क्लब में करेंगे, आम आदमी पार्टी उनका भी बहिष्कार करेगी। उन्होंने कहा कि यह वही पाकिस्तान है, जिसने कुछ दिन पहले कश्मीर में घुसकर हमारे दर्जनों भारतीयों का खून बहाकर हमारी माता बहनों को विधवा बना दिया। वहीं इस दौरान सौरभ ने एक पोस्टर दिखाया जिसमें जिसमें पाकिस्तान आर्मी चीफ तिरंगे झंडे की साड़ी पहने हुए एक महिला की मांग में सिंदूर भर रहा है। इस पोस्ट के संबंध में सौरभ ने कहा कि यह पोस्ट पाकिस्तानी क्रिकेटर द्वारा अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया है। उन्होंने कहा इस पोस्ट के द्वारा पाकिस्तान यह कहना चाहता है कि कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमारी जिन मां बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, पाकिस्तान का आर्मी चीफ उन माता बहनों की मांग में सिंदूर भरकर उन्हें दोबारा से सुहागन बना रहा है। यह बहुत ही शर्मनाक हरकत है। उन्होंने कहा कि खून और खेल एक साथ नहीं चलेगा। सौरभ भारद्वाज ने देश के सभी क्रिकेट प्रेमियों से और भारतीय क्रिकेट टीम से भी अनुरोध किया है कि इस क्रिकेट मैच का विरोध करें।

बड़ी योजनाओं की घोषणाएं की जाएंगी : रेखा गुप्ता

पीएम के जन्मदिन पर जनता को उपहार देगी दिल्ली सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से दिल्ली की जनता को बड़े व नए उपहार देना शुरू करेगी। 17 सितंबर से दिल्ली सरकार 'सेवा पखवाड़ा' शुरू करेगी, जिसके तहत 15 दिन तक बड़ी योजनाओं की घोषणाएं की जाएंगी। दिल्ली सरकार के यह कदम राजधानी को 'विकसित दिल्ली' की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह बातें शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक विशेष बैठक के बाद कही। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े (17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक) की तैयारी को लेकर शनिवार को दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, पार्टी के सांसद, दिल्ली सरकार के मंत्री, विधायक, पार्षदों के अलावा पार्टी पदाधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले जन्मदिन को विशेष बनाने के लिए हमारी सरकार ने विशेष तैयारियां की हैं। यह अवसर दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार (केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और नगर निगम) की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके लिए हमारी सरकार ने सेवा पखवाड़े के दौरान 75 नई योजनाओं और कार्यक्रमों को शुरू करने का निर्णय लिया है। हमारा यह निर्णय दिल्ली के विकास को नई गति और ऊंचाई प्रदान करेगा और राजधानी को 'विकसित दिल्ली' की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि सेवा पखवाड़े के दौरान हर दिन दिल्लीवासियों को कोई न कोई नया उपहार मिलेगा। चाहे वह स्वच्छता अभियान हो, रक्तदान शिविर हो, नई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन हो या विकास परियोजनाओं का लोकार्पण। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान विकास की नई ऊंचाइयां तय होंगी, सुशासन के नए आयाम स्थापित होंगे और लगातार नई योजनाएं जनता को समर्पित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले छह महीनों में न तो मंत्रियों ने और न ही उन्होंने स्वयं एक भी दिन का काम छोड़ा है। इसी निरंतर प्रयास का परिणाम है कि वर्षों से लंबित और अधूरी परियोजनाएं अब जनता को समर्पित की जा रही हैं।

महापंचायत का सरकार को अल्टीमेटम, 20 सितंबर तक बंद करे मुडंका-बक्करवाला टोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- टोल नहीं हटा तो 21 सिंतबर को ग्रामीण खुद बंद कर देंगे टोल प्लाजा : सोलंकी
- टोल नाके पर हुई पालम 360 की महापंचायत में बड़ी तादाद में उमड़े गांववासी

दिल्ली देहात के गांववासियों ने सरकार को यूईआर-2 पर मुडंका-बक्करवाला टोल टैक्स को बंद करने का अल्टीमेटम दिया है। पालम 360 खाप के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी की अध्यक्षता में शनिवार को टोल पर हुई महापंचायत में फैसला लिया गया कि केंद्र सरकार आगामी 20 सितंबर तक इस टोल को बंद करे वरना 21 सितंबर से ग्रामीण टोल को बंद कर देंगे। महापंचायत में बोलते हुए सोलंकी ने सरकार को खुले शब्दों में चेतावनी दी गांववासी अपने हक और अधिकारों के लिए आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात अगर सरकार बनाना जानता है तो जरूरत पड़ने पर सरकार से टकराना भी जानता है।

महापंचायत में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए तमाम वक्ताओं ने कहा कि किसानों की जमीन पर बने यूईआर-2 पर टोल लगाकर सरकार ने दिल्ली देहात के ग्रामीणों के साथ अन्याय किया है। गांववासियों को अपने खेतों में जाने के लिए भी टोल टैक्स चुकाना पड़ रहा है। ग्रामवासियों ने साफ किया कि दिल्ली देहात के इतिहास में कभी टोल टैक्स नहीं थोपा गया और आज भी वे इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। उनका कहना था कि पूर्व की सरकारों ने किसानों की जमीन औने-पौने दामों में हड़प ली और अब वर्तमान सरकार ग्रामीणों पर टोल टैक्स थोपना चाहती है। ग्रामीणों ने यह भी याद दिलाया कि दिल्ली देहात ने 27 साल बाद भाजपा को समर्थन देकर सत्ता दिलाई थी, इसलिए अब उनसे उम्मीद है कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। महापंचायत में यह भी स्पष्ट किया गया कि यह आंदोलन सिर्फ टोल टैक्स के खिलाफ नहीं, बल्कि दिल्ली देहात के अधिकारों की लड़ाई है।

सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरकार को 20 सितंबर तक का समय दिया गया है। यदि सरकार ने इस तारीख तक टोल टैक्स फ्री करने की घोषणा नहीं की तो 21 सितंबर से ग्रामीण स्वयं टोल टैक्स बंद कर देंगे। पंचायत में उपस्थित भीड़ और ग्रामीणों के आक्रोश ने यह संदेश साफ कर दिया कि अब पीछे हटने का सवाल नहीं है। यह आंदोलन दिल्ली देहात के सम्मान और अधिकारों की निर्णायक लड़ाई बन चुका है।

महापंचायत में चौ धारा सिंह प्रधान बवाना 52, चौ नरेश प्रधान लाड़ो सराय 96, अनार सिंह प्रधान टिकरी 5,समुंदर प्रधान कराला 17, सुरेंद्र डबास, हवा सिंह, नरेश लाकड़ा, अनूप शोकीन, सुरेश शौकिन सहित बड़ी संख्या में देहात के प्रतिनिधि मौजूद रहे ।

देवेन्द्र यादव ने अपने जन्मदिन पर किया पौधारोपण

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव को उनके जन्मदिन पर शनिवार को कार्यकर्ताओं ने ढ़ोल-नगाड़ों के साथ बधाई देते हुए फूल मालाओं से लाद दिया। शुभचिंतकों व कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए उनकी लम्बी उम्र और भविष्य में उॅचाईयों पर पहुंचने की कामना की। इस अवसर पर यादव ने पौधारोपण किया और सभी का धन्यवाद किया। इस मौके पर यादव ने कहा कि मैं दिल्ली कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता का हार्दिक अभिनंदन और धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने मुझे मिलने के साथ साथ सोशल मीडिया, डाक, फोन और ईमेल के द्वारा जन्मदिन के बधाई संदेश भेजे।

दिल्ली की कानून व्यवस्था बदहाल : संजीव

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की चार इंजन की सरकार में दिल्ली की कानून व्यवस्था बदहाल हो चुकी है। आप नेता और विधायक संजीव झा ने कहा कि दिल्ली में रोज हत्या और रेप की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी से जून तक दिल्ली में 250 हत्या समेत 1 लाख 18 हजार से ज्यादा केस दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस के जनवरी से जून तक के आंकड़ों के मुताबिक, गंभीर अपराध 2,209 हुए, जबकि कम गंभीर अपराध 1,16,613 हुए। कुल मिलाकर दिल्ली में जनवरी से जून तक 1,18,822 अपराध हुए। इसमें 250 मामले सिर्फ हत्याओं के हैं। संजीव झा ने कहा कि अभी तक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिला करती थी, लेकिन अब तो हाईकोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने लगी है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि दिल्ली में अपराधी इतने बेखौफ क्यों हैं। संजीव झां ने शनिवार को प्रैसवार्ता में कहा कि शुक्रवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर विधानसभा में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

डीडीए के सिंगल विंडो कैंप के पहले दिन लोगों ने उठाया फायदा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जानकारी प्रधानमंत्री-अनधिकृत कॉलोनी दिल्ली आवास अधिकार योजना पीएम-अनधिकृत कॉलोनी इन दिल्ली आवास अधिकार योजना (पीएम-उदय) के तहत दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दो दिवसीय 13-14 सितम्बर 2025 सिंगल विंडो कैंपों का आयोजन रखा है। जिसके पहले दिन शनिवार को आयोजित कैंपों में लोगों ने अपने दस्तावेजों को जमा करने से लेकर अन्य कार्य करवाए। जबकि यह कैंप रविवार को भी आयोजित किए जाएगें। डीडीए के अनुसार कुल 10 अलग अलग जगहों पर कैम्पों का आयोजन किया गया। इनमें शिवम गार्डन, पुस्ता रोड ब्लॉक ए बाबा कॉलोनी बुराड़ी, सामुदायिक भवन पृथक पॉकेट 208, सीतापुरी डाबरी , श्री त्र्यंबकेश्वर मंदिर, शिव पार्क, खानपुर, कनक रेजीडेंसी, एफ ब्लॉक, 40 फुटा रोड, गंगा विहार गोकलपुरी, धर्म दीप सेकेंडरी पब्लिक स्कूल शॉप नंबर जे, जे-ब्लॉक, अध्यापक नगर, नांगलोई, नरेश पार्क एक्सटेंशन नांगलोई, वेदांता ग्रीन्स 70 शिवाजी मार्ग हरि विहार सेक्टर-16ए ककरोला, शुभ बंधन गार्डन बख्तावरपुर पल्ला रोड बख्तावरपुर गांव, महाराजा अग्रसेन सेवा सदन, एस.एन. के सामने मॉडर्न स्कूल न्यू अशोक नगर, यादव चैरिटेबल ट्रस्ट प्लॉट नंबर 8 मुख्य खेड़ा रोड नजफगढ़ और अमर सिंह पब्लिक स्कूल आली बिहार न्यू स्कूल रोड सरिता विहार शामिल है।

दिल्ली का हर गांव अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली का हर गांव अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा। यह बात शनिवार को दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने द्वारका विधानसभा क्षेत्र डाबरी, नसीरपुर, मंगलापुरी और सागरपुर गांवों का दौरा किया करने के दौरान कही। इस दौरान उनके साथ विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत और कुलदीप सोलंकी भी मौजूद रहे। दौरे के दौरान मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि यह दौरा दिल्ली के गांवों की वास्तविक स्थिति को समझने और जनता की समस्याओं को करीब से जानने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण में साफ दिखा कि पिछले लगभग एक दशक से दिल्ली के ग्रामीण इलाकों की उपेक्षा हुई है। गांव के निवासियों ने उन्हें बताया कि इतने सालों में कोई मंत्री यहां तक नहीं आया जबकि चौपालें टूटी हुई हैं, सड़कें टूटी पड़ी हैं, पानी की व्यवस्था नहीं है और स्ट्रीट लाइट तक खराब हैं। कपिल मिश्रा ने कहा कि यह स्थिति चिंताजनक है लेकिन अब इन सभी समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाएगा। संबंधित विभागों को गली- सड़क, नाली, पानी और सीवर की लाइन, स्ट्रीट लाइट का ना होना और चौपाल का विकास समेत अन्य कार्यों के विकास का तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों द्वारा सागरपुर पार्क स्थित छठ घाट का भी उल्लेख हुआ। मंत्री मिश्रा ने बताया कि यह घाट पिछले सात साल से बंद पड़ा था और यहां पूजा नहीं हो रही थी। विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत लगातार इस विषय को उठाते रहे हैं और अब इस बार छठ पूजा का आयोजन यहीं से शुरू होगा।

शालीमार बाग में बिजली-पानी और सड़क संबंधी करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की शुरुआत, सीएम ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा में बिजली, पानी, सड़क और जनसुविधाओं से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन एवं निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बिजली क्षेत्र में टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) द्वारा खरीदी गई राजधानी की पहली हॉटलाइन मेंटिंनेंस वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। करीब 1.5 करोड़ रुपये की लागत से खरीदी गई यह अत्याधुनिक वैन बिना बिजली आपूर्ति बाधित किए लाइनों और उपकरणों की मरम्मत करने में सक्षम होगी। इसी अवसर पर 33 केवी ओवरहेड कंडक्टर को अंडरग्राउंड केबल में बदलने की परियोजना की भी शुरुआत की गई, जिसकी लागत 2.8 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भविष्य में ऐसे आधुनिक वाहन हर विधानसभा क्षेत्र में उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय सांसद सांसद प्रवीण खंडेलवाल, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी विधानसभा शालीमार बाग में करोड़ों रुपए की योजनाओं की शुरुआत करने के अवसर पर कहा कि दिल्ली सरकार जनता को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयासरत है और आज जिन परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया है, वे दिल्ली के विकास को नई गति और दिशा प्रदान करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ये परियोजनाएं केवल शालीमार बाग ही नहीं बल्कि पूरे दिल्ली के लिए एक नई शुरुआत है।

खबर संक्षेप

कुकर्म करने पर आरोपी को पांच वर्ष की कैद

गुरुग्राम। गुरुग्राम की एडिशनल सेशन जज की अदालत ने एक आठ वर्षीय लड़के के साथ कुकर्म करने के आरोपी को दोषी करार देते हुए दोषी को पांच वर्ष की कैद व जुर्माने की सजा सुनाई है। मामला करीब सवा तीन साल पहले का है। इस संबंध में डीएलएफ सेक्टर-29 थाने में पाक्सो एक्ट की धारा 10 में केस दर्ज किया था। राजस्थान के चुरू निवासी आरोपी को पांच वर्ष की कैद व 15 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई।

यूनियन के आह्वान पर दो घंटे विरोध प्रदर्शन

फरीदाबाद। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर फरीदाबाद डिपो के बल्लभगढ़ बस स्टैंड पर 2 घंटे का विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता डिपो प्रधान जयपाल ने की व संचालन डिपो सचिव मोहम्मद जुबेर ने किया। सरकार कि नीतियों का विरोध करते हुए प्रधान ने पुरानी पेंशन, कच्चों को पक्का करना, वेतन, कौशल रोजगार को भंग करते हुए कर्मचारियों को पक्का करना, पांच डिपूओं में आई इलैक्ट्रिक बसों को रोडवेज में शामिल किया जाए।

एसबीआई कर्मी बनकर युवक से पांच लाख ठगे

गुरुग्राम। साइबर क्राइम मानेसर थाना एरिया में एसबीआई कर्मी बनकर युवक से पांच लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पटौदी के जनौला गांव निवासी अभय सिंह ने बताया कि अगस्त माह में उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद का एसबीआई बैंक का कर्मचारी बताया। इसके बाद उसने व्हाट्सएप पर लिंक भेजा और उसके खोलने के लिए कहा।

एनएचएआई भी अब नगर की तर्ज पर सीसीएसएस अपनाकर संचालित करेगा पथ प्रकाश व्यवस्था

एनएचएआई के अधिकारियों ने निगम के प्रकाश विभाग के अधिकारियों से ऑनलाइन बैठक कर ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) भी अब नगर निगम की तर्ज पर सीसीएमएस पद्धति पर पथप्रकाश व्यवस्था का संचालन करेगा। इसको लेकर एनएचएआई के अधिकारियों ने निगम के प्रकाश विभाग के अधिकारियों से ली जानकारी ली।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने बताया कि नगर निगम सेंट्रल कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम (सीसीएसएस) से शहर की स्ट्रीट लाइटों का संचालन कर रहा है। प्रथम चरण में प्रकाश विभाग ने पांच हजार से अधिक लाइटों को सीसीएमएस एप से जोड़ा गया। प्रकाश विभाग दूसरे चरण में 30000 स्ट्रीट लाइट को एप से जोड़ने की कवायद चल रही है। जिसमें अन्य पैनल भी जोड़ने के लिए निगम द्वारा योजना बनाई जा रही है। इसका उद्देश्य सेंट्रल कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से प्रकाश विभाग 24 घंटे स्ट्रीट लाइट पर नजर बनाए रखना है। जिसका संचालन

मोबाइल के माध्यम से भी सरलता से संबंधित टीम और अधिकारी करते हैं। खराब लाइट होने पर तत्काल जानकारी टीम को मिलती है समाधान भी तत्काल विभाग द्वारा कराया जाता है। जिससे समस्या के समाधान में तेजी आई है, इसी प्लान को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी

अपनाएगा। प्रभारी प्रकाश आश कुमार ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के सदस्यों से वर्चुअल बैठक की। अधिकारी विकास चौहान भी मुख्य रूप से जुड़े तथा गाजियाबाद ननि द्वारा अपनाई जा रही पद्धति जिससे स्ट्रीट लाइट ऑन की मॉनिटरिंग की जाती है जानकारी ली गई।

आयुक्त ने टीम को बेहतर कार्य करने के लिए मोटिवेट किया

नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने बताया कि सीसीएसएस से जुड़ी हुई लाइटों में खराब होने पर सही करने की कार्यवाही भी तीव्रता से हो रही है, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया की वर्चुअल बैठक में जुड़े हुए अधिकारियों ने गाजियाबाद नगर निगम प्रकाश विभाग द्वारा इस्तेमाल की जा रही पद्धति की प्रशंसा की तथा मोबाइल पर ऐप से की जा रही वर्किंग को सरहाते हुए, अपनी टीम को भी इसी क्रम में बेहतर कार्य करने के लिए मोटिवेट किया, बैठक में गाजियाबाद नगर निगम से एक्सपर्ट टीम तारूशी भी उपस्थिति रही।

17 सितंबर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर

भाजपा लगाएगी मेगा रक्तदान एवं चिकित्सा जांच शिविरः रामपाल

- आयोजन में साथियों सहित भाग लें
- रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान दें
- अध्यक्ष ने की कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा फरीदाबाद द्वारा 17 सितंबर को सुबह 9.30 बजे सेक्टर-15 स्थित भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर एक मेगा रक्तदान और चिकित्सा जांच शिविर लगाया जाएगा, जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए फरीदाबाद के सभी वर्ग के लोगों को आमंत्रित किया गया है। पंकज पूजन रामपाल ने सभी कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों, युवाओं एवं आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस पवित्र सेवा आयोजन में अपने साथियों सहित भाग लें और रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान दें। भाजपा फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल कि अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक व पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक शोभित अरोड़ा, सह संयोजक मदन पुजारा, विक्रम सिंह अरुआ, प्रभा सोलंकी, खुशबू सिंह, जिला महामंत्री चौधरी प्रवीन गर्ग, वजीर सिंह डागर, मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। श्री रामपाल ने सेवा पखवाडा के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक होने वाले कार्यक्रमों स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, चिकित्सा जांच शिविर, मोदी युवा मैराथन, मोदी जी के जीवन पर प्रदर्शनी, वोकल फॉर लोकल अभियान का प्रचार, 25 सितंबर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक (15 दिन), जिला, मंडल एवं बूथ स्तर तक अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक व पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने भी सेवा पखवाडा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र भड़ाना, सीमा भारद्वाज, भारती भाकुनी, धर्मबीर भड़ाना, गोल्डी अरोड़ा, मुकेश शर्मा, जिला सचिव तरनजीत सिंह भाटिया, गिर्राज त्यागी, मनीष छोंकर, अनुराधा डिगवाल, पुनीता झा, कार्यालय सचिव राज मदान, जिला प्रवक्ता आभास अग्रवाल, अरुणिमा सिंह, मोर्चों के जिला अध्यक्ष राजबाला सरधाना, प्रवीण चौधरी, गौरव चौहान, अल्पसंख्यक मोर्चे के संयोजक नरेंद्र जैन, जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, मंडलों के अध्यक्ष एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एबीसी की बैठक में 11 बिंदुओं पर लिए गए निर्णय

निराश्रित श्वानों में मास रेबीज वैक्सीनेशन व आरएफआईडी माइक्रोचिप वाला पहला नगर निगम बनेगा गाजियाबाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में निराश्रित श्वानों के लिए मास रेबीज वैक्सीनेशन एवं आरएफआईडी माइक्रोचिप की शुरुआत की जाएगी, तथा तीन एबीसी सेंटर का संचालन वृहद स्तर पर किया जाएगा। इसके बाद गाजियाबाद नगर निगम उत्तर प्रदेश का पहला नगर निगम होगा, जिसमें मास रेबीज वैक्सीनेशन एवं आरएफआईडी माइक्रोचिप की शुरुआत की जाएगी।

यह निर्णय नगर आयुक्त की अध्यक्षता में शनिवार को संपन्न हुई एनिमल बर्थ कंट्रोल मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक लिए गया। बैठक में कुल 11 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर लिए गए निर्णय हुआ। बैठक के बाद उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज ने बताया कि एबीसी मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में मुख्य रूप से 11 बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिसमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश का अनुपालन सुनिश्चित किए जाने के लिए तथा एबीसी नियम 2023 के क्रम में बध्यकरण एवं टीकाकरण का कार्य करने व मॉनिटरिंग बढ़ाने के लिए निर्देशित किया गया। पालतू श्वान के पंजीकरण को 311 एप तथा जीएमसी पेट एप के माध्यम से अधिक पंजीकरण किया जाए निर्णय लिया गया। कार्यदाई संस्था नए स्तर से गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत श्वान की गणना करें, जिससे टीकाकरण व अन्य कार्यवाही प्रभावी होंगी निर्णय लिया गया। बैठक में पार्षद संजय सिंह बध्याकरण की कार्यवाही को वार्डवार किया जाने का सुझाव दिया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने आरडब्ल्यूए व एओ ए अपने रिहायसी सोसाइटी में फीडिंग पॉइंट स्थापित करने निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के क्रम में डॉग शेल्टर बनाने की कार्य योजना तैयार की जाए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। निराश्रित श्वानों को अधिक से अधिक एडॉप्शन किया जाए कार्य योजना बनाने के लिए चर्चा हुई। आयुक्त ने नए बस अड्डे स्थित एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर पर बध्याकरण की कार्यवाही जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

मुंबई क्राइम ब्रांच का कर्मचारी बनकर की 30 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मुंबई क्राइम ब्रांच का कर्मचारी बनकर 30 लाख की ठगी के मामले में साइबर थाना एनआईटी ने एक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एनआईटी फरीदाबाद में रहने वाली एक महिला ने साइबर थाना एनआईटी में शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि 16 जून 2025 को उसके पास एक कॉल आया जिस पर उसे बताया की वह मुंबई क्राईम ब्रांच से इंस्पेक्टर बोल रहा है तथा उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके बाद एक अन्य नंबर से पुलिस ऑफिसर की विडियो कॉल आई और कहा कि वह जेट एयरवेज मनी लॉनड्रिंग केस मे आरोपी है तथा उसे हॉउस अरेस्ट किया गया है व डिजीटल अरेस्ट के ऑर्डर उसके पास भेज देंगे तथा उसको इस केस में 6 करोड 80 लाख रुपये देने पडेंगे व उसके केस की प्रोसीडिंग्स व्हाट्अप के माध्यम से विडियो कॉल पर ही की जायेगी। जहां पर उसके सीनियर ऑफिसर और जज साहब उससे बात करेंगे और इस बारे में न तो वह किसी को बताएंगी और न ही घर से बाहर जायेंगी। जिसके बाद उन्होंने उससे केस के निपटारे के लिए 50 लाख रुपए की मांग की। जिसके बाद उसने ठगों द्वारा बताए खाता में 3020000 रुपए भेज दिए। जिस संबंध में साइबर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना एनआईटी की टीम ने गौरव कुमार निवासी सिविल लाईन वजीराबाद दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने किया भूमिपूजन

विधायक शर्मा ने सवा एकड़ में बनने वाले नए फायर स्टेशन की आधारशिला रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं मूलचंद शर्मा ने भूमि पूजन कर सेक्टर 61 में लगभग सवा एकड़ में बनने वाले नए फायर स्टेशन की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि फायर स्टेशन के निर्माण से इलाके के लोगों को आपातकालीन स्थिति में त्वरित सुविधा मिलेगी और नागरिकों की सुरक्षा और मजबूत होगी। विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में फायर सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण को लेकर हरियाणा सरकार लगातार गंभीर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बल्लभगढ़ समेत प्रदेश में करीब 11 नए फायर स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे आपदा प्रबंधन तंत्र और मजबूत होगा। सभी फायर स्टेशन आधुनिक होगें। हरियाणा सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत हरियाणा राज्य को 116.60 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस राशि में से 24.53 करोड़ विशेष रूप से राज्य में नए टू-बे फायर स्टेशन बनाने के लिए निर्धारित किए गए हैं। यह कदम राज्य में फायर सेवाओं के विस्तार एवं नागरिकों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में अहम साबित होगा। बता दें कि बल्लभगढ़ में लगातार विकास कार्यों की झड़ी लगी हुई है बीती शाम को भी लगभग 35 लाख रुपए की लागत से हरी विहार में 6 गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया है। भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा, निगरानी कमेटी के पूर्व चेयरमैन पारस जैन, पार्षद योगेश शर्मा, पार्षद किरण बाला, स्वराज भाटी, पीएल शर्मा, सेक्टर 62 के प्रधान सीताराम अत्री, सतवीर शर्मा, अरुण द्विवेदी, स्टेट ऑफिसर विकास ढांडा, फायर अफसर राकेश सिंह सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस मामले की छानबीन में जुटी

आर्मी अधिकारी बनकर डेयरी संचालक से 7.15 लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

साइबर क्राइम मानेसर थाना एरिया में आर्मी अधिकारी बनकर डेरी संचालक से 7.15 लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पथरेड़ी गांव निवासी पृथ्वी सिंह ने बताया कि वह हरियाणा डेयरी के नाम से मानेसर में दूध सप्लाई का काम करता है। 11 अगस्त को उसके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने अपना नाम सतीश कुमार बताते हुए खुद को आर्मी में अधिकारी बताया। कॉल करने वाले ने पृथ्वी सिंह को बताया कि आपके बड़े भाई जयनारायण ने मोबाइल नंबर दिया है और दूध, पनीर व दही की सप्लाई करने के लिए बातचीत की। कॉल करने वाले सतीश कुमार ने 40 किलो दूध, पांच किलो पनीर व 10 किलो दही का चार माह तक रोजाना का ऑर्डर लिखवाया और एमिटी मिलिट्री स्कूल मानेसर के पास की लोकेशन का लिंक भी भेजा। 12 अगस्त को पृथ्वी सिंह ने 40 किलो दूध, पांच किलो पनीर व 10 किलो दही का आर्डर लेकर लोकेशन पर पहुंचकर सतीश कुमार के पास कॉल की। कॉल पर सतीश कुमार ने बताया कि बड़े साहब का वीडियो कॉल आएगा। वर्दी में बात करने वाले व्यक्ति ने एडवांस भुगतान के लिए पृथ्वी सिंह से फोन-पे पर यूनिट की जानकारी डालने के लिए कहा। जब उसने फोन-पे पर यूनिट की जानकारी डाली तो वीडियो कॉल कट गई और उसके बैंक खाते से 12 अगस्त को सुबह 9.11 बजे से लेकर 9.48 बजे तक नौ बार में कुल 7.15 लाख रुपए डेबिट हुए।

आरोपियों को अदालत में पेशकर रिमांड पर लिया

लड़ाई झगड़े के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लड़ाई झगड़े के मामले में पुलिस चौकी सेक्टर-11 की टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस चौकी सेक्टर-11 में प्रतीक निवासी ज्वाला नगर शहादरा

दिल्ली ने शिकायत दी कि वह 12 सितंबर को सेक्टर-12 फरीदाबाद कोर्ट से घर जा रहा था। जब वह हनुमान मंदिर ट्रैफिक थाना के सामने से गुजर रहा था तभी एक गाड़ी उसका पीछा करते हुए आई जिसने उसकी गाड़ी को टक्कर मारी और उसमें से पांच लोग उतरे साथ मारपीट करने लगे और फिर उसकी सोने की चैन व नगदी लूट ली।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार डिलिवरी बॉय की मौत

गुरुग्राम। बादशाहपुर थाना क्षेत्र में सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) पर शुक्रवार की रात ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक युवक जोमैटो में डिलिवरी बॉय का काम करता था। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शवगृह पहुंचाया। चालक अपने ट्रक को घटनास्थल पर ही छोड़कर मौके से भाग गया। जानकारी अनुसार, उत्तर प्रदेश के औरैया निवासी विकास (20 वर्ष) गुरुग्राम के धुमसपुर गांव में किराए पर रहता था और जोमैटो में डिलिवरी बॉय की नौकरी करता था। विकास शुक्रवार की रात करीब 11.30 बजे एक ऑर्डर देने जा रहा था। वह सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) पर जैसे ही वह वाटिका चौक के पास यू-टर्न लेने के लिए धीमा हुआ तो एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को साइड से टक्कर मार दी। बाइक ट्रक के आगे के दाहिने टायर में फंस गई और ट्रक का टायर विकास के सिर के ऊपर से गुजरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही बादशाहपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन की। हादसे को अंजाम देने वाला ट्रक मौके पर ही खड़ा मिला।

लायंस क्लब ऑफ फरीदाबाद सेंट्रल की चैरिटी की मंत्री ने की प्रशंसा

सामाजिक सहयोग संस्थाओं का प्रमुख चरित्र होता हैः मंत्री नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लायंस क्लब फरीदाबाद सेंट्रल द्वारा बसंतपुर में बाढ़ पीड़ितों के लिए खाद्य पदार्थ वितरण किए और बडौली गांव के सरकारी स्कूल के लिए दो वाटर कूलर दान दिए। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि संस्थाओं को सामाजिक योगदान करना ही चाहिए क्योंकि यही उनका मूल चरित्र है। उन्होंने लायंस क्लब की उनके सामाजिक सरोकारों के लिए धन्यवाद किया।

मंत्री राजेश नागर ने कहा कि सरकार के निर्देश पर प्रशासन बाढ़ प्रभावितों में निरंतर कार्य कर रहे हैं। किसानों के नुकसान का निरंकार आंकलन किया जा रहा है। कैंपों में सभी प्रकार की दवाई और भोजन की निरंतर व्यवस्था की जा रही है। लेकिन जनहित के कार्यों के लिए सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग आवश्यक है। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े में सहयोग करें। गौरतलब है कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन और 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती होती है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन ओंकार सिंह रेणु, लायन एनके गुप्ता, योगेश गुप्ता, राहुल सिंघल, सीएल जैन, अजय शर्मा, संदीप गोयल आदि

प्रमुख रूप से मौजूद थे। लायंस क्लब ऑफ फरीदाबाद सेंट्रल द्वारा सरकारी स्कूल में भेंट किए गए वाटर कूलर का प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर स्कूली छात्रा से रिबन कटवाकर शुभारंभ करवाते हुए।

चोरी करने के मामले में एक आरोपी को दबोचा

फरीदाबाद। पंतजलि स्टोर से पैसे चुराने के मामले में अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने एक आरोपी को काबू किया है। अंजू निवासी 22 फुट रोड डबुआ कॉलोनी फरीदाबाद ने थाना कोतवाली में शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि 9 सितम्बर को नामपता नामालूम उसकी दुकान पंतजली स्टोर एवं आरोग्य केन्द्र एनआईटी फरीदाबाद से 75000 रुपए चोरी करके ले गए। जिस शिकायत पर थाना कोतवाली में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा उचा गांव की टीम ने जतिन कुमार निवासी रामनगर फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी जतिन ने साथी के साथ स्टोर का पीछे वाला गेट तोड़कर अंदर घुसा और स्टोर से नगदी चोरी करके ले गए। जतिन फरीदाबाद में ही एक गत्ता फैक्टरी में काम करता है। आरोपी से 8990 रुपए बरामद किए गए।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **दीपक पुत्रः** हरि राम **पताः** मकान नंबर 232, आई–ब्लॉक 40 फीट, रोड प्रेम नगर द्वितीय नांगलोई दिल्ली ने **FIR No. 179/17, U/s 392/34 IPC थानाः पश्चिम विहार, पूर्वी दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 179/17, U/s 392/34 IPC थानाः पश्चिम विहार, पूर्वी दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **दीपक,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती गर्ग
जेएमएफसी–11, कमरा नंबर 31
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/12207/OD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जितेन्द्र गोसैन निवासी म. नं. 1090/72, देवा राम पार्क, त्रिनगर, दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 282/2025 अन्तर्गत धारा 304(2)/317(2)/3(5) बीएनएस थाना आईपी एस्टेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जितेन्द्र गोसैन** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जितेन्द्र गोसैन** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 282/2025 अन्तर्गत धारा 304(2)/317(2)/3(5) बीएनएस थाना आईपी एस्टेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जितेन्द्र गोसैन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.10.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
प्रीति
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
केन्द्रीय जिला, कक्ष सं. 150
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/12155/CD/2025
(Court Matter)

खबर संक्षेप

गोमती पुस्तक महोत्सव 20 से 28 तक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 20 से 28 सितंबर तक गोमती पुस्तक महोत्सव होगा। उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। आयोजन के संबंध में शुक्रवार को मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने अफसरों के साथ बैठक की। मंडलायुक्त ने कहा कि महोत्सव में आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाए। अतिरिक्त बसें चलाई जाएं। पार्किंग की बेहतर व्यवस्था की जाए।

कोचिंग संचालक 2.45 करोड़ की ठगी में धराया

पटना। पटना के पीबहोर थाना इलाके में हरियाणा पुलिस ने छापा मारकर प्लेटफॉर्म कोचिंग संचालक को 2.45 करोड़ की साइबर ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की धरपकड़ के लिए हरियाणा से पुलिस पटना पहुंची थी। जानकारी के मुताबिक कोचिंग संचालक संजय सिंह के साइबर ठगी गैंग से जुड़े होने का आरोप है। जो डिजिटल अरेस्ट के नाम ठगता था। ठगी का मामला संजय सिंह के

13 से 18 सितंबर तक येलो अलर्ट जारी

रांची। झारखंड के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी है। एक या दो दिन के लिए नहीं पूरे 6 दिन के लिए। जी हां 13 सितंबर से लेकर 18 सितंबर तक के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने येलो अलर्ट जारी किया है। कहा है कि 18 सितंबर तक राज्य में कहीं-कहीं गरज और आंधी-तूफान के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। कुछ जगहों पर वज्रपात होने की भी आशंका है। मौसम वैज्ञानिक ने बताया है कि 16 अगस्त 2025 को हजारीबाग, कोडरमा,देवघर, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जिले में कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना है।

ग्रीन फायर वर्क्स से जगमगाएगा दीपोत्सव, 26 लाख दीपों से रोशन होगी अयोध्या

सीएम योगी के निर्देश पर पर्यटन विभाग ने दीपोत्सव-25 की तैयारी शुरू की है। 19 अक्टूबर को प्रदूषण-मुक्त ग्रीन फायर वर्क्स शो का आयोजन किया जाएगा। सरयू नदी के घाटों पर 26 लाख दीपक जलाए जाएंगे।

खास बातें

- बोले पर्यटन मंत्री, प्रदूषण-मुक्त आतिशबाज़ी अयोध्या की सांस्कृतिक भव्यता को करेगी प्रदर्शित
- 19 अक्टूबर को दीपोत्सव में ग्रीन फायर वर्क्स शो का आयोजन किया जाएगा
- यह आतिशबाज़ी प्रदूषण मुक्त होगी

सीएम योगी के निर्देश पर पर्यटन विभाग ने दिव्य और भव्य दीपोत्सव-25 की तैयारियां शुरू की

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

फाइल फोटो

दीपोत्सव-25 को भव्य और दिव्य बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पर्यटन विभाग द्वारा 19 अक्टूबर को दीपोत्सव में ग्रीन फायर वर्क्स शो का आयोजन किया जाएगा।

यह आयोजन पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय ग्रीन फायर वर्क्स के मानक पर आधारित होगा। यह आतिशबाज़ी प्रदूषण मुक्त होगी। इसके साथ ही दीपोत्सव में पर्यटकों को संगीत और तकनीक के साथ कोरियोग्राफी का अनूठा अनुभव देखने के साथ सुनने को मिलेगा। पर्यटन विभाग द्वारा दीपोत्सव-25 पर सरयू नदी के घाटों और राम की पैड़ी पर 26 लाख से अधिक दीपक जलाए जाएंगे। भक्ति-भाव से ओतप्रोत प्रस्तुतियों के बीच इस बार ग्रीन फायरवर्क्स शो खास आकर्षण का केंद्र होगा, जो आस्था और नवाचार को साथ लाकर एक प्रदूषण-मुक्त रंग-बिरंगी रौशनी से जगमगाएगा। करीब 10 मिनट तक चलने वाला यह शो संगीत, लेज़र इफेक्ट्स और आधुनिक कोरियोग्राफी से सजा होगा। कई मीटर से ऊंचाई तक उठने वाली आतिशबाज़ी सरयू के जल पर अद्भुत प्रतिबिंब बिखेरेंगी और वहां मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर देगी। दीपोत्सव-25 में दिखेगा परंपरा और नवाचार का उत्सव पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि दीपोत्सव-25 को दिव्य और भव्य बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदूषण-मुक्त आतिशबाज़ी के साथ हम अयोध्या की सांस्कृतिक भव्यता को प्रदर्शित करेंगे। जो हर श्रद्धालु को अविस्मरणीय अनुभव देगा। विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि इस बार के दीपोत्सव-25 में परंपरा और नवाचार दोनों का उत्सव देखने को मिलेगा।

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का स्थापना दिवस मनाया गया

सीएम योगी ने डॉक्टरों को किया सम्मानित बोले- हर मरीज के साथ करें अच्छा व्यवहार

- उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना
- सेवा पखवाड़ा के दौरान पीएचसी, सीएचसी में आरोग्य मेले लगेंगे
- गरीबों के लिए शव वाहन की व्यवस्था जरूरी
- सीएम ने डॉक्टरों को बेहतर सेवा का कहा

लखनऊ में डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हर मरीज के साथ डॉक्टरों का व्यवहार अच्छा हो। हर मरीज को अच्छी सुविधा मिले।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शनिवार को डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का पांचवा स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा शामिल हुए। इस मौके पर सीएम योगी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया। लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि डॉक्टरों का व्यवहार मरीजों के लिए काफी अहम होता है। गरीब परिवारों के प्रति आपकी संवेदना होनी चाहिए। अस्पताल में मरीजों को स्ट्रेचर मिल जाए। वार्ड बॉय उनकी मदद करें।

जमीन मिलने पर होगा विस्तार

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोहिया संस्थान के विस्तार के लिए दूरदर्शन से बात चल रही है। वो जमीन मिलने से यहां का विस्तार हो सकेगा। यह जमीन संस्थान के पास ही उपलब्ध है।

संस्थान के वाहन से शव पीड़ितों के घर तक पहुंचा दें

उन्होंने कहा कि यदि किसी गरीब परिवार के किसी व्यक्ति की दुखद मौत हो जाती है, तो संस्थान के वाहन से शव उसके घर तक पहुंचा दें। हमारे पास वाहन नहीं है तो संस्थान एक वाहन खरीद लें। निजी एंबुलेंस जो मरीजों को निजी अस्पताल ले जाती हैं, इन पर रोक लगनी चाहिए। पेशेवर ब्लड डोनेशन करने वाले लोग मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं। इस पर भी रोक लगे। सीएम ने आगे कहा कि लोगों ने सोशल मीडिया को नजरअंदाज किया। विकास किस तरह बाधित हो जाता है। ये हमने पड़ोसी देश में देखा। आज के युग के अनुरूप हमें हर क्षेत्र में खुद को तैयार करना होगा। सेवा पखवाड़ा के दौरान पीएचसी, सीएचसी में आरोग्य मेले लगेंगे। आरएमएल को भी इसमें हिस्सा लेना चाहिए। तमाम घुमंतू जातियां अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखतीं। हमें उन लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना चाहिए।

16 से होंगे ऑनलाइन आवेदन शुरू

उत्तरप्रदेश में एपीओ के 182 पदों पर होगी भर्ती

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने सहायक अभियान अधिकारी (एपीओ) भर्ती परीक्षा-2025 का संक्षिप्त विज्ञापन जारी कर दिया है। 182 पदों पर भर्ती के लिए 16 सितंबर से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी।

यूपीपीएससी के सचिव अशोक कुमार की ओर से जारी संक्षिप्त विज्ञापन के अनुसार, ऑनलाइन परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने एवं ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 16 अक्तूबर तय की गई है। ऑनलाइन प्रस्तुत आवेदन में सुधार/संशोधन एवं शुल्क समाधान की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर निर्धारित की गई है। बता दे कि परीक्षा का विस्तृत विज्ञापन 16 सितंबर से आयोग की वेबसाइट https://uppsc.up.nic.in पर उपलब्ध रहेगा। इसमें ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया, शुल्क जमा करने की प्रक्रिया, जाति प्रमाणपत्रों का प्रोफॉर्मा, परीक्षा-योजना एवं पाठ्यक्रम, आरक्षण एवं आयु में छूट के संबंध में निर्धारित महत्वपूर्ण निर्देश आदि उपलब्ध रहेंगे। सचिव के अनुसार अभ्यर्थी विस्तृत विज्ञापन देखने के बाद एवं अर्ह होने की स्थिति में ही आवेदन करें। पदों की संख्या परिस्थितियों एवं आवश्यकतानुसार घट-बढ़ सकती है। शैक्षिक अर्हता संबंधी जानकारी विस्तृत विज्ञापन में उपलब्ध रहेगी। आवेदन के लिए वही अभ्यर्थी पात्र होंगे जिनकी आयु एक जुलाई 2025 को न्यूनतम 21 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष हो।

तीन साल पहले 69 पदों पर हुई थी भर्ती

इससे पहले अप्रैल-2022 में सहायक अभियोजन अधिकारी (एपीओ) के 69 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। यूपीपीएससी ने प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू के माध्यम से 14 माह में चयन प्रक्रिया पूरी कर ली थी और जून-2023 में इस भर्ती का अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया गया था।

पेज एक का शेष

मणिपुर के नाम में...

पीएम मोदी का मणिपुर दौरा काफी ज्यादा अहम माना जा रहा है। उनका पहला पड़ाव चुराचांदपुर का पीस ग्राउंड था, जहां कुकी-जो समुदाय के लोग रहते हैं। इसके बाद वे कांगला किला गए, जो मैतेई समुदाय के लिए सांस्कृतिक और राजकिला गए, जो मैतेई समुदाय के लिए सांस्कृतिक और राजनीतिक महत्व रखता है। भारी बारिश की वजह से प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। अधिकारियों ने बताया कि मौसम यात्रा के अनुकूल नहीं था। ऐसे में पीएम मोदी ने सड़क से करीब डेढ़ घंटे की यात्रा तय करने का फैसला किया और लोगों तक पहुंचे। पीए मोदी ने कहा कि मैं मणिपुर के लोगों की भावना को सलाम करता हूं। इतनी बारिश के बावजूद आप बड़ी संख्या में यहां आए। मेरा हेलीकॉप्टर नहीं उड़ सका, तो मैंने सड़क से आने का फैसला किया। रास्ते में तिरंगा लेकर खड़े लोगों का जो प्यार मिला, वह पल मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा कि भारत सरकार पूरी ताकत से राज्य में जीवन को सामान्य करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मणिपुर के लोगों को भरोसा दिलाया कि मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार आपके साथ है। साथ ही, उन्होंने सभी समुदाय से अपील की कि वे हिंसा छोड़कर शांति का रास्ता अपनाएं ताकि अपने सपनों को पूरा कर सकें। मणिपुर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है जो आने वाले समय में पूरे नॉर्थ-ईस्ट की चमक को बढ़ाने वाली है। भारत सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं। इसी कड़ी में मैं यहां आप सभी के बीच आया हूं। मोदी ने मणिपुर में 7000 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि मणिपुर आशा और आकांक्षाओं की धरती है हालांकि हिंसा ने इसे प्रभावित किया है। मोदी ने शांति बनाए रखने की अपील की और पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के अपने तीन दिवसीय दौरे की शुरुआत शनिवार सुबह मिजोरम के आइजोल की यात्रा से की, जहां उन्होंने बैराबी-सैरांग रेल लाइन का उद्घाटन किया, जो मिजोरम को पहली बार भारतीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी।

अलग-अलग समूहों के साथ समझौतों के लिए बातचीत हुईः हिंसा को लेकर पीएम ने कहा कि हमें संतोष है कि हाल ही में हिल्स और वैली में अलग-अलग समूहों के साथ समझौतों के लिए बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति की स्थापना के लिए काम किया जा रहा है। पीएम मोदी ने शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि मैं सभी संगठनों से अपील करूंगा कि शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपनों को पूरा करें।

रेल व सड़क परियोजनाओं...

है। दूसरा, हमने शहरों से गांवों तक सड़कें बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। यहां राष्ट्रीय राजमार्गों पर 3,700 करोड़ खर्च किए गए हैं और 8,700 करोड़ के निवेश से नए राजमार्गों पर काम चल रहा है। भारत सरकार मणिपुर की विकास यात्रा को गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सैकड़ों गांवों में...

हैं, जिससे हजारों परिवारों को सम्मान और सुरक्षा का जीवन मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले पहाड़ी और आदिवासी इलाकों में अच्छे स्कूल और अस्पताल बस एक सपना ही थे। आज भारत सरकार के प्रयासों से यह स्थिति बदल रही है। चुराचांदपुर में अब एक मेडिकल कॉलेज बन गया है। आजादी के दशकों बाद भी मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं था।

ब्रिटेन में सिख महिला...

चौंकाने वाला तथ्य यह भी है कि जिस महिला के साथ मानवता को शर्मसार करने वाली यह वारदात हुई है। वह ब्रिटेन में ही जन्मीं हैं। ब्रिटेन के जनप्रतिनिधियों यानी सांसदों ने भी घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए नस्लवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

मदद के लिए आगे आया सिख यूथ यूके : घटना के बाद ब्रिटेन में सिख यूथ यूके नामक संगठन ने आगे आकर पीड़िता और परिवार के समक्ष मदद का हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वो इस क्रूर हमले के बाद पीड़िता और उसके परिवार को अपना समर्थन प्रदान करते हैं। इसके अलावा स्थानीय गुरुद्वारा, स्मेथविक में स्थानीय गुरुद्वारे द्वारा पिछले 12 सितंबर को मामले को लेकर एक सार्वजनिक बैठक भी बुलाई जा चुकी है।

ब्रिटेन में बढ़ती नस्लीय घटनाएं : बताते चलें कि बीते कुछ वक्त से ब्रिटेन में सिख समुदाय के लोगों पर लक्षित हमला करने के मामले लगातार बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। करीब एक महीना पहले ही वॉल्वरहैम्प्टन में कुछ सिख लोगों पर हमले की एक दर्दनाक घटना सामने आ चुकी है। जिसमें एक रेलवे स्टेशन के बाहर तीन लड़कों ने दो बुजुर्ग सिख लोगों पर हमला किया था। इसके बाद अब समुदाय की एक युवा महिला के साथ दुष्कर्म का यह दुखद मामला सामने आया है। इन सबसे इतर ब्रिटेन के बाहर दुनिया के बाकी देशों में भी वर्तमान में भारतीयों की सुरक्षा पर गंभीर सवालिया निशान लगा हुआ है। कहीं पर उनके साथ हिंसा तो कहीं मारपीट और यहां तक की भारतीयों की हत्या जैसे जघन्य अपराध के मामले सामने आ रहे हैं। जिसमें अमेरिका के डलास में बीते दिनों एक भारतवंशी 50 वर्षीय मोटल मैनेजर चंद्रमौली नागमल्लैया की बेहद निर्ममता से की गई हत्या का मामला भी शामिल है।

पुलिस का सिख समुदाय को आश्वासन : ब्रिटेन में घटना के बाद से आक्रोशित सिख समुदाय की नाराजगी को स्थानीय पुलिस ने जायज ठहराया है। साथ ही कहा कि घटना के बाद उनकी नाराजगी समझी जा सकती है। हम आश्वासन देते हैं कि इलाके की सुरक्षा के लिए पुलिस की गश्त को और अधिक मजबूत किया जाएगा। उधर, दुष्कर्म के मामले में शामिल दोनों संदिग्धों की पहचान को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों श्वेत पुरुष हैं। एक का सिर मुंडा हुआ था और उसने गहरे रंग की स्वेटशर्ट पहन रखी थी। जबकि दूसरे ने कथित तौर पर भूरे रंग का टॉप पहना हुआ था। सैंडवेल के प्रमुख पुलिस अधीक्षक किम मैडिल ने कहा कि घटना के बाद सामने आई नाराजगी पूरी तरह से समझी जा सकती है। इसे एक दुलर्भ घटना माना जा सकता है, जिसमें हमने आरोपियों की जल्द धरपकड़ की कवायद शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों से बातचीत के अलावा हम इलाके में पुलिस की गश्त को और अधिक बढ़ाने जा रहे हैं।

ब्रिटेन में नस्लवाद...

कि इस घटना के बाद से पीड़ित महिला गहरे सदमे में है। अगर किसी के पास आरोपियों के बारे में कोई जानकारी हो तो वो तुरंत उसे पुलिस के साथ साझा करें।

फिलिस्तीन को एक...

में मामले पर लाए गए प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाता हुआ नजर आ रहा था। लेकिन दशकों से वह द्विराष्ट्र सिद्धांत के जरिए इस समस्या का समाधान निकालने का समर्थन करता रहा है। जिसमें यह स्पष्ट है कि इजरायल के साथ फिलिस्तीन को भी एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी जाएगी। महासभा में फ्रांस और सऊदी अरब द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया था। जिसे भारत समेत दुनिया के कुल 142 देशों ने अपना समर्थन प्रदान किया। अमेरिका, इजरायल, अर्जेंटीना के साथ ही 10 देशों ने इसके विरोध में मतदान किया। जबकि दर्जनभर देशों ने मतदान से दूरी बनाई। इजरायल ने न्यूयॉर्क घोषणापत्र को अस्वीकार करते हुए महासभा की प्रासंगिकता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है।

प्रस्ताव के पक्ष में खाड़ी के सभी अरब देश : यहां बता दें कि बतौर स्वतंत्र देश के रूप में फिलिस्तीन को समर्थन देने वाले 142 देशों में खाड़ी के सभी अरब देश शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया के तुरंत बाद महासभा ने प्रस्ताव को न्यूयॉर्क घोषणापत्र के रूप में स्वीकार किया। इसी साल जुलाई महीने में यूएन में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में घोषणापत्र को फ्रांस और सऊदी अरब की सह-अध्यक्षता में वितरित किया गया था। जिसका उद्देश्य मामले के समाधान के लिए फिर से संवाद प्रक्रिया के सिलसिले की शुरुआत करना था। जिससे दशकों से लंबित पड़ा यह विवाद आखिरकार हल किया जा सके और इलाके में शांति स्थापित की जा सके।

मध्य-पूर्व में निकलेगा शांति का पृथक मार्ग : फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इस प्रस्ताव को महासभा के 142 देशों के समर्थन के जरिए फिलिस्तीन समस्या के निदान को लेकर हमने दो राष्ट्र सिद्धांत के पक्ष में अपना संकल्प जताया है। हम सभी देश एकजुटता से मध्य-पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए एक पृथक मार्ग का निर्माण कर रहे हैं।

नड्डा ने बिहार में विपक्ष...

पर साझा किए गए एक एआई-जनरेटेड वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि पीएम मोदी की दिवंगत मां को किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा अपशब्द कहे गए। नड्डा ने कहा कि कभी राहुल गांधी आरोप लगाते हैं कि पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहले 70 लाख मतदाता जोड़े गए थे, तो कभी वह यह संख्या एक करोड़ बताते हैं, नड्डा ने जोर देकर कहा कि वह 2005 तक राज्य में व्याप्त अराजकता के 'प्रत्यक्षदर्शी' रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में आया और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने तो स्थिति सुधारी। नड्डा ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राजग के शासन में बिहार दोहरे अंकों की विकास दर दर्ज कर रहा है और जो लोग दसवीं कक्षा तक भी नहीं पहुंच पाए, वे इस तथ्य की सराहना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग जंगल राज को कभी नहीं भूल सकते। लालू प्रसाद के कार्यकाल में यहां के लोग राज्य से पलायन करने को मजबूर हुए थे। मुझे कहना होगा कि राजद भ्रष्टाचार और जंगल राज से जुड़ा है। उन्होंने राजद का मतलब समझते हुए कहा कि 'रा' का मतलब 'रंगदारी', 'ज' का मतलब 'जंगलराज' और 'द' का मतलब 'दादागिरी' है। नड्डा ने कहा कि आज मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के लोग विकास देख रहे हैं। केंदीय मंत्री ने कहा कि 2005 से पहले बिहार की स्थिति क्या थी और आज क्या है? 2005 से पहले तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और सत्ता समर्थित अपराध की राजनीति थी. आज राजग सरकार के नेतृत्व में बिहार विकास के पथ पर अग्रसर है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से देश में आज 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। नड्डा ने कहा कि इसी तरह अत्यधिक गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि मोदी ने 14 करोड़ से अधिक घरों में नल के माध्यम से पानी और चार करोड़ से अधिक गरीब लोगों को आवास प्रदान किया है।

अब खुलेगा बांके ...

जा सके कि कमरे में क्या-क्या रखा है। इसके साथ ही मंदिर में मौजूद खजाने (संपत्ति) का विशेष ऑडिट कराने का भी निर्णय लिया गया है। मंदिर की चल-अचल संपत्तियों का विवरण 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। अब भक्तों को घर बैठे ठाकुर जी के दर्शन की लाइव स्ट्रीमिंग की सुविधा भी मिलेगी। अब वीआईपी एंट्री पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी की चौथी बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया।

रबी फसल के लिए 16...

रबी 2025-26 की बुवाई सीज़न से संबंधित तैयारियों, उत्पादन लक्ष्यों और रणनीतियों पर गहन चर्चा होगी। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। इस अवसर पर अनेक राज्यों के कृषि मंत्री, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण सचिव, आईसीएआर के महानिदेशक सहित अन्य संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों तथा राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के निर्देश पर पहली बार रबी सम्मेलन दो दिन का हो रहा है जिसमें कृषि से संबंधित चुनौतियां तथा रबी मौसम की फसलों के लिए किसानों को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से विभिन्न प्रकार के विषयों पर चर्चा की जाएगी। पहले दिन केंद्र एवं राज्यों के अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। 16 सितंबर को सभी राज्यों के कृषि मंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री व राज्य मंत्री विस्तृत चर्चा करेंगे, जिसमें नवीनतम तकनीक एवं बीजों को किसानों तक किस तरह प्रभावी तरीके से पहुंचाया जाए, इसके लिए गहन चिंतन एवं समीक्षा की जाएगी। सभी राज्यों के पदाधिकारी अपनी टीम के साथ इसमें भाग लेंगे , पहली बार इसमें कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया गया है, जो क्षेत्रीय अनुभव एवं चुनौतियां को साझा करेंगे तथा आगे की रणनीति तय करेंगे।

भारत पर आसान नहीं था...

एक अमेरिकी टॉक शो के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने यह जानकारी दी है। वहीं, जानकारों की राय में ट्रंप के इस बयान पर अभी पूरी तरह से आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जा सकता है। क्योंकि बीते दिनों ही उन्होंने एक तरफ भारत के प्रति अपने रुख में कुछ नरमी दिखाई थी। लेकिन उसके साथ ही पहले यूरोपीय संघ (ईयू) और उसके बाद जी-7 देशों से भारत और चीन पर रूसी तेल की खरीद को लेकर 100 फीसदी तक भारी-भरकम टैरिफ लगाने को कहा था।

भारत पर 27 अगस्त से लागू है टैरिफ : उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति का यह बयान बीते दिनों उनके द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताने और भारत के साथ व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत की फिर से शुरुआत करने की इच्छा जताने के तुरंत बाद दिया गया है। भारत पर अमेरिका ने जो 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। उसका 25 फीसदी भाग रूस से जारी तेल की खरीद को लेकर लगाए गए दंडात्मक टैरिफ से जुड़ा हुआ है। पिछले महीने 27 अगस्त से भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले सभी सामान पर समूचा 50 फीसदी टैरिफ लागू हो गया है। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम के बीच भारत, अमेरिका के टैरिफ के निर्णय को पूरी तरह से अनुचित और अविवेकपूर्ण बता चुका है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक रूप से इस बात का ऐलान कर चुके हैं कि देश के किसानों और एमएसएमई के हितों की हर हाल में रक्षा की जाएगी। भारत की तेल की खरीद देश की आम-जनता की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति के मद्देनजर की जा रही है। जिसे किसी भी परिस्थिति में सुनिश्चित बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। भारत ने उस पर टैरिफ लगाने और अमेरिका द्वारा खुद रूस से व्यापार करने को लेकर वाशिंगटन को आईना भी दिखाया है।

यूरोप पर फोड़ा युद्ध का ठींकरा : उन्होंने कहा कि यूक्रेन में चल रहा युद्ध संयुक्त राज्य अमेरिका की नहीं या हमसे कहीं अधिक यूरोप की समस्या है। इसलिए उन्हें आगे आना होगा। रूस और उनके राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को रोकने के लिए मैंने बहुत कुछ किया है और अब यूरोप जिसकी यह असल समस्या है। उसे ही आगे आना होगा। अमेरिका ने इस समस्या का हल निकालने के लिए पूरी ईमानदारी से काम किया है।

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

भारत की आत्मा है हिंदी

{ आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा }

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अक्सर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

{ विचारणीय / लोकमित्र गौतम }

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

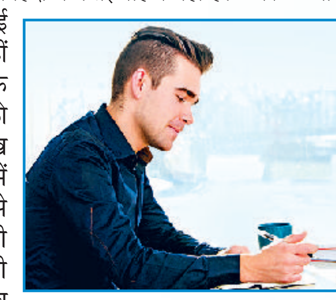

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंगलुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

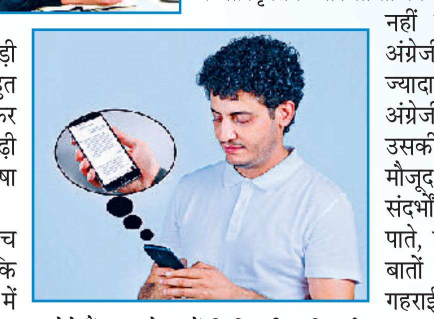

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

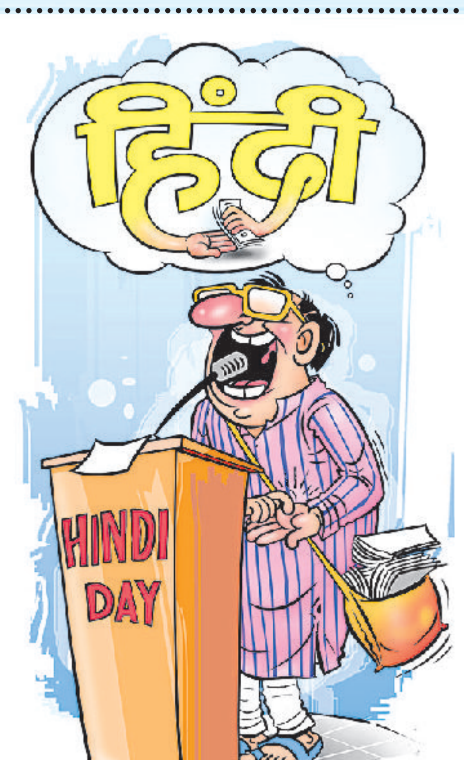

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

{ लघुकथा / शीला श्रीवास्तव }

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

मुख्यमंत्री ने झाबुआ को 350 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी

राजगढ़ पारा-राणापुर पेट्रोल पंप तक बनेगी 55 किमी टू-लेन रोड

झाबुआ जिले में 25 करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे छात्रावास

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशवासियों को जीएसटी से छूट मिली है। वे भारत को आत्मनिर्भर बनाते हुए दुनिया के सामने चट्टान की तरह खड़े हैं। दुनिया के हर मंच पर प्रधानमंत्री के पहुंचने से ही रोशनी आती है। पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। भारत सरकार देश के 85 करोड़ जरूरतमंदों को निः शुल्क राशन वितरित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि झाबुआ को लगभग 350 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। राज्य सरकार ने इस अंचल के पारम्परिक भगौरिया पर्व को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिलाया है। मुख्यमंत्री ने बहनों को बधाई देते हुए कहा कि आगामी चुनावों में बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इससे देश की संसद और विधानसभाओं में बहनों का प्रतिनिधित्व और बढ़ेगा।

ग्राम पारा में नवीन नलजल योजना से निर्माण की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेटलावद में सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड, श्रंगेश्वर तीर्थस्थल में घाट निर्माण एवं सौंदर्यीकरण, राजगढ़-पारा-राणापुर-पिटोल मार्ग 55 किमी 2 लेन मार्ग निर्माण, एनएच-47 दत्तीगांव फाटे से उमरकोट-बोलासा रायपुरिया 2 लेन मार्ग निर्माण 30.80 किमी, एनएच-47 से माछलिया मृगारुंडी मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल एवं मार्ग, झाबुआ-कल्याणपुरा-रायपुरिया मार्ग पर ग्राम कदवाली में टूटी पुलिया का निर्माण, ग्राम धतुरिया जिला झाबुआ से माही नदी पर पुलिया एवं लाबरिया जिला धार तक मार्ग निर्माण और ग्राम पारा विकासखंड रामा में नवीन नलजल योजना के निर्माण की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि झाबुआ जिले में 25 करोड़ की लागत से विभिन्न छात्रावास बनाए जाएंगे। झाबुआ के जनजातीय बच्चे डॉक्टर और इंजीनियर बनें और राज्य सरकार उनके देश से लेकर विदेश तक पढ़ाई का पूरा खर्च उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत जल्द मैं झाबुआ में मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करने आऊंगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को नियुक्ति-पत्र वितरित

पेटलावद में 10 साल पहले एक बड़ा ब्लास्ट हुआ था। मुख्यमंत्री ने इस दुःखद हादसे के मृतकों और उसके परिजन के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण सहित महिला एवं बाल विकास विभाग में नव चयनित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को नियुक्ति-पत्र वितरित किए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

खबर संक्षेप

ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराए जाने के लिए दिए निर्देश

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने नगरीय निकायों को उनके क्षेत्र में पेंशनधारियों को समग्र आईडी ई-केवाईसी की प्रक्रिया को पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में अपर आयुक्त कैलाश वानखेड़े ने नगरीय निकायों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय में यह बात सामने आई कि पेंशन योजनाओं से लाभान्वित हो रहे बड़ी संख्या में पेंशनधारियों की समग्र आईडी की ई-केवाईसी प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। ऐसी स्थिति में जिन पेंशनधारियों की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होगी, उनकी आगामी माह से पेंशन रोकी जा सकती है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ प्राप्त करने के लिए समग्र आईडी की ई-केवाईसी अनिवार्य है। सामाजिक न्याय विभाग की ओर से इस कार्य के लिए 31 अगस्त तक की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। जानकारी के अनुसार प्रदेश में 3 लाख 50 हजार से अधिक पेंशनधारियों की ई-केवाईसी शेष है।

हिंदी राष्ट्रीय सौहार्द्र की भाषा, राष्ट्रीय एकता की सबसे अच्छी कड़ी

भोपाल। हिंदी सौहार्द्र की भाषा है। यह राष्ट्रीय एकता की सबसे अच्छी कड़ी बन सकती है। यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में हिंदी दिवस की उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने एक स्वर से कही। हिंदी दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा हिंदी भाषा के महत्व पर विचार प्रस्तुत करने से हुई। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कविताओं, लघु कथाओं और शोध पत्रों के माध्यम से हिंदी की संवेदनशीलता, विविधता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उत्सव के दौरान प्रस्तुत किए गए रचनात्मक योगदानों ने न केवल भाषा के सौंदर्य को उजागर किया बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों को भी सामने रखा।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कबीरधाम। जिले के थाना सिंघनपुरी जंगल पुलिस ने हत्या के आरोपी को मलैदा जंगल से गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफलता प्राप्त की है। गौरतलब है कि 8 सितंबर की शाम 6:30 बजे ग्राम बैगापारा भेंड्रानवागांव निवासी रामचरण बैगा उम्र 47 ने अपने ही गांव के शत्रुहन बैगा उम्र 42 को गांव से बाहर जाने की धमकी दी और जान से मारने की नीयत से हाथ, मुक्का से हमला कर दिया। हमले से शत्रुहन बैगा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पर थाना सिंघनपुरी जंगल में मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया गया। मर्ग जांच में आरोपी रामचरण बैगा द्वारा हत्या किया जाना पाए जाने से थाना सिंघनपुरी जंगल में धारा 103(1) दर्ज कर विवेचना में लिया गया। घटना के बाद आरोपी फरार होकर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) जिले के मलैदा जंगल में छुपा हुआ था। थाना सिंघनपुरी जंगल की टीम ने साइबर सेल कबीरधाम की तकनीकी मदद से आरोपी का पता तलाश कर मलैदा जंगल से गिरफ्तार किया। इसके बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

जलभराव से प्रभावित सड़कों की मरम्मत के लिए एक्शन में नायब सैनी

सड़कों की डीपीआर में गुणवत्ता के साथ पानी निकासी भी प्लान करें, सैंपल रिपोर्ट सुरक्षित रखें

■ मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ने ली उपायुक्त की बैठक, काम शुरू करने के निर्देश

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में बनने वाली सड़कों की डीपीआर में गुणवता को सुनिश्चित करें और डीपीआर में ड्रेनेज प्लान के साथ-साथ पानी निकासी की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा, हर साइट का निरीक्षण कर, उसके सैंपल भरकर लैब में चैक करवाएं और उनकी रिपोर्ट को सुरक्षित रखा जाए।

- ■ विभाग सड़कों पर साइन बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करें
- ■ इसके साथ ही सड़कों पर बर्म बनाए जाएं

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह निर्देश शनिवार यहां विभिन्न विभागों की सड़क मुरम्मत के संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। इस दौरान सभी उपायुक्त व डीएमसी भी वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग सड़कों पर साइन बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सड़कों पर बर्म बनाए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां पर सड़कों के कार्य चल रहे हैं वहां के निवासियों से कार्य की प्रतिक्रिया भी लेते रहें और दूसरे राज्यों के साथ लगती सड़कों को अच्छा किया जाए और पेड़ लगाकर सौंदर्यकरण भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश की जिन सड़कों के टेंडर अलॉट हो चुके हैं उन सड़कों का कार्य तुरंत शुरू करवाया जाए।

गीता जयंती से पहले कुरुक्षेत्र में विभिन्न चौकों का महाभारत की थीम पर होगा सौंदर्यकरण

मुख्यमंत्र ने यह भी निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में बारिश के कारण सड़कों के उपर से पानी जा रहा था ऐसे स्थानों को चिह्नित कर पानी निकासी के लिए पाईप डाले जाएं। इसके अतिरिक्त, कुरुक्षेत्र में विभिन्न चौकों का महाभारत की थीम पर सौंदर्यकरण किया जाए। यह कार्य गीता जयंती से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि पहाड़ी क्षेत्र मोरनी में बारिश के कारण जो कच्चे रास्ते खराब हो चुके हैं उनको मनरेगा के तहत ठीक करवाया जाए।उन्होंने कहा कि जिलों में सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के पास वहां चल रहे कार्यो सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा, विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करवाया जाए और विशेषकर गुणवता का पूरा ध्यान रखा जाए, गुणवता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

यहां सैंपल भरवाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने सम्बंधित जिला उपायुक्तों को विभिन्न सडकों के सैम्पल भरवाकर जांच करवाने के निर्देश दिए। इन सडकों में जिला फतेहाबाद में पीएम श्री कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सामने वाली सड़क व भिरडाना सड़क के सैम्पल, जिला हिसार में सेक्टर 14 की सड़क के सैम्पल, जिला झज्जर में समस्तपुर माजरा गांव की सड़क व मारौत गांव की सड़क के सैम्पल, पंचकूला में सड़क का सैंपल भरवाने को कहा।

एकजुट हरियाणा, सुरक्षित पंजाब बाढ़ प्रभावित पंजाब के हर कोने में राहत सामग्री पहुंचाने में जुटे हरियाणवी : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़। पहाड़ी क्षेत्रों के साथ—साथ मैदानी क्षेत्रों में भी अत्यधिक बारिश के चलते पंजाब में आई भयंकर बाढ़ की त्रासदी ने जनजीवन को अस्त—व्यस्त कर दिया। खेत पानी में डूब गए और लोगों को अपने घरों को छोड़ राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। यह संकट सिर्फ पंजाब का नहीं बल्कि पूरे उत्तर भारत का है। ऐसे कठिन समय में हरियाणा ने इंसानियत का सबसे बड़ा परिचय देते हुए अपने पड़ोसी राज्य पंजाब की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में आई बाढ़ की विकट स्थिति के दौरान अद्वितीय नेतृत्व और संवेदनशीलता का परिचय दिया। उन्होंने बिना रुके,रदेशभर के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का लगातार दौरा किया, स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित लोगों की समस्याओं को नजदीक से समझा।

राहत-बचाव कार्यों में जुटे

मुख्यमंत्री ने प्रशासन और संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत और बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह भी सुनिश्चित किया कि हर जरूरतमंद परिवार तक समय पर सहायता सामग्री, चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष अपील जारी कर प्रदेशवासियों से बाढ़ पीड़ितों की मदद करने का आह्वान किया। इस आह्वान का असर भी दिखाई दिया और देखते ही देखते हरियाणा के पंजाब मदद भेजी जाने लगी।

आईटीसी के करुणेश बजाज चुने गए एबीसी के अध्यक्ष

नई दिल्ली। आईटीसी के करुणेश बजाज को सर्वसम्मति से 2025-26 के लिए ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (एबीसी) का अध्यक्ष चुना गया। मोहित जैन उपाध्यक्ष बने। बजाज के साथ टीवीएस और मारुति सुजुकी के अधिकारी भी एबीसी परिषद में शामिल हुए हैं। बजाज को ब्रांडिंग में 30 साल का अनुभव है। आईटीसी लि. के करुणेश बजाज को सर्वसम्मति से 2025-26 के लिए ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (एबीसी) का अध्यक्ष चुना गया है। अन्य पदाधिकारी भी चुने गए।

दशकों का अनुभव

करुणेश आईटीसी में कार्यकारी उपाध्यक्ष मार्केटिंग एवं एक्सपोर्ट विपणन एवं निर्यात के पद पर हैं। विपणन रणनीति, ब्रांड निर्माण और नेतृत्व में तीन दशकों का अनुभव है। एबीसी की हुई बैठक में बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लि. के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (पब्लिशिंग) और कार्यकारी निदेशक मोहित जैन को उपाध्यक्ष चुना गया है। वहीं, एबीसी के प्रबंधन परिषद के सदस्य के रूप में बजाज के अलावा टीवीएस मोटर कंपनी के अनिरुद्ध हल्दर और मारुति सुजुकी इंडिया के पार्थो बनर्जी विज्ञापनदाताओं के प्रतिनिधि होंगे। प्रकाशकों के प्रतिनिधि के रूप में उपाध्यक्ष मोहित जैन के अलावा एबीपी प्राइवेट लि. के ध्रुबा मुखर्जी सचिव होंगे।

मध्यप्रदेश : आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती के 270 पदों पर हुई 12 करोड़ रुपये की वसूली : दामोदर

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला बाल विकास विभाग की प्रदेश भर में की गई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार होने का आरोप लगा है। दलित पिछड़ा समाज संगठन (डीपीएसएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर सिंह यादव ने शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए बताया कि जिला दतिया के तीनों विकासखंडों में 270 पदों की भर्ती हुई। इनमें 12 करोड़ की वसूली की गई।

मार्केट न्यूज

मोहाली में हुआ हीर एक्सप्रेस का प्रीमियर, दिविता जुनेजा रही आकर्षण का केंद्र

मोहाली। सीपी 67 में बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म हीर एक्सप्रेस का भव्य प्रीमियर आयोजित किया गया। इस मौके पर फिल्म की लीड एक्ट्रेस दिविता जुनेजा (हीर) और दिग्गज अभिनेता गुलशन ग्रोवर, मेघना मलिक, निर्देशक उमेश शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा चंडीगढ़ और आस पास की नामचीन हस्तियों ने इस प्रीमियर में शिरकत की और फिल्म को जमकर सराहा। रंजीत फिल्म के गाने, दमदार स्टारकास्ट और साफ-सुथरी कहानी ने दर्शकों को भावुक भी किया और मनोरंजन भी। हर किसी की जुबान पर फिल्म के गानों की तारीफ थी। कई दर्शकों ने मुस्कुराते हुए कहा कि हीर एक्सप्रेस वाकई कमाल की फिल्म है। लंबे समय बाद इतनी साफ-सुथरी और दिल छू लेने वाली कहानी देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि फिल्म का हर सीन दिल को छू जाता है और क्लाइमैक्स तो गजब है। फिल्म की सबसे गाने सुनते ही याद रह जाते हैं। दिविता जुनेजा का काम इतना नैचुरल और दमदार लगा कि यकीन ही नहीं होता यह उनकी पहली फिल्म है। उन्होंने कहा कि दिविता जुनेजा का डेब्यू अनन्या, जान्हवी या आलिया के डेब्यू भावनाओं, रिश्तों और संगीत से सजी एक साफ सुथरी पारिवारिक फिल्म है 'हीर एक्सप्रेस' प्रीमियर पर हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध खलनायक रंजीत और मशहूर पंजाबी सिंगर मनकीरत औलख मौजूद रहे आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा, मेघना मलिक जैसे दिग्गज कलाकारों ने फिल्म में बखूबी निभाया है रोल जहां गानों और फिल्म की कहानी ने समा बांध दिया।

कई साल बस्तर में रही, दे चुकी बड़ी वारदातों को अंजाम

एक करोड़ की महिला नक्सली ने किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

नक्सली संगठन को फिर एक बार बड़ा झटका लगा है। कुख्यात नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी सुजाता ने तेलंगाना में आत्मसमर्पण किया है। सुजाता पर सरकार ने एक करोड़ रुपये का इनाम रखा था।

उसके सरेंडर को सुरक्षा एजेंसियां नक्सल मोर्चे पर बड़ी कामयाबी मान रही हैं। बताया जाता है कि सुजाता नक्सली संगठन के सेंट्रल कमेटी की मेंबर है। वह नक्सलियों के दक्षिण सब जोनल ब्यूरो की इंचार्ज के साथ ही और लंबे समय से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में कई नक्सली वारदातों में सक्रिय रही है। उनके नाम पर कई बड़ी नक्सली वारदातें दर्ज हैं। इतना ही नहीं उसकी तुलना 'चंदन तस्कर' वीरप्पन से की जाती थी। माना जाता है कि वह खूंखार नक्सली हिड़मा को ट्रेनिंग दे चुकी है। सुरक्षा बलों की लिस्ट में वो टॉप रैंक की महिला नक्सली मानी जाती है। कई साल तक बस्तर में सक्रिय रहकर कई बड़ी नक्सली वारदातों को अंजाम दे चुकी है।

पहले

अब

आठ-आठ लाख के दो इनामी नक्सली ढेर

बीजापुर। जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 8-8 लाख रुपये के दो इनामी नक्सली मारे गए हैं। घटना स्थल से भारी मात्रा में हथियार व नक्सली सामग्री भी बरामद की गई है। बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि माओवादी कैडर की गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर की टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अभियान के दौरान 12 सितम्बर की सुबह सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान पुलिस बल और माओवादियों

नाबालिग के साथ मिलकर दिया था वारदात को अंजाम, दो दिन में पकड़ाए आरोपी

पड़ोसी निकला आदिवासी परिवार का हत्यारा, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

एक आदिवासी परिवार के पति-पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने वाले कातिल को आखिरकार रायगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। चरित्र शंका के कारण आरोपी ने नाबालिग के साथ मिलकर पूरे परिवार की हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों ने अपना गुनाह कबुल कर लिया है।

11 सितंबर को ग्राम ठुसेकेला राजीव नगर में ग्रामीणों ने खरसिया पुलिस को सूचना दी थी कि बुधराम उरांव का घर अंदर से बंद है और भीतर खून के धब्बे दिख रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, एडिशनल एसपी आकाश मरकाम, डीएसपी अनिल विश्वकर्मा, एसडीओपी प्रभात पटेल समेत खरसिया, छाल, कोतरारोड़, पूंजीपथरा, जोबी पुलिस, एफएसएल, डॉग स्क्वाड और बीडीएस की टीमें मौके पर पहुंचीं। जांच में बुधराम उरांव (42), उसकी पत्नी सहोद्रा (37) और दोनों बच्चों अरविंद (12) और शिवांगी (5) के शव बाड़ी में खाद के गड्ढे से बरामद हुए।

पुलिस को शुरू से ही था पड़ोसी पर शक

एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या मामले में अलग-अलग थानों के प्रभारी और स्टाफ की विशेष टीमें बनाकर जांच की जा रही थी। इसी दौरान जांच टीम को पड़ोसी लकेश्वर पटैल पर संदेह हुआ। साक्ष्य मिलने पर पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि राजमिस्त्री का काम करता है, उसका पडोसी बुधराम उराँव भी राजमिस्त्री का काम करता था जो अपने परिवार के साथ रहता था। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से कई कारणों से विवाद हुआ था।

जमीन सहित कई बातों पर थी रंजिश

आरोपी ने बताया कि वह पड़ोसी बुधराम के बाडी जमीन को खरीदना चाहता था जिसे कई बार बुधराम से मांगा, बुधराम ने जमीन बेचने से इंकार किया था, करीब 6 माह पूर्व लकेश्वर के लड़के ने बुधराम के घर में घुसकर चोरी किया था जिसे आपस मे सुलझा लिये थे। लकेश्वर पटैल उसके पडोसी बुधराम के चरित्र पर शंका करता था, इन सभी बातों को लेकर लकेश्वर पटेल बुधराम से रंजिश रखे हुआ था और बुधराम की हत्या की योजना बनाकर मौके की ताक में था। इसने घटना के पूर्व बुधराम और उसकी पत्नी की गैर मौजूदगी में उसके घर की रैकी की थी।

रॉड, गेंती, फावड़ा, कपड़े जब्त

09 सितंबर की रात उसने बुधराम को खूब नशे में देखा था, उसी रात प्लान के मुताबिक आरोपी लकेश्वर और नाबालिग, बुधराम के घर घुसे और सोये बुधराम और उसकी पत्नी, बच्चों की हथियार से हमले कर हत्या कर दी। फिर शवों को घर के दूसरे कमरे में जमीन खोद कर दफनाना चाहा पर जमीन सख्त होने से गड्ढा नहीं कर पाये और फिर शवों को घसीटते हुए बाड़ी की ओर ले जाकर खाद में गड्ढा कर दफन करने का प्रयास किया। पुलिस ने घटनास्थल ले जाकर आरोपियों से पूरी घटना का री-क्रिएशन कराई गई। आरोपियों के मेमोरेंडम पर टंगिया, रॉड, गैंती, फावड़ा, कपड़े आदि महत्वपूर्ण साक्ष्यों की जब्ती कर दोनों को हत्या के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

नेपाल में 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हो रहा था। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन केवल एक विरोध भर नहीं है। क्योंकि नौजवान आंदोलन में बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों में 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। यही आंदोलन का कारण रहा। नेपाल के आंदोलन का विश्लेषण करता आजकल का खास अंक...

नेपाल में युवा विद्रोह की जड़ें कहां

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका को खटकने लगता है।

श्रीलंका में जुलाई 2022, इसके पश्चात बांग्लादेश में अगस्त 2024 और नेपाल में सितंबर 2025 में नौजवान विद्रोहियों द्वारा राजसत्ता के प्रतिष्ठानों पर भीषण हिसंक आक्रमण अंजाम दिया गया। अंततः तीनों देशों के शासकों को राजसत्ता से बेदखल कर दिया गया। तमिल टाइगरों के विरुद्ध सैन्य संग्राम जीतने वाले श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को नौजवानों के हिंसक आक्रमण से जान बचाकर श्रीलंका से पलायन करना पड़ा। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन पर नौजवान विद्रोहियों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया था। महिंदा राजपक्षे के प्रधानमंत्री कार्यालय को जला कर खाक कर दिया गया। बांग्लादेश में नौजवान विद्रोहियों द्वारा सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ प्रारम्भ किए गए आंदोलन की विध्वंसकारी हिंसा के कारणवश बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी जान बचाकर भारत में राजनीतिक शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में भी शेख हसीना के प्रधानमंत्री निवास का विध्वंस करके उपद्रवियों ने लूटपाट अंजाम दी थी। नेपाल में हिंसक युवा उपद्रवियों द्वारा 8 और 9 सितंबर को दुर्भाग्यपूर्ण तौर पर नेपाल को विध्वसंकारी आग में झोंक दिया गया। नेपाल का संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, सिंह दरबार का शासकीय सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय सहित आदि अनेक अत्यंत महत्वपूर्ण शासकीय इमारतों को महज दो ही दिनों में जला कर खाक़ कर दिया गया। हिंसक उपद्रवों की ज्वालाओं से सरकारी संस्थानों में केवल काठमांडू का एयरपोर्ट ही अब शेष बच सका।

जनतांत्रिक राजसत्ता का आत्मसमर्पण

यक्ष प्रश्न है कि नेपाली सैन्य दस्तों की सशक्त उपस्थिति में नेपाली जनतंत्र के इन समस्त महत्वपूर्ण स्तंभों को हिंसक उपद्रवियों द्वारा विध्वंसक आग के हवाले आखिरकार कैसे कर दिया? नेपाल के वित्तमंत्री को बेरहमी से पीटा गया। इंतहा तो ये हुई कि हिंसक उपद्रवियों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी को उनके निवास में जिंदा जला दिया गया। नेपाल में अनेक वरिष्ठ राजनीतिक लीडरों केपी शर्मा ओली, शेरबहादुर देऊबा, पुष्प कमल प्रचंड आदि के जीवन को हिंसक उपद्रवियों की आक्रामक हिंसा से किसी तरह से बचाया जा सका। तत्पश्चात 10 सितंबर को नेपाल की जनतांत्रिक राजसत्ता ने आत्मसमर्पण कर दिया। नेपाली सरकार की कमान को कुछ दिनों के लिए सेना द्वारा संभाल लिया गया। फिलहाल रिटायर्ड चीफ जस्टिस सुशीला कार्की को नेपाल का अंतरिम प्रधानमंत्री मनोनीत कर दिया गया। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम (पैटर्न) प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका की निगाहों में खटकने लगता है। तीनों देशों में अमेरिका द्वारा पोषित और प्रेरित कथित स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से नौजवानों के मध्य फैले हुए गहन असंतोष और आक्रोश को चीन समर्थक राजसत्ता के विरुद्ध खड़ा किया जाता है।

नेपाल में 'जेन जी' का आंदोलन

बांग्लादेश में जेहादी आतंकवादी तंजीम हिजबुल तहरीर के एक सरगना महफूज आलम के माध्यम से जमात-ए-इस्लामिया से संबद्ध इस्लामी छात्र शिबिर संगठन को अमेरिका द्वारा करोड़ो डॉलरों की अकूत फंडिग की गई, ताकि शेख हसीना की हुकूमत का तख्ता पलट किया जा सके। आजकल जेहादी सरगना रहा महफूज आलम बांग्लादेश की मोहम्मद यूनूस हुकूमत में एक उच्च पद पर आसीन है। नेपाल में 8 सितंबर को 36 वर्षीय सुदन गुरंग के स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' द्वारा संगठित और संचालित 'जेन जी' के परचम तले नौजवान विद्यार्थियों का आंदोलन प्रारम्भ हुआ। उल्लेखनीय है कि सूदन गुरंग के कथित स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' को करोड़ों डॉलर की अकूत राशि अमेरिका से प्राप्त होती रही है। नेपाल में आकस्मिक तौर पर उत्पन्न हुई राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता वस्तुतः भारत के लिए गहन गंभीर चिंता और सोच विचार का विषय है। नेपाल में निरंतर गति से बढ़ती हुई आर्थिक विषमता, नौजवानों के मध्य फैली भयावह बेरोजगारी, राजनेताओं का बेलगाम भ्रष्टाचार और परिवारवाद वस्तुतः युवा आक्रोश की बुनियाद में निहित रहा है।

आंदोलन में हिंसक उपद्रवी हुए दाखिल

युवा विद्यार्थियों की जायज मांगों को लेकर प्रारम्भ हुआ 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हुआ। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन कदाचित स्वतः स्फूर्त नहीं रह गया। क्योंकि नौजवान आंदोलन की पांतों में 8 सितंबर की दोपहर तक बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। हिंसा रोकने के प्रयास में 8 सितंबर को पुलिस फायरिंग में 20 उपद्रवी हलाक हो गए और तकरीबन चार सौ जख्मी हो गए। अभी तक हलाक होने वालो की संख्या 50 से अधिक हो चुकी है। बड़े पैमाने पर नेपाली सैनिक टुकड़ियों की मौजूदगी में हिंसक उपद्रवियों ने महत्वपूर्ण शासकीय भवनों को जला कर खाक कर दिया। उल्लेखनीय है कि नेपाली सेना का मुख्यालय संसद भवन के ठीक पीछे स्थित है। संसद भवन को जब उपद्रवियों द्वारा जलाया जा रहा था, तो उस वक्त सैन्य दस्ते वहां पर बड़ी संख्या में तैनात थे, किंतु हिंसक उपद्रवियों के विरुद्ध कोई सैन्य कार्रवाई अंजाम नहीं दी गई। दीर्घ कालीन जन संघर्षों के तत्पश्चात 28 मई 2008 को नेपाल की धरा पर 239 वर्ष पुराने राजतंत्र को दफ़ना कर संसदीय जनतंत्र का उदय हुआ। सन् 1996 में पुष्प कमल प्रचंड की कयादत में प्रारम्भ हुए गुरिल्ला युद्ध द्वारा 2008 में राजतंत्र को उखाड़ फेंका गया। प्रचंड के नेतृत्व वाली गुरिल्ला सेना ने राजा ज्ञानेंद्र के नेतृत्व वाली नेपाली शाही सेना को करारी शिकस्त दी और राजधानी काठमांडू को चारों तरफ से घेर लिया। नेपाल में माओवादी कम्युनिस्टों की सैन्य फतह से अमेरिका हतप्रभ होकर रह गया। प्रचंड की कयादत में कम्युनिस्ट यदि चाहते तो उसी वक्त नेपाल में अपनी तानाशाह हुकूमत कायम कर सकते थे, किंतु कम्युनिस्टों ने संसदीय जनतंत्र स्थापित करने का शानदार निर्णय लिया, क्योंकि कम्युनिस्ट तानाशाही के भयंकर दुष्परिणाम सोवियत संघ में देख चुके थे। संविधान निर्माण के बाद 2015 में राजतंत्र के स्थान पर बाकायदा संसदीय जनतंत्र स्थापित किया गया। नेपाल की धरा पर राजतंत्र विरोधी जनतांत्रिक इंकलाब का एक दौर कामयाब हो गया। जनतंत्र स्थापन के वक्त से ही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रति-क्रांतिकारी नेपाल के जनतंत्र का खात्मा करने की खातिर सक्रिय हो गए। नेपाल में राजतंत्र के विरुद्ध कम्युनिस्टों की ऐतिहासिक कामयाबी और समूचे नेपाल में वामपंथ की जबरदस्त लहर से विश्वपटल पर नव साम्राज्यवाद का सरगना मुल्क अमेरिका अत्यंत चिंतित हो गया।

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता के खिलाफ अमेरिका

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए अमेरिका ने बड़े धीरज के साथ वाजिब वक्त का लंबा इंतजार किया। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण नेपाल के नौजवान विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों के मध्य फैली हुई 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। नेपाल के जनतंत्र का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण वृतांत है कि माओवादी गुरिल्ला युद्ध का सर्वोच्च लीडर रहा पुष्प कमल दहल प्रचंड भी भ्रष्टाचारी लीडरों की इस जमात में शामिल हो गया। इसकी कयादत करने के लिए हुकूमत को कोई भी ईमानदार प्रधानमंत्री हासिल नहीं हो सका।

हिंसक वारदातों से गहन सबक ले भारत

नेपाल में राजतंत्र के मुकम्मल खात्मे और जनतंत्र में वामपंथियों के सत्तासीन हो जाने से सबसे अधिक तकलीफ अमेरिका को रही। 28 फरवरी 2003 को वाशिंगटन में अमेरिका के विदेश मंत्री डोनाल्ड कैंप ने एक समारोह में तक़रीर करते हुए फरमाया था कि यदि नेपाल में कम्युनिस्टों को कामयाबी मिल जाती है तो इससे दक्षिण एशिया में अमेरिका के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंचेगी। उन्होंने यह भी कहा था कि नेपाल की स्थिति पर अमेरिका 'हर लम्हा' अपना ध्यान केंद्रीत किए हुए है। यह उस वक्त की बात है, जब नेपाल में भीषण गृहयुद्ध चल रहा था। नेपाल में संसदीय जनतंत्र की स्थापना के तत्पश्चात अमेरिका ने नेपाली सेना की पांतों में शनैः शनैः घुसपैठ प्रारम्भ की और जनतंत्र की स्थापना के बाद यह काम अत्यंत तेजी के साथ अंजाम दिया गया। अब तक परंपरागत तौर पर माना जाता रहा है कि भारत और नेपाल की सैन्य शक्तियों के मध्य एक बिरादराना संबंध कायम रहे हैं। भारत की गोरखा रेजिमेंट में नेपाल के तकरीबन पचास हजार सैनिक विद्यमान रहे हैं। लेकिन अमेरिका की सैन्य घुसपैठ पर आम तौर पर नेपाल के भी राजनेताओं ने ध्यान नहीं दिया। अगर इस तरफ प्रचंड का ध्यान दिलाया गया किंतु इसे कदाचित गंभीरता से नहीं लिया। राजतंत्र के दौर से ही नेपाली सेना के 200 से भी ज्यादा सैन्य सलाहकार अमेरिकी रहे हैं। सर्वविदित है कि अमेरिका की डीप स्टेट का मुख़्तलिफ़ मुल्कों में तख्ता पलट कराने में ऐतिहासिक किरदार रहा है। अमेरिका भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक देश रहा है। आजकल भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक कटुता कायम है। भारत को भी नेपाल के जनतंत्र विरोधी हिंसक वारदातों से गहन सबक हासिल करना चाहिए।

पड़ोसी देशों में तख्तापलट का खेल

कूटनीति
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

शासन विस्थापन के लिए एक वर्ष पहले बांग्लादेश में जो अराजकतापूर्ण व हिंसक आंदोलन हुआ था, उसकी आड़ लेकर कठमुल्लों ने हिंदुओं पर अत्याचार आरंभ कर दिया था, तो उस देश के बारे में भारत में चिंतायें उभर आई थीं। किंतु नेपाल तो सामाजिक व सांस्कृतिक रूप में हिंदू राष्ट्र ही है, तब वहां शासन विस्थापना की हिंसक अराजकता क्यों उत्पन्न हुई और चार-पांच दिन क्यों फैली रही। तथ्यों के आधार पर यही कारण सामने आया है कि वहां वामपंथी विचारधारा के नेताओं ने नेपाल के सार्वजनिक जीवन व लोगों के लिए कुछ नहीं किया। परिणाम में बहुत दिनों से सत्तारूढ़ नेताओं के प्रति जनविद्रोह पनप रहा था और चार-पांच दिन पहले वह चरम पर पहुंच गया।

भारत के दायें-बायें तथा यहां-वहां जो छोटे-छोटे देश हैं वहां जैसे-तैसे स्थापित शासन जनांदोलन द्वारा उखाडे. जाते रहे हैं। नेपाल से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका जैसे देश ऐसी अराजकताएं झेल चुके हैं। दक्षिण एशिया के ये देश अभी तक तो अमेरिका, चीन और रूस के राजनीतिक, आर्थिक एवं रणनीतिक प्रयोजन के लिए शासन विस्थापन की अराजकतायें झेल रहे थे, किंतु अब भारत के वर्चस्व को कम या समाप्त करने के लिए भारत के चहुंओर स्थित छोटे-छोटे देशों को अस्थिर करने का कुचक्र चलाया जा रहा है।

कुचक्रव्यूह में अमेरिका शामिल

इस कुचक्रव्यूह में प्रथम भूमिका अमेरिका की है। अमेरिका से आशय वहां के उन डीप स्टेट्स यानी छुपे हुये गुप्त शासकों से है जो भारत में अपनी पसंद के शासन की स्थापना करने में बार-बार विफल हो रहे हैं। ये डीप स्टेट्स वही हैं जो ट्रंप शासन के माध्यम से भारत को अपने डेयरी उत्पाद खरीदने के समझौते करने को बाध्य कर रहे हैं। ये चाहते हैं कि सबसे अधिक जनसंख्या धारी भारत उनके उन सभी उत्पादों को उनकी शर्तों पर खरीदने के अनुबंध कर ले, जो भारत में धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक जीवन पद्धतियों के अनुरूप पूर्णरूपेण बड़ी मात्रा में अनुचित एवं वर्जित ही होंगे। हां, भारत का नास्तिक जनसमूह तथा इनके राजनीतिक प्रतिनिधि अपने जनसंचारिक ईकोसिस्टम के माध्यम से अमेरिका स्थित डेयरी तथा अन्य कंपनियों के डीप स्टेट्स तक अवश्य ही ये सूचनायें भेजते रहते हैं कि भारत में हमारे सत्तारूढ़ होने पर अमेरिकी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाएंगे। इसी लिए अमेरिकी तथा इनके अनुसरणकर्ता यूरोपीय देशों के डीप स्टेट्स द्वारा भारतीय शासन को अस्थिर करने व अपनी पसंद के शासक को सत्तारूढ़ करने की परिस्थितियां निर्मित करने के लिए नेपाल, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान के माध्यम से आंदोलन का वातावरण बनाया जाता रहा है।

डीप स्टेट्स की मंशा अधूरी

विगत दस-बारह वर्षों से भारत के विभिन्न प्रदेशों के विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनावों से पहले अलग-अलग तरह के विद्रोही गुटों को यहां-वहां सड़कों पर बैठाकर धरना-प्रदर्शन किए जाते रहे हैं। जब इस स्वदेशी विधि से भारत से

लेकर अमेरिका तक फैले डीप स्टेट्स की मंशा पूरी नहीं हुई, तो उन्होंने कभी श्रीलंका, कभी बांग्लादेश, कभी अफगानिस्तान तथा कभी पाकिस्तान में कराये गये अराजक आंदोलनों का सहारा लिया और अब वे नेपाल में आंदोलन कराकर भारत के लिये भूराजनीतिक संकट खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु भारत अडिग है। भारतीयता की शक्ति अजेय है। भारत में या विदेश में कहीं कोई भी डीप स्टेट या अनेक डीप स्टेट्स हों, वे अंततः पराजित ही होंगे।

शुक्र है कि अब तक उनकी पराजय भारत के संयम एवं धैर्यबंध से ही हो रही है। जिस दिन भारत, विरोधियों की भांति अराजकतापूर्ण ढंग से आक्रमण करेगा, उस दिन दुनिया की छुपी हुई मक्कार शक्तियों को खुले में सबके सामने उनके किए का मृत्युदंड मिल रहा होगा। नेपाल की घटना के संदर्भ में एक स्वाभाविक जिज्ञासा ये भी उभरती है कि जब ऐसे देशों के शासक अपना शासकीय पदाधिकार सुरक्षित रखने में असमर्थ हैं और उग्रवादियों के सामने घुटने टेक भागने व अन्य देश में शरण लेने को विवश हो जाते हैं, तो फिर इन देशों के अस्तित्व की आवश्यकता ही क्यों है। यह बात बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान तथा शक्तिशाली देशों की मर्जी पर जैसे-तैसे चल रहे सभी देशों पर लागू होती है। ये बातें बाद की हैं कि शासन भ्रष्ट है, जनता से विमुख है और सार्वजनिक कल्याण की नीतियों का क्रियान्वयन नहीं कर रहा।

पहली विचारणीय बात तो ये है कि जो शासन और शासक अपने शासकीय धन, साधन, संसाधन तथा अन्य शक्तियों द्वारा उग्रवादियों, हिंसक आंदोलनकारियों को रोकने में पूर्णतः असमर्थ है तो फिर उनकी आवश्यकता ही क्या है और जिस देश पर वे शासन कर रहे हैं, उन देशों की भी क्या आवश्यकता है। बांग्लादेश और नेपाल की भांति अराजक हो जाने पर भारत के संदर्भ में भी यही जिज्ञासा उठेगी। जब नेपाल के शासक अपनी सेना के माध्यम से अराजकता नहीं रोक पाते हैं तो फिर नेपाली शासन और नेपाल देश का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। जब उग्रवादियों व आंदोलनकारियों को विदेशी शक्तियां अपने स्वार्थ के लिए उपयोग कर रही हैं, तो फिर ऐसे उग्रवादियों-आंदोलनकारियों के प्रतिनिधि तख्तापलट के बाद सत्तारूढ़ होने पर नेपाल का प्रतिनिधित्व थोड़े ही कर रहे होंगे। वे तो विदेशी शक्तियों के हाथों की कठपुतली होंगे। उग्र आंदोलन तथा अराजक वातावरण निर्मित करके नेपाल के जिस कम्युनिस्ट शासन को विस्थापित किया गया है वो भी खुद कई वर्षों से चीन की कठपुतली बना रहा है। नेपाल ने जब पहले चीन के अनुसार और अब किसी नई डीप स्टेट शक्ति के अनुरूप चलना है, तो इस संदर्भ में गहन प्रश्न ये है कि ऐसे में नेपाल की आवश्यकता ही क्या है। जिस छुपी हुई शक्ति ने नेपाली युवाओं को भड़काया, उकसाया और अपने ही देश के साधनों-संसाधनों को जलाने-नष्ट करने के लिए दुष्प्रेरित किया है, वही शक्ति सामने आए और बना दे नेपाल को अपना उपनिवेश।

दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन

ऐसी शक्तियां द्विअर्थी तंत्र, सत्ता, शासन का खेल क्यों खेल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर जब इनका विशेषाधिकार व नियंत्रण है, तो फिर ये किससे डरकर अपने तख्तापलट खेल को गुप्त रूप में खेलने को विवश हैं। ऐसी स्थितियों-परिस्थितियों में तथाकथित छोटे-मोटे देशों के निकृष्ट व दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन से श्रेष्ठ तो फिर उत्तर कोरियायी शासन तंत्र है, जो बिना लाग-लपेट के अपनी भूमि, अपने हिस्से के भूभाग पर अपना शासन चलाता है। लोकतंत्र अंगीकार किए हुए देशों की अराजकता देखकर अमेरिका जैसे पेशेवर ठग लोकतंत्र तथा नेपाल जैसे खिलौना लोकतंत्र की तुलना में उत्तर कोरियायी सीधा-सपाट एक अर्थ की बात करने वाला शासन तंत्र ही अधिक शासन संगत प्रतीत होता है।

अब भावी सत्ता के स्वरूप पर निगाहें

व्यवस्था
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर सरकार के नियंत्रण के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों ने जिस खतरनाक ढंग से सरकार का तख्तापलट किया है उसने शासन व्यवस्थाओं के तौर-तरीकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया से बैन हटाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन-जी ने अलग-अलग समय सत्ता में भागीदार रहे नेताओं के घरों को निशाना बनाया, उससे साफ है कि गुस्से का तात्कालिक कारण सोशल मीडिया पर सरकार के नियंत्रण का फैसला ही नहीं है और भी कई वजह रही हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और मौजूदा मंत्रियों के आवास और दफ्तरों पर धावा बोलकर जेन-जी ने क्रांति का जो बिगुल फूंका देखते ही देखते वह जिस गति से 'सिंहासन खाली करो जनता आती है' तक पहुंचा, उससे साफ हो गया कि जेन-जी के भीतर किस कदर नेपाली नेताओं और उनकी नीतियों के खिलाफ नफरत भरी हुई थी।

धूं-धूं कर जलती संसद, आग की लपटों से घिरा राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट से उठ रहा धुएं का गुब्बार बता रहा है कि नेपाल के युवाओं के भीतर पनपा यह उबाल हफ्ते-दस दिन का नहीं है। साल 2008 में राजा ज्ञानेंद्र के सत्ता से हटने के बाद नेपाल में अढाई सौ साल से चली आ रही राजशाही का तो अंत हो गया परन्तु लोकतंत्र का वह स्वरूप निकल कर नहीं आ सका जिसकी उम्मीद नेपाल के नागरिकों ने की थी। कहने को तो राजतंत्र संघीय गणतंत्र में बदल गया लेकिन शासकों की कार्य शैली में अहं का भाव जस का तस बना रहा। बड़ा दुर्भाग्य यह कि राजशाही खत्म होने के बाद कोई भी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। देश पूरी तरह से राजनीतिक अस्थिरता के दलदल में धंस गया।

17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले

पिछले 17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले। सत्ता प्रचंड, देउबा और ओली के बीच झुलती रही। जेन-जी की नाराजगी काा बड़ा कारण भ्रष्टाचार था। किसी भी दक्षिण एशियाई देश के नेताओं की तुलना में नेपाल के नेता अधिक भ्रष्ट हैं। करप्शन इंडेक्स में 180 देशों में नेपाल 107वें स्थान पर है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पास 300 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। भ्रष्टाचार का आलम यह कि लोगों में यह धारणा पुख्ता हो गई कि 'नेपाल भूकंप से तो कभी-कभी, भ्रष्टाचार से हर रोज हिलता है।' पिछले एक सप्ताह से काठमांडु की सड़कों पर करप्शन बैन करो, कनेक्शन नहीं' का नारा गूंज रहा था। संक्षेप में कहें तो नेपाल में करप्शन कल्चर हो गया जबकि सरकार का आरोप है कि कुछ लोग सोशल मीडिया के जरिए कल्चर को करप्ट कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार बना मूल कारण

भ्रष्टाचार के परिणामस्वरूप देश में अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ती चली गई। बेरोजगारी 11 फीसदी से ऊपर हो गई। 2024 में 15-24 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 20.8 प्रतिशत है। कुल मिलाकर कहा जाए तो ओली की भ्रष्ट हुकूमत अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से नहीं कर पाई। इन सबका मिलाजुला असर यह हुआ कि लोगों

के भीतर नाराजगी पनपती रही लेकिन सत्ता के अहं में अंधी ओली सरकार को इसका भान नहीं हुआ। विद्रोह की जो चिंगारी धीरे- धीरे धधक रही थी वो समय पाकर सुलग गई और तमाम संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जद में ले लिया। कहने को तो सरकार कह रही है कि डिजिटल अकाउंटेबिलिटि के रेग्यूलेशन बनाने और लागू करने के लिए 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए। सरकार का कहना था कि प्लेटफार्म ने सरकार के नए कानून के मुताबिक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। दूसरा सरकार का यह भी कहना था कि सोशल मीडिया पर उकासने वाले कंटेंट (फर्जी खबरें और अवैध गतिविधियों) को रोकने के लिए उन्हें नियंत्रित करना जरूरी था। लेकिन सच यह है कि हैशटैग्स नेपोकिड्स और नेपोबेबी के नाम से वायरल वीडियो लगातार नेपाली नेता और उनके परिजनों की लग्जरी जीवन शैली लोगों के सामने ला रहे थे। उससे नागरिकों को भीतर बेचैनी बढ़ रही थी। यही वजह है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आधार बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बैन लगाने का फैसला किया। सरकार का यह फैसला केवल तकनीकी नहीं था, यह सीधे तौर पर लोगों की जिन्दगी में दखल था। दरअसल, नेपाल की 3 करोड़ की आबादी में करीब 40 लाख लोग विदेशों में काम करते हैं। विदेशों में रह रहे नेपाली लोगों को अपने परिजनों से संपर्क साधने और रेमिटेंस (प्रवासी आय) का पैसा भेजने के लिए सोशल मीडिया बड़ा माध्यम है। परिणामस्वरूप सरकार के इस फैसले की व्यापक आलोचना हुई। जेन-जी ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया। लोगों का कहना है कि यह प्रतिबंध राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शनों और सरकार विरोधी भावना को दबाने के लिए लगाया गया है। कुछ हद तक यह सही भी है। कहा जा रहा है कि सरकार के इस फैसले का विरोध करने के लिए 'हामी नेपाल' नाम का एनजीओ चलाने वाले सुदान गुरंग ने इंस्टाग्राम पर युवाओं से स्कूल यूनिफॉर्म और स्कूली बैग लेकर सड़कों पर उतरने को कहा। 8 सितबर को नेपाल की संसद के सामने प्रोटेस्ट शुरू हुआ। यहां ओली सरकार ने भी बड़ी चूक कर दी। उसने जेन-जी को समझाने व बातचीत के जरिए किसी नतीजे तक पहुंचने के बजाए आंदोलनकारियों से सख्ती से निबटने और गोली चलाने के आदेश दे दिए। पुलिस की गोलीबारी में 22 लोग मारे गए, जिसमें कई बच्चे भी शामिल हैं। बच्चों पर गोली चलाए जाने की खबर ने आग में घी का काम किया। आंदोलन और ज्यादा हिंसक हो गया जिसकी परिणति पूरी दुनिया ने देखी। हालांकि, अब स्थिति सामान्य हो गई है। सुशीला काकी ने अंतरिम सरकार की मुखिया के रूप में शपथ ले ली है लेकिन जेन-जी ने आंदोलन के नाम पर जो घाव और दाग संवैधानिक संस्थाओं को दिए हैं उनका क्या होगा? नेपाल में जिस तरह से राजनीतिक दलों ने अपनी आवाम का भरोसा खोया है उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में होने वाले चुनाव में यही पार्टियां फिर से लड़ती हुई दिखेंगी या नई और छोटी पार्टियों के नेतृत्व में सरकार बनेगी। निर्दलीय प्रत्याशियों के भी बड़ी संख्या में चुनाव लड़ने की संभावना है।

नेपाल में चाहिए न्यूटल सरकार

ऐसे में नेपाल में बनने वाली भावी सरकार का स्वरूप और उसकी उम्र कितनी होगी, यह प्रश्न विचारणीय है। दूसरा, नई पार्टियां और कम राजनीतिक अनुभव वाले लोगों से मिलकर बनने वाली सरकार देश को राजनीतिक अस्थिरता के दौर से बाहर निकालने के लिए किस रोडमैप पर आगे बढ़ेगी। जहां तक भारत का सवाल है, भारत नेपाल में सीधे-सीधे हस्तक्षेप से बचेगा। लेकिन भारत इतना जरूर चाहेगा कि सरकार के निर्माण में चीन का दखल न हो। नेपाल में जो भी सरकार आए वो न्यूटल हो।

पीएम मोदी की मां की एआई फोटो पर घिरी कांग्रेस

दिवंगत मां के मीम्स बना रही, वह और कितना गिरेगी?

बिहार कांग्रेस वाले वीडियो पर बवाल...भाजपा, जेडीयू और चिराग का हमला

एजेंसी ▶▶ पटना/नई दिल्ली

भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने शुक्रवार को कांग्रेस पर उसकी बिहार इकाई द्वारा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां को चित्रित करने वाले एआई वीडियो पोस्ट करने पर निशाना साधा।

भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने इसे शर्मनाक करार देते हुए आश्चर्य जताया कि मोदी पर निशाना साधने के लिए कांग्रेस किस हद तक गिर सकती है? प्रधानमंत्री पर निशाना साधने के लिए बिहार कांग्रेस ने बुधवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें हिंदी में लिखा था, 'साहब के सपनों में आई मां।' इस वीडियो में मोदी की मां उनकी राजनीति की आलोचना करती दिखाई दे रही हैं।

भाजपा ने बताया शर्मनाक कृत्य

पूरे देश में मुद्दा बनाएंगे : रविशंकर

वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि क्या कांग्रेस पार्टी इस स्तर तक गिर गई है? प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के मीम्स बना रही है, वह भी इतने घटिया स्तर का। कांग्रेस और कितना नीचे गिरेगी?' रविशंकर ने सोशल मीडिया पर ऐसा वीडियो साझा करने के लिए कांग्रेस की निंदा की और पार्टी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जवाब मांगा। प्रसाद ने आरोप लगाया कि यह शर्मनाक है। हम इसे पूरे देश में एक बड़ा मुद्दा बनाएंगे।

पीएम मोदी को गाली गलती नहीं बल्कि रणनीति

एनडीए की लहर देख कांग्रेस हताश

भाजपा के सहयोगी दल जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य संजय झा ने मोदी की दिवंगत मां से जुड़े एआई-जनरेटेड वीडियो पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि इस तरह का वीडियो साझा करना बेहद नीच हरकत है। कांग्रेस ने यह साफ कर दिया है कि दरभंगा में मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली देना कोई गलती नहीं, बल्कि सोची-समझी रणनीति थी।

झा ने कहा कि यह सिर्फ एक मां का नहीं, बल्कि हर मां और महिला का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए लिखा कि बिहार में एनडी की प्रचंड लहर देखकर कांग्रेस के नेता हताश हो चुके हैं और अब खबरों में बने रहने के लिए प्रधानमंत्री और उनकी मां पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना ही उनका हथियार बन गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार की जनता इस तरह की हरकतों का करारा जवाब देगी और आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मुक्त बिहार तय है।

ऐसा अपमान बेहद निंदनीय और दुखद : चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी की मां का अपमान करने का आरोप लगाया। चिराग ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है। प्रधानमंत्री की दिवंगत मां का लगातार अपमान बेहद निंदनीय और दुखद है। राजनीति में मतभेद होना चाहिए, लेकिन एक मां का अपमान बिल्कुल असहनीय है।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष की सफाई

किसी पर कटाक्ष नहीं किया गया

बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने भी इस मुद्दे पर सफाई दी और कहा कि यह वीडियो केवल मां और बेटे के रिश्ते को दर्शाता है, इसमें किसी खास व्यक्ति पर कटाक्ष नहीं किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक वीडियो में कहीं भी किसी नाम का जिक्र नहीं है, बल्कि यह एक मां को अपने बेटे को सिखाते हुए दिखाता है। उन्होंने कहा कि पूरा वीडियो देखने पर इसका असली संदेश समझ में आता है, इसलिए अधूरा देख कर निष्कर्ष निकालना गलत होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी तरह की भाषाई हिंसा में विश्वास नहीं करती। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक के इस युग में एआई का इस्तेमाल

कोई अनादर नहीं किया गया: खेड़ा

कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री या उनकी मां का कोई अनादर नहीं किया गया। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सवालिया लहजे में कहा कि 'उनकी आपत्ति क्या है? सिर्फ इसलिए कि एक मां अपने बेटे को कुछ सही करने के लिए शिक्षित करने की कोशिश कर रही है। इसमें कहां से अनादर है?

खबर संक्षेप

राजा हत्याकांड में सोनम ने मांगी जमानत

नई दिल्ली। मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी ने

जमानत याचिका दायर की है। सोहरा उप-मंडल के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 17 सितंबर की तारीख तय की है। याचिका शुक्रवार को दायर की गई थी, लेकिन अभियोजन पक्ष ने रिकॉर्ड की जांच के लिए समय मांगा।

बच्ची के ऊपर से गुजरी वैन और बच गई जान

सूरत। शहर के जहांगीरपुरा इलाके में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां 3 साल की

एक बच्ची अचानक स्कूल वैन के आगे आ गई। इसी दौरान वैन चल पड़ी, जिससे वैन के आगे ओर पीछे के पहिए बच्ची के ऊपर से गुजर गए। इस घटना में बच्ची बाल-बाल बच गई और उसे मामूली चोट आई है। घटना का वीडियो अब सामने आया है।

फूड पॉइजनिंग से स्कूल में 100 बच्चे बीमार

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में शनिवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चूड़ियावास में

पोषाहार खाने के बाद करीब 100 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत होने लगी, जिससे स्कूल प्रशासन और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर शिक्षा विभाग और पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

13वीं मंजिल से कूद मां बेटे ने किया सुसाइड

ग्रेटर नोएडा। यहां के वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी से शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली

घटना सामने आई। यहां 13वीं मंजिल से कूदकर मां और बेटे ने अपनी जान दे दी। घटना में 37 वर्षीय साक्षी चावला और उनका 11 वर्षीय बेटा दक्ष चावला की मौके पर ही मौत हो गई। मां-बेटे का शव सोसाइटी के नीचे खून से लथपथ पड़ा देख लोगों के होश उड़ गए।

महाजन ने मनसे प्रवक्ता पद से दिया इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रवक्ता प्रकाश महाजन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने

कहा कि उन्हें पार्टी में नजरअंदाज किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता दिवंगत प्रमोद महाजन के भाई प्रकाश महाजन ने एक वीडियो संदेश में अपने फैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी में उनके काम के लिए उन्हें कभी प्रशंसा नहीं मिली।

पीएम मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का वर्चुअली किया शिलान्यास-उद्घाटन

3 ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

जटिलता के बावजूद मिजोरम पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ा

बड़ी चुनौतीपूर्ण पहाड़ी क्षेत्र में बना डाली रेलवे कनेक्टिविटी

एजेंसी ▶▶ आइजोल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शनिवार को मिज़ोरम में 9,000 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना और तीन नई ट्रेनों का भी उद्घाटन किया। मिजोरम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि यह भारत के रेलवे मानचित्र में शामिल हो गया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन 8,070 करोड़ से अधिक की लागत से बनकर तैयार हुई है। यह केंद्र सरकार की विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाती है। यह रेल लाइन एक चुनौतीपूर्ण पहाड़ी क्षेत्र में बनी है। इसके लिए जटिल भौगोलिक स्थितियों के तहत 45 सुरंगें बनाई गई हैं। इसमें 55 बड़े पुल और 88 छोटे पुल भी शामिल हैं।

51.38 किमी लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना समर्पित

45 सुरंगें, 55 बड़े पुल और 88 छोटे पुल बनाए गए

पहली बार सैरांग दिल्ली से सीधे जुड़ा

पीएम ने यह भी कहा कि पहली बार मिजोरम का सैरांग राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सीधे जुड़ेगा। यह सिर्फ एक रेलवे नहीं है, बल्कि परिवर्तन की जीवनरेखा है। यह मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांति लाएगी। मिजोरम के किसान और व्यवसाय देश भर के ज्यादा बाजारों तक पहुंच पाएंगे। लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के बेहतर अवसर भी मिलेंगे। कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

एयरपोर्ट पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े

पीएम मोदी शनिवार को कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। वेमिजोरम के लिए निकले थे। हालांकि दुर्भाग्य से खराब मौसम के कारण वे आइजोल नहीं पहुंच पाए। इसके बाद मिजोरम एयरपोर्ट पर ही उन्होंने वर्चुअली कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मिजोरम भारत के विकास में काफी अहम

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मिजोरम भारत की विकास यात्रा में अहम रहा है। यह राष्ट्र के लिए, विशेषकर मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मुझे आइजोल रेलवे लाइन की आधारशिला रखने का अवसर मिला था और आज समर्पित करते गर्व हो रहा।

अब से आइजोल रेलवे मानचित्र पर होगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं यहां मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे पर हूं। खराब मौसम के कारण मुझे खेद है कि मैं आइजोल में आपके साथ शामिल नहीं हो पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि चाहे स्वतंत्रता आंदोलन हो या राष्ट्र निर्माण, मिजोरम के लोग हमेशा योगदान को आगे आए हैं। आज यह रेलवे मानचित्र पर जुड़ गया।

कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे

उन्होंने कहा कि यह मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांति लाएगी। मिजोरम के किसान और व्यवसाय देश भर के ज्यादा बाजारों तक पहुंच पाएंगे। लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के बेहतर अवसर भी मिलेंगे। इस विकास से कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

पीएम के मणिपुर दौरे पर भड़की कांग्रेस

पीएम को बहुत पहले ही जाना चाहिए था

वायनाड। पीएम मोदी शनिवार को मणिपुर पहुंचे। 2023 में मैतेई और कुकी जनजाति के बीच हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी का यह पहला मणिपुर दौरा है। पीएम के दौरे को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने तीखी आलोचना की है। उन्होंने केरल के वायनाड में पत्रकारों से कहा कि मुझे खुशी है कि उन्होंने दो साल बाद यह फैसला किया है कि यह दौरा उनके लिए फायदेमंद होगा। उन्हें बहुत पहले ही यहां आ जाना चाहिए था।

देरी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण: प्रियंका

प्रधानमंत्री की देरी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्होंने इतने लंबे समय तक वहां जो कुछ हो रहा था, उसे होने दिया, इतने लोगों को मरने दिया और इतने लोगों को इतनी कठिनाइयों से गुजरने दिया, उसके बाद ही उन्होंने वहां जाने का फैसला किया। इसलिए, वह दो साल बाद इसे पूरा कर रहे हैं, मुझे लगता है कि उन्हें पहले ही इस बारे में सोचना चाहिए था।

केंद्र सरकार हिमाचल आपदा पर गंभीर

जिलों का दौरा कर पीएम को सौंपेंगे रिपोर्ट

हिमाचल भेजे 7 मंत्री, चंबा मंडी, कुल्लू का लेंगे जायजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया है । एनडीआरएफ सहित सरकार की सभी एजेंसियां एवं भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता इस समय राहत एवं पुनर्वास कार्यों में पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं। केंद्र सरकार द्वारा आपदा प्रभावित क्षेत्रों की सहायता हेतु हिमाचल प्रदेश को 1,500 करोड़ रुपए तथा पंजाब के आपदा राहत कोष में पहले से मौजूद 12000 करोड़ के अतिरिक्त पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपए की अंतरिम राशि की घोषणा की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निर्देशानुसार, भाजपा संगठन एवं केंद्र सरकार के मंत्रीगण द्वारा सेवा कार्यों में सक्रिय सहयोग दिया जाना है। केंद्र सरकार के राज्य मंत्रियों को यह अपेक्षित है कि वे 15 सितंबर तक, किसी भी दो दिन बाढ़ प्रभावित प्रदेशों में तहसील स्तर पर चल रहे सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त, 16 सितंबर के मध्य विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों का हिमाचल प्रदेश दौरा निर्धारित है।

मंत्रियों का दौरा विवरण

- सावित्री ठाकुर: मनाली
- शांतनु ठाकुर: बंजार
- अजय टम्टा : सिराज, मंडी, कुल्लू
- दुर्गा दास उइके:भटियात, भरमौर
- डॉ. सुकांता मजूमदार : स्थान निर्धारित नहीं
- जितिन प्रसाद: स्थान नहीं

सावित्र और शांतनु ने जाने हाल

केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर का हिमाचल दौरा 12 सितंबर को शुरू हो गया है। भाजपा हिमाचल प्रदेश इकाई की ओर से इन मंत्रियों का हार्दिक स्वागत करती है और केंद्र सरकार के इस दूरदर्शी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों आभार व्यक्त करती है। यह कदम हिमाचल प्रदेश के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री चंबा मंडी और कुल्लू जिले में प्रवास करेंगे और उसके बाद अपने प्रवास की रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ने सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यापक संवाद की आवश्यकता पर बल दिया

सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानक स्थापित करें: ओम बिरला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज इस बात पर जोर दिया कि सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानक स्थापित करें। सदनों में नियोजित गतिरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए बिरला ने सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यापक संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि सदन में तथ्यपरक, सारगर्भित चर्चा करने वाले

जनप्रतिनिधियों के दृष्टिकोण को प्रमुखता से दिखाए, ताकि सदस्यों के बीच स्वस्थ संवाद के लिए प्रतिस्पर्धा हो।

बिरला ने कर्नाटक विधानमंडल की मेज़बानी में आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए)-भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन समारोह में ये विचार व्यक्त किए। बिरला ने कहा कि इन सम्मेलनों के माध्यम से हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में विधानमंडल नियोजित गतिरोध के बिना कार्य कर सकें। 11 से 13 सितंबर तक बेंगलुरू में चले सम्मेलन का समापन कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के भाषण के साथ हुआ। विधान परिषद के सभापति, विधान सभा के अध्यक्ष ने भी विचार व्यक्त किए। जनता का विश्वास बढ़ाने सदनों के अंदर गतिरोध और व्यवधान को समाप्त किए जाने, संसद के सहयोग से राज्यों की विधायी संस्थाओं की अनुसंधान एवं संदर्भ शाखाओं को मजबूत करने, विधायी संस्थाओं में डिजिटल टेक्नोलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर सर्वसम्मति से संकल्प अंगीकृत किए गए। बिरला ने कहा, जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि जनता यह महसूस करे कि विधानमंडल उनकी आवाज़ का सशक्त मंच है। मतभेदों के आधार पर सदन रोकने के स्थान पर हमारा संकल्प सदन चलाने का हो।

सरकार बीमा कंपनियों पर कार्रवाई करे

किसानों की धान की फसल हुई बर्बाद, बीमा कंपनियां मुआवज़ा देने से कर रहीं इंकार: सैलजा

मुआवजा देने की बारी आई तो कंपनियां और सरकार दोनों ही किसानों से मुंह मोड़ रही हैं

भाजपा सरकार बीमा कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए सख्त नियम बनाए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा सहित प्रदेश के 12 जिलों में धान की फसल बाढ़ और जलभराव से पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है, लेकिन बीमा कंपनियां इसे नुकसान मानने से साफ इंकार कर रही हैं। जिन किसानों ने पूरी ईमानदारी से फसल बीमा योजना के तहत प्रीमियम भरा, परंतु जब मुआवजा देने की बारी आई तो कंपनियां और सरकार दोनों ही किसानों से मुंह मोड़ रही हैं। ऐसे में भाजपा सरकार बीमा कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए सख्त नियम बनाए और दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि यह किसानों के साथ खुला अन्याय है। बीमा कंपनियों को यह अधिकार किसने दिया कि वे डूबी हुई फसल को 'नुकसान' ही न मानें? उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा सरकार इन कंपनियों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है और आखिर इन्हें इस तरह की मनमानी करने की छूट क्यों दी जा रही है। ऐसा लग रहा है कि सरकार और बीमा कंपनियां आपस में मिली हुई है और किसानों को मुआवजे के नाम पर गुमराह कर रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि किसान इस विश्वास में प्रीमियम भरते हैं कि विपरीत परिस्थिति में उन्हें मुआवजा मिलेगा लेकिन भाजपा सरकार और बीमा कंपनियों की मिलीभगत से किसानों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

बरेली में दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग

पहले की रेकी फिर बरसाईं गोलियां, फुटेज में दिखे हमलावर

गोल्डी बरार के गुर्गे रोहित गोदारा ने ली हमले की जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ बरेली

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर शुक्रवार तड़के 3.30 बजे 9 राउंड फायरिंग की गई। बाइक सवार दो आरोपी फायरिंग कर नैनीताल हाईवे की ओर भाग निकले। इनमें आगे बैठा युवक हेलमेट लगाए था। चर्चित अपराधी गोल्डी बरार के गुर्गे रोहित गोदारा की आईडी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर वारदात की जिम्मेदारी ली गई है। इसमें स्वामी अनिरुद्धाचार्य व स्वामी प्रेमानंद पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर गुस्सा जताया गया है। भविष्य में ऐसा करने पर जान से मारने की धमकी दी गई है।

जांच के लिए 5 टीमें गठित

पुलिस ने कहा कि फायरिंग के दौरान दिशा पाटनी के पिता सेवानिवृत्त सीओ जगदीश पाटनी, मां और बहन सेवानिवृत्त मेजर खुशबू पाटनी समेत तीन लोग घर में सो रहे थे। एसएसपी ने वारदात के राजफाश के लिए एसपी सिटी व एसपी क्राइम के नेतृत्व में 5 टीम गठित की हैं।

अनिरुद्धाचार्य पर खुशबू के बयान पर गोल्डी गैंग नाराज

'संत-धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं'

गोल्डी गैंग से जुड़े बताए जा रहे राजस्थानी शूटरों ने मथुरा निवासी दो संतों अनिरुद्धाचार्य व स्वामी प्रेमानंद के सम्मान में पोस्ट डालकर अपने इरादे जाहिर

किए हैं। वे दिशा की बहन सेवानिवृत्त मेजर खुशबू के बयान से आहत हैं। गोल्डी के खास गुर्गे रोहित गोदारा की आईडी से की गई पोस्ट में राजस्थान के गांव डेलाणा से जुड़े बताए जा रहे वीरेंद्र चारण व महेंद्र सारण ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने जिक्र किया है कि खुशबू और दिशा के घर बरेली में जो फायरिंग हुई है, ये हमने करवाई है। हमारे पूज्य संत (प्रेमानंद जी महाराज और अनिरुद्धाचार्य जी महाराज) का अपमान किया था। सनातन धर्म को नीचा दिखाने की कोशिश की थी। देवी देवताओं का अपमान नहीं सहा जाएगा।

बेटी ने नहीं किया प्रेमानंद महाराज का अपमान: दिशा के पिता

हमले को लेकर दिशा और खुशबू के पिता ने बताया कि दो लोग थे और एक हेलमेट पहने हुए अपाचे बाइक चला रहा था और दूसरे के पास हेलमेट नहीं था, उसके हाथ में माउज़र था। लगभग 3:30 बजे हमला हुआ। उन्होंने एक दो फायर किया और वहां से चले गए। बेटियों ने संत समाज का अपमान नहीं किया है।

नेपाल में फंसे तीर्थयात्री भारत लौटे

पशुपतिनाथ दर्शन करने गए श्रद्धालुओं ने जताया आभार

एजेंसी ▶▶ मेरठ

पड़ोसी देश नेपाल में हिंसा के बाद फंसे वेस्ट यूपी के तीर्थ यात्री लौटने लगे हैं। मुजफ्फरनगर, बागपत, बिजनौर और बदायूं के तीर्थयात्रियों का जत्था सकुशल भारत लौटा। ये पशुपतिनाथ की यात्रा पर गए थे। हिंसा भड़कने के कारण होटल में फंस कर रह गए थे। इन यात्रियों को भारतीय दूतावास ने काठमांडू से एयरपोर्ट तक पहुंचाया और विमान से दिल्ली भेजा। ये सभी अपने घर पहुंच गए। मुजफ्फरनगर के भाजपा नेता सुनील तायल मसेत सभी यात्री पशुपतिनाथ की यात्रा पर गए थे। तायल ने मीडिया को बताया कि सात सितंबर को पशुपतिनाथ, मुक्तिनाथ और कासवेनी की यात्रा के लिए नेपाल गए थे। 14 सितंबर को वापसी थी। लेकिन हिंसा के चलते पुलिस ने होटल से बाहर निकलने की अनुमति नहीं थी। मोबाइल से विधायक और यूपी सरकार में राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल से मदद की गुहार लगाई।

फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में बढ़ा निवेश

■ इक्विटी फंड्स का नेट इनफ्लो 22% तक घटा ■ एएमएफआई ने अगस्त 2025 के आंकड़े जारी किए ■ अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा

बिजनेस डेस्क

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने अगस्त 2025 के निवेश और रिडेम्प्शन के लेटेस्ट आंकड़े जारी कर दिए हैं। ये आंकड़े म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के ताजा रुझानों की दिलचस्प तस्वीर पेश करते हैं। अगस्त 2025 में निवेशकों ने जहां एक ओर इक्विटी फंड्स में लगातार पैसे डाले हैं, वहीं डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर पैसे निकाले गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा। कुल नेट इनफ्लो 33,430 करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई 2025 के 42,702 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 22% कम है। हालांकि यह गिरावट दिखाती है कि निवेशक थोड़े सावधान हो गए हैं, लेकिन यह भी सच है कि यह लगातार 54वां महीना है जब इक्विटी फंड्स में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

फ्लेक्सी, मिड और लार्ज कैप में इनफ्लो बढ़ा

अगस्त में सबसे ज्यादा निवेश फ्लेक्सी कैप फंड्स में आया। इस कैटेगरी में 7,679 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ, जो जुलाई के 7,654.33 करोड़ रुपये के नेट-इनफ्लो के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहा। मिड कैप फंड्स में भी 5,330 करोड़ रुपये का इनफ्लो रहा, जबकि जुलाई में यह 5,182 करोड़ रुपये था। दिलचस्प बात यह रही कि लार्ज कैप फंड्स में 2,835 करोड़ रुपये का नेट निवेश आया, जो जुलाई के 2,125 करोड़ रुपये से 33% ज्यादा रहा। हालांकि, स्मॉल कैप फंड्स में निवेश की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी और इसमें नेट इनफ्लो जुलाई के 6,484 करोड़ रुपये से घटकर अगस्त में 4,993 करोड़ रुपये रह गया।

डेट फंड्स में निकासी का दबाव

अगस्त 2025 में डेट म्यूचुअल फंड्स ने बड़ा झटका खाया। कुल मिलाकर इस कैटेगरी से 7,980 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो हुआ। यह तब है जब जुलाई 2025 में इन्हीं फंड्स में 1.07 लाख करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ था। कई सब-कैटेगरी जैसे कॉरपोरेट बॉन्ड फंड्स, बैंकिंग एवं पीएसयू फंड्स और गिल्ट फंड्स से पैसे निकाले गए। इसका बड़ा कारण कॉर्पोरेट्स और संस्थागत निवेशकों की तरफ से मनी मार्केट और लिक्विड फंड्स से निकासी बताई जा रही है, जो आमतौर पर तिमाही खत्म होने के बाद होती है।

हाइब्रिड फंड्स का आकर्षण बरकरार

हाइब्रिड फंड्स में निवेशकों का भरोसा जारी रहा। अगस्त में इसमें 15,294 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ। हालांकि यह जुलाई के 20,879 करोड़ रुपये से कम है, लेकिन फिर भी इससे संकेत मिलता है कि निवेशक बैलेंस्ड और डायनैमिक स्ट्रेटजी वाले फंड्स को पसंद कर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ और इंडेक्स फंड्स रहे फेवरिट

गोल्ड ईटीएफ अगस्त में निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर रहे. इनमें 2,190 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो आया, जो जुलाई के 1,256 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 74% ज्यादा है. इससे यह भी पता चलता है कि सोने की कीमतों में लगातार मजबूती और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदा चुनौतियों के कारण निवेशक गोल्ड को सुरक्षित ऑप्शन मान रहे हैं। इंडेक्स फंड्स और अन्य ईटीएफ का आकर्षण भी बरकरार है। अगस्त में इंडेक्स फंड्स का एयूएम करीब 3.04 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 1,503 करोड़ रुपये रहा, जबकि अन्य ईटीएफ का एयूएम करीब 8.42 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 7,244 करोड़ रुपये रहा।

एनएफओ कलेक्शन में भारी गिरावट

जुलाई में म्यूचुअल फंड्स की 30 नई स्कीम्स या न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च हुए थे और उनके जरिये 30,416 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। लेकिन अगस्त में एनएफओ की संख्या घटकर 23 और जुटाई गई रकम सिर्फ 2,859 करोड़ रुपये रह गई।

फोलियो नए रिकॉर्ड पर, कुल एयूएम घटा

इंडस्ट्री का कुल एयूएम अगस्त में 75.19 लाख करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई के 75.36 लाख करोड़ रुपये से मामूली रूप से कम है, लेकिन इस दौरान फोलियो की कुल संख्या बढ़कर 24.89 करोड़ हो गई। जुलाई में यह संख्या 24.57 करोड़ थी। यानी निवेशकों के लगभग 32 लाख नए खाते जुड़े, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशक लगातार इस इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहे हैं। अगस्त 2025 का महीना इस लिहाज से अहम रहा कि इक्विटी फंड्स में पैसे आते रहे, लेकिन रफ्तार धीमी हुई। फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में निवेशकों का भरोसा दिखा, जबकि स्मॉल कैप में सावधानी दिखी। दूसरी ओर, डेट फंड्स ने करारा झटका खाया. हाइब्रिड फंड्स और गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को आकर्षित करते रहे।

निवेश का जैकपॉट : कुछ इक्विटी फंड्स ने 10 साल में दिया 533 से 678% तक रिटर्न

लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड सबसे बेहतर

सात फंड ऐसे हैं, जिनमें 20% सालाना से अधिक रिटर्न निवेशकों को मिला

इन फंड्स को खरीदने वाले निवेशक भी मालामाल, जमकर किया निवेश

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार बाजार के बारे में रिसर्च जरूर कर लें। इससे आपको निवेश में आसानी रहेगी और पैसे का नुकसान नहीं होगा। बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को जान लें। इसके बाद निवेश करेंगे जो मुनाफे में ही रहेंगे। म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें। म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे अच्छे विकल्पों में एक माने जाते हैं। निवेश की अवधि जितना अधिक होगी, कंपाउंडिंग का उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम निवेशकों के लिए जैकपॉट साबित हुई हैं। इनमें से 7 फंड तो ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से अधिक रिटर्न मिला है। इनका 10 साल में एबसॉल्यूट रिटर्न 533 से 678 फीसदी रहा है। इसका मतलब है कि इन्होंने इस अवधि में निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना बढ़ा दिया। हमने इस रिपोर्ट में ईटीएफ को शामिल नहीं किया है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें

•

बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को पहचान लें

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 22.78% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,78,532 रुपये (7.79 लाख)
- रेटिंग : 5 स्टार
- कुल एसेट्स : 64,821 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 5 साल का रिटर्न : 21.86% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,22,124 रुपये (7.22 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 11,396 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.58% (31 अगस्त, 2025)

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.47% सालाना
- लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,857 रुपये (6.44 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 36,294 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.69% (31 अगस्त, 2025)

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.46% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,622 रुपये (6.43 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 25,569 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.57% (31 अगस्त, 2025)

इन्वेस्को इंडिया मिड कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.39% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,39,594 रुपये (6.40 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 8,063 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (31 अगस्त, 2025)

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.30% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,34,828 रुपये (6.35 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 35562.96 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.73% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.25% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,32,195 रुपये (6.32 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 28,758 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (31 अगस्त, 2025)

क्या हैं इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

1. **लार्ज-कैप फंड:** ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **मिड-कैप फंड:** ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
3. **स्मॉल-कैप फंड:** ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
4. **सेक्टोरल फंड:** ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

इक्विटी फंड के लाभ

1. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड निवेशकों को विविधीकरण का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने निवेश को विभिन्न शेयरों में फैला सकते हैं।
2. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं, जो निवेशकों के लिए निवेश के निर्णय लेते हैं।
3. **लिक्विडिटी:** इक्विटी फंड निवेशकों को अपने निवेश को आसानी से बेचने और नकदी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

इक्विटी फंड के जोखिम

1. **बाजार जोखिम:** इक्विटी फंड शेयर बाजार में निवेश करते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के कारण जोखिम भरा हो सकता है।
2. **कंपनी-विशिष्ट जोखिम:** इक्विटी फंड विशिष्ट कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो कंपनी-विशिष्ट जोखिमों के अधीन हो सकते हैं।
3. **इक्विटी फंड:** निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है जो शेयर बाजार में निवेश करने के इच्छुक हैं और जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं

करोड़पति बनाने वाली स्कीमों में लोग कर रहे जमकर निवेश, आठ गुणा तक बढ़ा पैसा

सिर्फ 9 साल में छू लिया आसमानी आंकड़ा, 28,265 करोड़ कर डाले निवेश, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश लगातार बढ़ रहा

अपने पैसे को लोग अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। किसी स्कीम में रिटर्न कम मिलता है तो किसी में ज्यादा। वहीं जो लोग जोखिम लेते हैं, वे एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यह एक ऐसी स्कीम है जिसमें लगातार छोटी रकम के निवेश से ही व्यक्ति करोड़पति बन सकता है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में हर महीने जमा होने वाला पैसा पिछले नौ सालों में लगभग आठ गुना बढ़ गया है। व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2016 में एसआईपी के जरिए कुल 3,497 करोड़ रुपये आए थे। अगस्त 2025 तक ये आंकड़ा बढ़कर 28,265 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पता चलता है कि निवेशकों का एसआईपी पर भरोसा बढ़ रहा है। वे इसे पैसे बनाने का एक अच्छा तरीका मान रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लगातार वृद्धि दिखाती है कि एसआईपी में निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है।

कितना रहा रिटर्न : अगस्त 1996 से अगस्त 2025 के बीच एसआईपी से मिलने वाला सबसे ज्यादा रिटर्न 55.6 प्रतिशत रहा। वहीं, सबसे कम रिटर्न -24.6 प्रतिशत रहा। लेकिन अगर औसत रिटर्न की बात करें, तो यह 14-16 प्रतिशत के आसपास रहा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितने समय के लिए निवेश किया है।

निवेश का कौन सा समय सही : रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मार्केट में कब निवेश करना है, यह इतना जरूरी नहीं है जितना कि निवेश करते रहना। अगर आपने मार्केट के टॉप पर भी एसआईपी शुरू की थी, तो भी आपको लंबे समय में अच्छा फायदा हुआ होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी ने जनवरी 2008 में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी शुरू की थी, जो कि ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस से ठीक पहले का समय था, तो भी अगस्त 2025 तक उसका 21.2 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 75.23 लाख रुपये हो गया होता। इस पर उसे लगभग 13 प्रतिशत का एक्सआईआरआर मिला होता। एक्सआईआरआर एक तरीका है जिससे पता चलता है कि आपके निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिला है।

किस कैटेगरी का कितना रिटर्न : दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि मिड-कैप एसआईपी ने लॉन्ग टर्म में लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप कैटेगरी से बेहतर रिटर्न दिया है। मिड-कैप एसआईपी का एवरेज रिटर्न 17.4 प्रतिशत रहा, जबकि लार्ज-कैप का 13 प्रतिशत और स्मॉल-कैप का 14.7 प्रतिशत रहा।

पांच लाख की रकम को कैसे करें निवेश कि मिले बढ़िया मुनाफा

अक्सर ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की तलाश में रहते हैं निवेशक

प्लानिंग

बिजनेस डेस्क

अगर आपके पास 5 लाख रुपये हैं और आप इन्हें निवेश करना चाहते हैं तो यह रिपोर्ट आपके लिए बेहतर हो सकती है। देखने में आया है कि भारतीय निवेशक हमेशा सुरक्षित और ज़्यादा रिटर्न देने वाले निवेश विकल्पों की तलाश में रहते हैं। अगर आप भी अपनी एकमुश्त रकम को निवेश करना चाहते हैं और इसके लिए बेहतर ऑप्शन की तलाश में हैं एक बार जरूर देखें की आपके लिए पोस्ट ऑफिस की सकीम बेहतर रहेगी, बैंक की एफडी या फिर डेट फंड इनमें से कहा आपको ज्यादा मुनाफा मिल सकता है। निवेश का चुनाव हमेशा व्यक्ति की फाइनेंशियल कंडीशन, गोल्स और रिस्क सहने की क्षमता पर निर्भर करता है। ऐसे में जब 5 लाख या 10 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की बात आती है तो लोगों के लिए सही विकल्प चुनना और जरूरी हो जाता है क्योंकि इतनी बड़ी रकम को ऐसे ही कहीं भी निवेश नहीं किया जा सकता। ऐसे में बैंक की तरह पोस्ट ऑफिस एफडी भी वर्षों से सुरक्षित और विश्वसनीय निवेश ऑप्शन रही है। वहीं, हाल के वर्षों में डेट फंड भी एक लोकप्रिय ऑप्शन के तौर पर उभर रहा है। लोग इसे एफडी से बेहतर रिटर्न देने वाला ऑप्शन मानते हैं। आइए समझते हैं कि अगर 5 लाख रुपये का निवेश कहां ज्यादा मुनाफा दे सकता है।

एकमुश्त निवेश के लिए सही विकल्प चुनना बेहद जरूरी **पोस्ट ऑफिस एफडी भी वर्षों से सुरक्षित और विश्वसनीय निवेश ऑप्शन रही** अब हाल के वर्षों में डेट फंड भी लोकप्रिय ऑप्शन के तौर पर उभरा

पोस्ट ऑफिस फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की खासियत

- **सुरक्षा:** ये सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक है क्योंकि ये सरकार द्वारा समर्थित है.
- **निश्चित रिटर्न:** आपको निवेश की शुरुआत में ही ब्याज दर पता चल जाती है, जिससे रिटर्न का अनुमान लगाना आसान हो जाता है।
- **लॉक-इन अवधि:** तमाम टेन्योर के लिए उपलब्ध है, जैसे 1, 2, 3 और 5 साल।
- **रेगुलर ब्याज भुगतान:** आप मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक आधार पर ब्याज प्राप्त करना चुन सकते हैं।

5 लाख के निवेश पर कितना होगा मुनाफा

- मान लीजिए कि आप पोस्ट ऑफिस की 5 साल की एफडी में निवेश कर रहे हैं। इस एफडी पर मौजूदा समय में 7.5% ब्याज मिल रहा है। अगर आप 5 लाख रुपये 5 साल के लिए निवेश करते हैं तो आपको 5 साल में 2,24,974 ब्याज मिलेगा और कुल मिलाकर 7,24,974 रुपये मिलेंगे।

डेट फंड की खासियत

- डेट फंड म्यूचुअल फंड की ही एक कैटेगरी है। इसमें खासतौर पर फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज जैसे सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड, डिबेंचर, कमर्शियल पेपर और ट्रेजरी बिल में निवेश किया जाता है। इसका रिटर्न मार्केट बेस्ड होता है।
- **डायवर्सिफिकेशन:** डेट फंड तमाम तरह के हैं जैसे-लिक्विड फंड, अल्ट्रा-शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मीडियम ड्यूरेशन फंड और लॉन्ग ड्यूरेशन फंड, ऐसे में आपको डायवर्सिफिकेशन का मौका मिल जाता है।
- **लिक्विडिटी:** ये एफडी की तुलना में ज़्यादा लिक्विड होते हैं, क्योंकि आप अपनी यूनिट्स को किसी भी वर्किंग डे पर बेच सकते हैं (कुछ फंडों में एग्जिट लोड हो सकता है)।
- **प्रोफेशनल मैनेजमेंट :** फंड मैनेजर आपके पैसे का प्रबंधन करते हैं, जो बाज़ार की स्थितियों के आधार पर निवेश का फैसला लेते हैं।

5 लाख के निवेश पर रिटर्न

- डेट फंड का रिटर्न प्रदर्शन पर आधारित होता है और फ्यूचर में बदल सकता है। औसतन, कई डेट फंडों ने पिछले कुछ साल में 6-9% का रिटर्न दिया है। मान लीजिए आप 5 लाख रुपये 5 साल के लिए इसमें निवेश करते हैं और उस पर 9% का रिटर्न मिल रहा है तो 2,69,311 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। इस तरह आपको कुल 5,00,000+2,69,312 = 7,69,312 रुपये मिलेंगे। हालांकि ये उदाहरण केवल अनुमानित है, वास्तविक रिटर्न फंड के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

कौन सा विकल्प चुनें?

ये चुनाव आपकी व्यक्तिगत ज़रूरतों पर निर्भर करता है-जैसे जोखिम उठाने की क्षमता, अगर आप बिलकुल भी जोखिम नहीं लेना चाहते और अपनी पूंजी की 100% सुरक्षा चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस एफडी आपके लिए बेहतर है। अगर आप थोड़ा जोखिम ले सकते हैं और एफडी से ज़्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो डेट फंड एक अच्छा विकल्प है।

निवेश की अवधि

छोटी अवधि (3 साल से कम) के लिए, पोस्ट ऑफिस एफडी या शॉर्ट-ड्यूरेशन डेट फंड को देखा जा सकता है. लंबी अवधि (3 साल से ज़्यादा) के लिए, इंडेक्सेशन लाभ के कारण डेट फंड टैक्स के लिहाज से ज़्यादा कुशल और बेहतर रिटर्न दे सकता है।

कोई भी लोन लेने से पहले फायदे और नुकसान को जान लें

फिक्स्ड, फ्लोटिंग या फिर हाइब्रिड होम लोन के लिए कौन-सी ब्याज दर बेहतर, फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते जब ब्याज दरें बढ़ रही हों

तैयारी

बिजनेस डेस्क

जब लोन पर घर खरीदने जार रहे हों तो एक बार बैंकों की ब्याज दरों को जांच लें। किसी जानकारी से सलाह ले लें। इससे आपको परेशानी नहीं होगी और आसानी से घर खरीद सकेंगे। अक्सर जब लोग घर खरीदने के लिए होम लोन लेते हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि किस तरह का इंटरेस्ट रेट चुना जाए। फिक्स्ड, फ्लोटिंग और हाइब्रिड तीनों विकल्पों के अपने फायदे और नुकसान हैं। सही चुनाव करने से आपकी ईएमआई और लंबे समय की फाइनेंशियल प्लानिंग पर बड़ा असर पड़ता है। इसलिए इस सवाल का जवाब लोन लेने से पहले ही जान लेंगे तो आसानी रहेगी।

फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट लोन

- फिक्स्ड रेट में आपकी ईएमआई पूरी लोन अवधि या शुरुआती कुछ साल तक एक जैसी रहती है। इसका फायदा यह है कि ब्याज दरें बढ़ने पर भी आपकी ईएमआई नहीं बदलती। इससे आपको हर महीने का खर्च आसानी से मैनेज करने में मदद मिलती है। हालांकि, इसका नुकसान यह है कि अगर ब्याज दरें घट जाएं तो इसका फायदा आपको नहीं मिलेगा। साथ ही, शुरुआती दरें भी अक्सर फ्लोटिंग से ज्यादा होती हैं। यह विकल्प उन लोगों के लिए बेहतर है, जिन्हें स्थिरता चाहिए और ईएमआई में उतार-चढ़ाव नहीं चाहते।

फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट लोन

- फ्लोटिंग रेट आरबीआई की नीतियों और मार्केट की परिस्थितियों के हिसाब से बदलता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि ब्याज दर घटने पर ईएमआई कम हो जाती है। इससे लंबे समय में यह फिक्स्ड से सस्ता साबित हो सकता है। होम लोन लेने वाले ज्यादातर लोग यही विकल्प चुनते हैं। मार्केट की स्थिति अर्थव्यवस्था में महंगाई और ब्याज दरों की दिशा होम लोन पर सीधा असर डालती है। जब महंगाई बढ़ती है तो बैंक ब्याज दरें ऊपर कर देते हैं ताकि जोखिम कम हो। वहीं स्थिर बाजार में ब्याज दरें अक्सर सस्ती हो जाती हैं। इसलिए टाइमिंग भी अहम फैक्टर है। लेकिन, फ्लोटिंग रेट की अपनी खामियां हैं। अगर ब्याज दर बढ़ जाएं तो EMI भी बढ़ जाती है। यह आपका पूरा बजट भी बिगाड़ सकती है। यह विकल्प उन लोगों के लिए ज्यादा सही रहता है, जो लंबे समय तक लोन लेने वाले हैं और ईएमआई में उतार-चढ़ाव सह सकते हैं।

हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट लोन

- हाइब्रिड लोन में शुरुआती कुछ सालों तक ईएमआई फिक्स्ड रहती है और उसके बाद यह फ्लोटिंग में बदल जाती है। इस तरह पहले कुछ सालों तक स्थिरता मिलती है और बाद में मार्केट के हिसाब से ब्याज दरें घटने पर फायदा हो सकता है। हालांकि शुरुआती दरें फ्लोटिंग से थोड़ी ज्यादा हो सकती हैं और अगर बाद में ब्याज दरें बढ़ जाएं तो ईएमआई भी बढ़ेगी। यह विकल्प उन लोगों के लिए सही है जो शुरुआत में ईएमआई स्थिर रखना चाहते हैं और आगे चलकर रिस्क लेने को तैयार हैं।

क्या है एक्सपर्ट की राय?

जानकारों का कहना है कि फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते हैं जब ब्याज दरें बढ़ रही हों। ये उन लोगों के लिए ठीक हैं जिन्हें स्थिरता चाहिए या लगता है कि दरें आगे और बढ़ेंगी। वहीं, फ्लोटिंग रेट घटती ब्याज दर वाले माहौल में सही रहते हैं। हाइब्रिड होम लोन उन लोगों के लिए होते हैं जो शुरू में कुछ साल तक निश्चित ईएमआई चाहते हैं, लेकिन आगे चलकर बाजार के हिसाब से ब्याज दरों का फायदा उठाना चाहते हैं।लोन की अवधि का असर लोन का टेन्योर जितना लंबा होगा, कुल ब्याज का बोझ उतना ज्यादा होगा। छोटी अवधि का लोन लेने पर ईएमआई थोड़ी बड़ी होगी लेकिन ब्याज की बचत काफी होगी। इसलिए अपनी क्षमता के हिसाब से संतुलित अवधि चुनना बेहतर रहता है।

लोन लेने की लागत स्थिर

अभी की स्थिति देखें तो लोन लेने की लागत स्थिर हो रही है। आरबीआई की ओर से रेपो रेट में हालिया कटौतियों से ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा है। इस समय फ्लोटिंग रेट होम लोन की ब्याज दर अपेक्षाकृत कम हैं। इसलिए यह उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो कुल ब्याज खर्च घटाना चाहते हैं।'होमबायर्स को आखिरी फैसला लेने से पहले कुछ बातों पर जरूर विचार करना चाहिए। जैसे कि अभी अलग-अलग लोन ऑप्शन पर ब्याज दर में कितना फर्क है और लोन अवधि कितनी लंबी है। अगर लोन लंबे समय के लिए है तो फ्लोटिंग रेट से फायदा हो सकता है, क्योंकि आगे चलकर अगर दरें घटती हैं तो कुल ब्याज का बोझ कम होगा।

ऐसे कर सकते हैं प्लानिंग

- 1. **वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन :** अपनी वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करें और देखें कि आप कितना होम लोन ले सकते हैं। अपनी आय, व्यय, और बचत को ध्यान में रखें।
- 2. **होम लोन की आवश्यकता :** अपने होम लोन की आवश्यकता को निर्धारित करें। आपको कितनी राशि की आवश्यकता है? आप कितने समय में लोन चुकाना चाहते हैं?
- 3. **ब्याज दरें और शर्तें :** विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दरें और शर्तें तुलना करें। सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- 4. **लोन की अवधि :** लोन की अवधि का चयन करें जो आपकी वित्तीय स्थिति के अनुसार उपयुक्त हो। लंबी अवधि के लोन में मासिक किस्त कम होती है, लेकिन कुल ब्याज अधिक होता है।
- 5. **प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क :** प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को ध्यान में रखें। ये शुल्क आपके लोन की कुल लागत को बढ़ा सकते हैं।
- 6. **क्रेडिट स्कोर :** अपने क्रेडिट स्कोर को जांचें और सुनिश्चित करें कि यह अच्छा है। एक अच्छा क्रेडिट स्कोर आपको बेहतर ब्याज दरों और शर्तों के लिए योग्य बना सकता है।
- 7. **विकल्पों की तुलना :** विभिन्न होम लोन विकल्पों की तुलना करें और सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- 8. **वित्तीय सलाहकार से परामर्श :** यदि आवश्यक हो, तो वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें। वे आपको होम लोन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर सकते हैं और आपको सबसे अच्छा विकल्प चुनने में मदद कर सकते हैं।

सिर्फ 38 मिनट में जीता सेमीफाइनल, 483 दिनों बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

हांगकांग। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी ने अपना लंबा इंतजार खत्म करते हुए शनिवार को हांगकांग ओपन 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह 483 दिनों के बाद उनका पहला फाइनल है। एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट जोड़ी ने ताइवान के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई को सीधे गेमों में हराकर केवल 38 मिनट में 21-17, 21-15 से जीत हासिल की। थाईलैंड ओपन 2024 के बाद सात्विक और चिराग का यह पहला फाइनल है और इस साल की शुरुआत में वह जोड़ी पांच सेमीफाइनल से बाहर हो गई थी। उन्हें छठी कोशिश में सफलता मिली।

अब भारतीय जोड़ी का सामना चीन की छठी वरीयता जोड़ी से

शुरुआती गेम में ताइवानी खिलाड़ियों ने पेश की चुनौती

सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआती गेम में चेन और लिन ने जबरदस्त चुनौती पेश की और अंतर कम करने की कोशिश की। हालांकि सात्विक और चिराग ने लगातार तेज स्मैश और सटीक नेट प्ले से वापसी करते हुए नियंत्रण हासिल किया और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अपनी रफ्तार बदली और शुरुआत में ही बढ़त बना ली। अपनी लय बरकरार रखते हुए 21-15 से आसान जीत हासिल कर ली। अब भारतीय जोड़ी का सामना चीन की छठी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग या ताइवान की सहोदर जोड़ी ली फांग-चिह और ली फांग-जेन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा।

अब लक्ष्य सेन से उम्मीद

भारत के लक्ष्य सेन की नजर सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने पर है। सेमीफाइनल में उनका सामना चीनी ताइपे के चोउ तिएन-चेन से होगा। चोउ ने अल्वी फरहान को 22-20, 16-21, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत ताइवान के वांग त्जु-वेई पर कड़े मुकाबले में 22-20, 16-21, 21-15 से जीत के साथ की। इसके बाद उन्होंने राउंड ऑफ़ 16 के एक रोमांचक मुकाबले में हमवतन एचएस प्रणॉय को 15-21, 21-18, 21-10 से हराया। क्वार्टर फाइनल में 24 साल के लक्ष्य ने आयुष शेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

खबर संक्षेप

मिस्र ओपनः अभय ने फ्रांस के मार्चे को हराया

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी अभय सिंह ने गीजा में 366,000 डॉलर इनामी राशि के पीएसए विश्व टूर डायमंड स्पर्धा मिस्र ओपन के शुरुआती दौर में फ्रांस के दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी ग्रेगोइरे मार्चे पर सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज की। यह अभय के करियर की सबसे बड़ी जीत है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी और कई बार के राष्ट्रीय चैंपियन अभय ने 36 मिनट में 12-10, 11-9, 11-3 से जीत हासिल की। यह प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की रैंकिंग के हिसाब से उनका अब तक का सबसे अच्छा परिणाम है। अभय के सामने अब अंतिम 32 दौर में मिस्र के 10वीं वरीयता प्राप्त यूसुफ इब्राहिम की चुनौती होगी। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन वेलवन सेंथिलकुमार को हालांकि निराशा हाथ लगी।

ओडिशा में 11 अक्टूबर से टेबल टेनिस चैंपियनशिप

नई दिल्ली। यूएई के हटने के बाद 22 देशों ने भुवनेश्वर में होने वाली 28वीं आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप में भाग लेने की पुष्टि की है। आयोजकों ने 500 से ज्यादा प्रतिभागियों के इसमें भाग लेने की उम्मीद जताई। ओडिशा पहली पर एशियाई स्तर की टेबल टेनिस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 15 अक्टूबर तक कलिंगा स्टेडियम में होगा। ओडिशा राज्य टेबल टेनिस संघ 500 से अधिक प्रतिभागियों का स्वागत करेगा, जिनमें 450 खिलाड़ी और सहयोगी कर्मचारी के साथ 70 से 80 की संख्या में एशियाई टेबल टेनिस संघ के अधिकारी शामिल होंगे। यह चैंपियनशिप 16 वर्षों के बाद भारत में आयोजित हो रही है, जिसमें एशिया के शीर्ष खिलाड़ी अपना दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे। चीन, जापान और कोरिया की मजबूत टीमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 10-10 सदस्यीय टीमें उतारेंगी।

हिताशी-रिद्धिमा ने हासिल किया कट

जुग (स्विट्जरलैंड)। भारत की दो गोल्फरों रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी ने वीपी बैंक स्विस लेडीज ओपन में कट हासिल किया। दोनों भारतीय गोल्फर 71 और 69 के कार्ड खेलकर दो अंडर 140 के कुल स्कोर से संयुक्त 23वें स्थान पर बनी हुई हैं। अन्य भारतीयों में वाणी कपूर (74-70), स्नेहा सिंह (70-75), पिछले साल की उप विजेता त्वेसा मलिक (72-74) और प्रणवी उर्स (74-76) कट हासिल करने से चूक गईं।

एशिया कप: आज रात 8 बजे से भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी, जमीनी स्तर पर उत्साह की कमी

दुबई। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में प्रबल दावेदार होगी और दिलचस्प बात है कि पिछले कुछ महीनों में सीमा पर बढ़े तनाव के बावजूद इस मुकाबले को लेकर किसी तरह की 'हाइप' नहीं है।

छह महीने बाद भारत में टी20 विश्व कप को देखते हुए मुकाबला महत्वपूर्ण है। लेकिन कई साल में पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच में उस तरह के उत्साह का अभाव है, जो दोनों देशों के बीच मैच में अक्सर होता है जबकि यह रविवार को खेला जा रहा है।

भारतीय टीम मजबूत

भारत के अंतिम एकादश में शुभमन गिल, सूर्यकुमार, अभिषेक शर्मा जैसे बल्लेबाज, जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर मौजूद हैं। कागज पर भारतीय टीम पाकिस्तान की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक दिखती है, जो नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि इस प्रारूप की बदलने वाली प्रकृति को देखते हुए, उलटफेर की संभावना हमेशा बनी रहती है लेकिन इस मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ इसकी संभावना कम ही है।

मैच को लेकर उत्साह गायब

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट भरी है। इसके बाद हुए सैन्य अभियान और जनता के गुस्से ने महाद्वीपीय क्रिकेट के इस सबसे 'हाई-प्रोफाइल' मैच की तैयारी को बहुत फीका बना दिया। मैच के हजारों टिकट अब भी उपलब्ध हैं और शुक्रवार को भारत के अभ्यास सत्र में बहुत कम दर्शक पहुंचे। मैच को लेकर पहले की तरह उत्साह भी गायब है।

पाकिस्तानी टीम में स्पिनरों की तिकड़ी

पाकिस्तानी टीम के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब, मध्यक्रम के बल्लेबाज हसन नवाज तथा अबरार अहमद, सूफियान मुकीन और मोहम्मद नवाज की स्पिनरों की तिकड़ी नए लुक वाली टीम में यह बात साबित करना चाहेंगे कि उन्होंने बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पर पूरी तरह निर्भर रहने की नीति को त्याग दिया है।

संभावित टीम

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।

पाकिस्तानः फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, साइम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

स्पिनरों की होगी अहम भूमिका

आमतौर पर भारत-पाक मैच में भारतीय बल्लेबाजों और पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों के बीच मुकाबला होता है लेकिन इस बार दोनों टीमों के स्पिनरों की अहम भूमिका होगी जबकि जसप्रीत बुमराह और शाहीन शाह अफरीदी ही एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज हैं, जो रविवार को मैदान में उतरेंगे।

पिच में हालांकि ज्यादा टर्न नहीं है लेकिन दोनों टीमों में एक-एक दाएं हाथ के कलाई के स्पिनर और एक-एक बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर की मौजूदगी एक दिलचस्प कहानी बनाती है।

सूफियान मुकीम एक अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन कुलदीप यादव जैसे चतुर गेंदबाज के आस-पास भी नहीं हैं, जिनकी गुगली खेलना आसान नहीं है।

चक्रवर्ती की रहस्यमयी गेंदबाजी

वरुण चक्रवर्ती की रहस्यमयी गेंदबाजी पाकिस्तान के बल्लेबाजों के लिए खतरनाक हो सकती है। वह साइम अयूब और साहिबजादा फरहान जैसे युवाओं के लिए मुश्किल साबित हो सकते हैं, जो स्पिनरों को समझ नहीं पा रहे हैं। बाए हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाल आईसीसी रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं लेकिन अक्षर पटेल के मुकाबले कहीं नहीं टिकते। अक्षर भारतीय टीम में सबसे अहम हैं लेकिन 'लो प्रोफाइल' खिलाड़ी हैं।

सॉल्ट ने खेली 141 रन की नाबाद पारी

सॉल्ट ने 39 गेंद में मारी सेंचुरी अफ्रीका को 146 रनों से हराया

मैनचेस्टर। फिल सॉल्ट के इंग्लैंड के लिए सबसे तेज टी20 शतक और इस प्रारुप की सबसे बड़ी पारी के बूते इस टीम ने दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड 146 रन की बड़ी जीत दर्ज की। सॉल्ट के नाबाद 141 रन और जोस बटलर की 83 रन की ताबड़तोड़ पारी से इंग्लैंड ने दो विकेट पर 304 रन बनाए। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारुप का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इंग्लैंड की पारी में 18 छक्के और 30 चौके लगे। सॉल्ट ने 39 गेंद में शतक पूरा कर इंग्लैंड के लिए सबसे कम गेंद में सैकड़ा पूरा करने रिकॉर्ड अपने नाम किया। यह सॉल्ट का इंग्लैंड के लिए, चौथा शतक था। इंग्लैंड के किसी अन्य खिलाड़ी के नाम एक से अधिक शतक नहीं है। ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा (प्रत्येक के पांच) ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में सॉल्ट से अधिक शतक जड़े है। सॉल्ट ने 119 रन का आंकड़ा पार करते ही अपना और इंग्लैंड के लिए सर्वोच्च टी20 व्यक्तिगत स्कोर कायम कर लिया।

158 रनों पर सिमटी दक्षिण अफ्रीका की टीमः दक्षिण अफ्रीका ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट पर 64 रन बना लिए थे लेकिन आठवें ओवर में कप्तान एडेन मारक्रम की 20 गेंदों में 41 रनों रन की पारी पर विराम लगने के बाद टीम की हार तय हो गई। दक्षिण अफ्रीका की पारी 17वें ओवर में 158 रन पर सिमट गई। मारक्रम शीर्ष स्कोरर रहे। दक्षिण अफ्रीका के लिए यह रनों के हिसाब से सबसे बड़ी टी20 हार है जबकि इंग्लैंड के लिए यह रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत है।

एशिया कपः श्रीलंका ने बांग्लादेश को छह विकेट से हराया

अबुधाबी। पाथुम निसांका (50) और कामिल मिशारा (नाबाद 46) की शानदार पारियों के दम पर श्रीलंका ने बांग्लादेश को एशिया कप ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को छह विकेट से हरा दिया। बांग्लादेश को पांच विकेट पर 139 रन पर रोकने के बाद श्रीलंका ने 32 गेंद बाकी रहते चार विकेट पर 140 रन बनाये। तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान ने दूसरे ही ओवर में कुसल मेंडिस (तीन) को आउट करके श्रीलंका को अच्छी शुरूआत नहीं करने दी लेकिन बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नयी गेंद का फायदा नहीं उठा सके और दबाव बनाने में नाकाम रहे। श्रीलंका ने पावरप्ले में एक विकेट पर 55 रन बना लिये थे। मिशारा को एक जीवनदान भी मिला जब शरीफुल इस्लाम की गेंद पर मेहदी हसन ने एक कठिन कैच टपकाया। उस समय वह एक रन पर खेल रहे थे। इसके बाद मिशारा ने इस्लाम को पांचवें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर 18 रन निकाले। निसांका ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पहला अर्धशतक जमाने के साथ ही इस प्रारूप में 2000 रन भी पूरे कर लिये।

भारत ने लगातार दूसरी बार जापान के साथ खेला ड्रॉ

हांगझो (चीन)। भारत ने बढ़त गंवाते हुए जापान के साथ सुपर 4 का अपना आखिरी मुकाबला ड्रॉ खेला। इससे महिला एशिया कप हॉकी 2025 में उसे फाइनल में जाने के लिए अब चीन के भरोसे रहना होगा। 13 सितंबर को खेले गए मुकाबले में भारत ने सातवें मिनट में गोल कर बढ़त ले ली थी लेकिन जापान ने फुल टाइम से ठीक पहले बराबरी कर ली। ऐसे में मैच 1-1 से बराबर रहा। भारत ने इस इवेंट में जापान के साथ अपने दोनों मुकाबले ड्रॉ कराए। इससे पहले पूल मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेला था। जापान अभी डिफेंडिंग चैंपियन है। भारत को अब महिला एशिया कप हॉकी के फाइनल में जाने के लिए चीन-कोरिया के मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा। इसमें अगर चीन को जीत मिलती है या फिर ड्रॉ रहता है तो भारत खिताबी मुकाबले में पहुंच जाएगा। यहां उसकी टक्कर चीन के साथ होगी।

ब्यूटी ने सातवें मिनट में किया फील्ड गोल

जापान के खिलाफ मुकाबले में भारत की ओर से ब्यूटी डुंग डुंग ने सातवें मिनट में फील्ड गोल किया। जापान की तरफ से कोबायाकावा शिहो ने 58वें मिनट में गोल किया। भारतीय टीम को अभी तक इस इवेंट में केवल एक ही हार मिली है, जो चीन के सामने आई थी। चीन एशियाई टीमों में सबसे मजबूत है।

आईएसएसएफ विश्व कपः ईशा ने किया भारत के पदकों का सूखा खत्म, जीता गोल्ड

निंगबो। ओलंपियन और मौजूदा मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदकों के सूखे को खत्म किया। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में यह ईशा का पहला विश्व कप स्वर्ण पदक है और इसने भारत को पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचने में मदद की। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

विश्व कप से पहले भारत के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खुद को परखने का मौका

मुल्लांपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से विश्व कप की तैयारियों को पुख्ता करने के साथ इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मिली पिछली हार का हिसाब बराबर करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। इस श्रृंखला से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को आगामी घरेलू विश्व कप के लिए अपनी टीम को बेहतर बनाने का मौका मिलेगा। दोनों देशों के बीच पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेली गई तीन मैचों की श्रृंखला में भारत का सूपड़ा 0-3 से साफ हो गया था। इस दौरे के बाद हालांकि भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने आयरलैंड को 3-0 से हराया, श्रीलंका में दक्षिण अफ्रीका की मौजूदगी के साथ हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में जीत दर्ज की और फिर इंग्लैंड दौरे पर भी टी20 अंतरराष्ट्रीय (3-2) और वनडे (2-1) दोनों दोनों प्रारुपों में जीत दर्ज की।

- **महिला क्रिकेटः** आज से शुरू होगी तीन मैचों की वनडे सीरीज

तेज गेंदबाज रेणुका की वापसी : स्ट्रेस फैक्चर के कारण क्रिकेट से नौ महीने दूर रहने के बाद तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर सबकी नजरें टिकी हैं। मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने उनकी वापसी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'रेणुका हमारे लिए एक अनमोल खिलाड़ी हैं।

स्पिन गेंदबाजी विभाग काफी मजबूत

स्पिन गेंदबाजी विभाग भी काफी मजबूत है। इसमें श्रीलंका में त्रिकोणीय श्रृंखला में प्रभावित करने वाली स्नेह राणा, युवा श्री चारानी के साथ दीप्ति शर्मा और राधा यादव की अनुभवी जोड़ी शामिल हैं। स्मृति मंधाना के साथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर प्रतिका रावल बल्लेबाजी में पारी का आगाज करेंगीं। प्रतिका ने शेफाली वर्मा की जगह टीम में अपनी अपनी जगह पक्की कर ली है।

NOTICE

I, MIR SHAHNAWAZ S/o Shri. MIR ABDUL HAI R/o 202, OLD GUPTA COLONY, DELHI-110009, declare that name of mine has been wrongly written as SHAHNAWAZ MIR in my minor daughter's namely ASIFA ANJUM aged 17 years in her 10th class educational documents, caste Certificate No-90500001004023, aadhar card No- 920819440732, The actual name of mine is MIR SHAHNAWAZ respectively which may be amended accordingly.

रिंग में दिखाया पंच का दम, फाइनल में पहुंची जैस्मिन और नूपुर

विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिपः चैंपियन बनने से दो कदम दूर भारत की बेटियां

लीवरपूल। भारतीय मुक्केबाज जैस्मिन लाम्बोरिया और नूपुर श्योराण वर्ल्ड चैंपियन बनने से अब महज एक कदम दूर हैं। दोनों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार जीत हासिल करके फाइनल में जगह बना ली है। लीवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती जैस्मिन ने 57 किग्रा वेट कैटेगरी और नूपुर ने 80 किग्रा से अधिक वेट कैटेगरी में जीत हासिल की। जैस्मिन ने वेनेजुएला की ओमेलिन कैरोलिना अल्काला को 5-0 से हराया। वहीं नूपुर ने तुर्की की दुस्तास सेयमा को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दोनों ने रिंग में अपने पंच का दम दिखाया। इन दोनों के अलावा मीनाक्षी ने भी सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत का चौथा मेडल पक्का कर दिया है। उन्होंने 48 किग्रा वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की एलिस पंफ्री को सर्वसम्मत फैसले में हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला मंगोलिया की लुत्सैखानी अल्तांत्सेत्सेग से होगा।

पूजा रानी बनाई सेमीफाइनल में जगह

जैस्मिन, नूपुर और मीनाक्षी के अलावा पूजा रानी भी भारत के लिए एक मेडल पक्का कर चुकी हैं। पूजा ने 80 किग्रा वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं इससे पहले भारत की स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन हार के साथ ही चैंपियनशिप से बाहर हो गईं। क्वार्टरफाइनल में निकहत को तुर्की की बुसे नाज काकिरोग्ल के हाथों 0-5 से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

भारत के खाते में चार मेडल आने तय

इस चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल उतरा। महिला बॉक्सिंग में जहां भारत के खाते में चार मेडल आने तय हो गए हैं। वहीं पुरुषों की कैटेगरी में खाली हाथ रहना पड़ा. पुरुषों के 50 किग्रा वेट कैटेगरी में जादूमणि सिंह मंडेंगबाम को क्वार्टर फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार के एशियाई चैंपियन कजाकस्तान के संझार ताशकेनबे के हाथा 0.4 से हार गए। उनके बाहर होने के साथ भारतीय पुरुष टीम 2013 के बाद पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में खाली हाथ रही।

मेकोनेन और एयायु लेंगे दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा

नई दिल्ली। इथियोपिया की गत चैंपियन एलेमाडिस एयायु और उनके हमवतन जेमल मेकोनेन 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाली 20वीं दिल्ली हाफ मैराथन का मुख्य आकर्षण होंगे। दिल्ली हाफ मैराथन एक विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस है। कंपाला में 2017 विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में इथियोपिया की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे मेकोनेन भारत में पहली रेस में हिस्सा लेंगे। इस 29 वर्षीय धावक ने 58:33 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कई बार 60 मिनट से कम समय में रेस पूरी की है और 2024 सियोल मैराथन भी जीती है। उन्होंने कहा, 'यह भारत की मेरी पहली यात्रा है। मैंने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के बारे में बहुत कुछ सुना है, जिसे मेरे साथी धावक अक्सर शानदार बताते हैं।'

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

चिकित्सा

सेक्स रोगों के लिए सलाह मुफ्त
अशोक क्लीनिक
निकट पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन दिल्ली
9811092140 संडे क्लोज

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)
(धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शमशेर पुत्र जुल्फिकार पताः एन–38/ए–83, सी.डी. पार्क, जहांगीरपुरी, दिल्ली ने एफआईआर संख्या 411/2025, 425/2025 धारा 304(2)/3(5) (भारतीय न्याय संहिता–2023) के तहत** थानाः केशव पुरम, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शमशेर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शमशेर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 411/2025, 425/2025 धारा 304(2)/3(5) (भारतीय न्याय संहिता–2023) के तहत थाना केशव पुरम, दिल्ली के उक्त शमशेर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दिव्या अरोड़ा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04
उतरी पश्चिम, कमरा नं.112, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/11916/NW/2025

पीएम मोदी के काफिले का स्कूल के बच्चों ने तिरंगा लेकर स्वागत किया

पीएम मोदी ने चुराचांदपुर के राहत शिविर में स्थानीय लोगों से मुलाकात की

मणिपुर से पीएम का नेपाल को संदेश

अस्थिरता में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च रखा, 'सकारात्मक सोच' और कार्य प्रेरणादायी

एजेंसी ▶▶ इंफाल

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल में जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मणिपुर की इस धरती से मैं नेपाल में अपने सहयोगियों से भी बात करूंगा। नेपाल भारत का मित्र है, घनिष्ठ मित्र है। हम साझा इतिहास से, साझा आस्था से जुड़े हैं और साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। आज, देशवासियों की ओर से, मैं श्रीमती सुशीला को नेपाल में अंतरिम सरकार की पीएम के रूप में कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि वह नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। सुशीला कार्की का नेपाल की पहली महिला पीएम के रूप में शपथ लेना महिला सशक्तिकरण का एक बहुत अच्छा उदाहरण है।

पीएम मोदी ने कहा कि नेपाल भारत का घनिष्ठ मित्र है। हम साझा इतिहास से, साझा आस्था से जुड़े हैं और साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं

» महिला पीएम के रूप में शपथ लेना महिला सशक्तिकरण का अच्छा उदाहरण

» उम्मीद है कि वे नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी

नए नेपाल का उदय हो रहा

पीएम मोदी ने कहा कि आज, मैं नेपाल के हर उस व्यक्ति की प्रशंसा करूंगा जिसने इतने अस्थिर वातावरण में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च रखा है... पिछले कुछ दिनों से, नेपाल के युवाओं को नेपाल की सड़कों की सफाई और रंग-रोगन में कड़ी मेहनत करते देखा जा सकता है। मैंने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें भी देखी हैं। उनकी सकारात्मक सोच और सकारात्मक कार्य न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि नेपाल के नए उदय का स्पष्ट संकेत भी हैं। मैं नेपाल को उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

आंदोलन के बाद नेपाल के युवक सफाई करते हुए

सुशीला कार्की को दीं शुभकामनाएं

नेपाल में 'जेन-जी' विरोध के कारण हुए तख्तापलट के बाद सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार की पीएम बनाया गया है। उन्होंने शुक्रवार शाम को अंतरिम पीएम के तौर पर शपथ ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा कि नेपाल की अंतरिम सरकार की पीएम के रूप में पद ग्रहण करने पर सुशीला कार्की को हार्दिक शुभकामनाएं। नेपाल के भाई-बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भारत पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

भारत, नेपाल की समृद्धि के लिए काम करेगा

विदेश मंत्रालय ने परिवर्तन के दौर में काठमांडू के साथ संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि हम नेपाल में माननीय श्रीमती सुशीला कार्की के नेतृत्व में नई अंतरिम सरकार के गठन का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे शांति और स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। एक निकट पड़ोसी, एक लोकतांत्रिक देश और एक दीर्घकालिक विकास साझेदार के रूप में, भारत दोनों देशों के लोगों के कल्याण और समृद्धि के लिए नेपाल के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा।

यूएनएससी में इजराइल ने पाकिस्तान को लताड़ा

बिन लादेन पाक में ही मारा गया तब नहीं पूछा, अब सवाल क्यों?

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की न्यूयॉर्क शहर में हुई बैठक, ओसामा बिन लादेन द्वारा आयोजित 9/11 के आतंकवादी हमलों की 24वीं बरसी पर हुई। इस बैठक में इजराइली और पाकिस्तान के दूतों के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में हुए हमले को लेकर हुई, जिसमें इजराइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाया। इजराइल ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। इजराइल ने कहा कि पाकिस्तान इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन उनकी धरती पर मारा गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। दरअसल पाकिस्तान ने कतर में इजराइली हमले की निंदा की और पूछा कि विदेशी धरती पर आतंकवादी को निशाना क्यों बनाया गया?

इजराइज के राजदूत डडैनन ने कहा कि लादेन पाकिस्तान में मारा गया था और किसी ने अमेरिका की निंदा नहीं की। जब इस परिषद के अन्य देश आतंकवादियों पर हमला करते हैं, तो कोई उनकी निंदा नहीं करता

» अपने लिए लागू मानकों से अलग मानक इजराइल पर लागू करना ही

इजराइल ने गाजा-हमास मुद्दे पर फ्रांस-ब्रिटेन को फटकारा

इजराइल के राजदूत डैनन ने शुक्रवार को यूएन महासभा में कतर में हमास नेताओं पर इजराइली हमले का बचाव किया और फ्रांस-ब्रिटेन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कतर में जिन लोगों को निशाना बनाया गया वे आतंकी हमले के मास्टरमाइंड थे। डैनन ने कहा कि 2014 से 2022 तक फ्रांस ने माली, चाड, बुर्किना फासो और मॉरिटानिया में आतंकवादियों पर हमले किए। ब्रिटेन ने इराक और सीरिया में आईएसआईएस के खिलाफ एयर स्ट्राइक की। अगर ये काम उस वक्त जायज थे, तो इजराइल का हमला भी सही है। इजराइल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? क्या इजराइली खून की कोई कीमत नहीं है?

दोहरे मानदंड पर उठाए सवाल

डैनन ने कहा कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में मारा गया था और किसी ने अमेरिका की निंदा नहीं की। जब इस परिषद के अन्य देश आतंकवादियों पर हमला करते हैं, तो कोई उनकी निंदा नहीं करता। यही दोहरे मानदंड हैं। जब आप अपने लिए लागू मानकों से अलग मानक इजराइल पर लागू करते हैं, तो यही इस संस्था की समस्या है।

पाक ने दोहरा रवैया अपनाया

इजराइल ने पाकिस्तान पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। याद दिलाया कि 9/11 के हमले के बाद सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि कोई भी देश आतंकवादियों को पनाह नहीं देगा, न धन देगा, न पनाह देगा।

लादेन को छूट नहीं थी तो हमास को क्यों?

डैनन ने कहा कि जब बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था, तो तब यह सवाल क्यों नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया? आखिर एक आतंकवादी को पनाह क्यों दी गई? बिन लादेन को कोई छूट नहीं थी और हमास को भी कोई छूट नहीं मिल सकती।

जम्मू संभाग में 15 सितंबर से खुलेंगे सरकारी स्कूल

जम्मू। जम्मू संभाग के 378 से ज्यादा सरकारी स्कूलों में अभी ताले लटके रहेंगे। इनमें पढ़ने वाले करीब 4,000 बच्चों की पढ़ाई नजदीकी सामुदायिक भवन, पंचायत घर या दूसरे सुरक्षित स्कूल में करवाई जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि 26 अगस्त को भारी बारिश व बाढ़ से भवनों को भारी क्षति पहुंची है। सुरक्षा ऑडिट पूरा करने के बाद ज्यादातर निजी स्कूल 10 सितंबर से खोल दिए गए हैं लेकिन अधिकतर सरकारी स्कूल नहीं खोले जा सके हैं। अब 15 सितंबर से सरकारी स्कूलों में बच्चों को बुलाने की तैयारी है। सोमवार से 25 फीसदी स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो जाएगी।

सिविल अस्पताल पहुंची नेपाल की अंतरिम पीएम कार्की

घायलों से की मुलाकात, बेहतर इलाज और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल की अंतरिम पीएम सुशीला कार्की विरोध प्रदर्शनों के दौरान घायल हुए लोगों का हालचाल जानने शनिवार को सिविल अस्पताल पहुंचीं। पीएम ने वहां भर्ती घायलों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। सुशीला कार्की ने डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन से भी बातचीत की साथ ही इस बात पर जोर दिया कि सभी घायलों को बेहतर इलाज और जरूरी सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं। इस दौरान पीएम ने कहा कि शांति और लोकतंत्र की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

पूर्व पीएम ओली के खिलाफ एफआईआर

शपथ लेने के साथ ही सुशील कार्की ने नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ शनिवार को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। उन्होंने 8 सितंबर को युवाओं के खिलाफ की गई दमनात्मक पुलिस कार्रवाई को लेकर मामला दर्ज कराने और ओली के खिलाफ जघन्य अपराध के आरोप मे निष्पक्ष और गहन जांच के आदेश दिए गए हैं।

मंत्री पद शपथ ले सकते हैं कुछ नेता

रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिम पीएम कार्की आज अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती हैं। इसमें कुलमन घीसिंग, ओम प्रकाश आर्यल और बालेंद्र शाह बालेन जैसे प्रमुख नेताओं को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। नेपाल में अब नए पीएम के लिए नया कार्यस्थल तैयार किया जा रहा है। यह नया कार्यालय भवन पहले गृह मंत्रालय के लिए बनाया गया था और अब इसे पीएम कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। सुरक्षा बलों और कर्मचारियों की टीम, जिसमें नेपाल आर्मी के सदस्य भी शामिल हैं, पुराने कार्यालय से बचा हुआ फर्नीचर और जरूरी सामान जैसे टेबल, कुर्सियां, कंप्यूटर आदि नए स्थान पर शिफ्ट कर रही है।

अरमानी की मौत के बाद वसीयत का खुलासा

15% हिस्सेदारी प्रमुख फैशन हाउस को बेचने की जताई इच्छा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इतालवी डिजाइनर जियार्जियो अरमानी का 91 वर्ष की आयु में 4 सितंबर को निधन हो गया। उन्होंने बीते पांच दशकों में कई मिलियन यूरो का फैशन साम्राज्य खड़ा किया था। जिसमें हाउते कॉउचर से लेकर होटल तक शामिल थे। उनकी कुल संपत्ति 11.8 बिलियन डॉलर है। अपनी वसीयत में अरमानी ने इच्छा जताई है कि जिस फाउंडेशन को कंपनी विरासत में मिलेगी। उसे 15 प्रतिशत हिस्सेदारी एक प्रमुख फैशन हाउस को बेच देनी चाहिए। वसीयत के अनुसार नया शेयरधारक गुरुवार को वसीयत खुलने के तीन से पांच साल के भीतर समूह में बहुलांश हिस्सेदारी खरीद सकेगा।

अल्बानिया में दुनिया की पहली एआई मंत्री

देश में होने वाले सभी टेंडर्स पर 'नजर' रखना ही काम

एजेंसी ▶▶ तिराना

अल्बानिया देश ने अपने मंत्रिमंडल में एक एआई मंत्री को शामिल किया है। जिसका नाम डिएला है और इसका काम सरकारी टेंडर्स में हो रहे भ्रष्टाचार पर निगरानी रखना और उसे पूरी तरह से खत्म करना है। अल्बानिया के पीएम एदी रामा ने हाल ही में एक वर्चुअल मंत्री डिएला को अपनी कैबिनेट का हिस्सा बनाया है। बता दें, डिएला कोई इंसान नहीं, बल्कि एक डिजिटल अवतार है। एआई मंत्री को भ्रष्टाचार पर लगाम कसने की जिम्मेदारी दी गई है। एआई मंत्री डिएला का काम अपने देश में होने वाले सभी सार्वजनिक टेंडर्स पर नजर रखना है।

भारत और ईयू के बीच एफटीए पर 13वां दौर पूरा

केंद्रीय मंत्री गोयल ने ईयू अधिकारियों से की मुलाकात

मुक्त व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने पर दोनों का जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में यूरोपीय संघ (ईयू) के अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ईयू के कृषि और खाद्य आयुक्त क्रिस्टोफ हेन्सन, व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक और अन्य प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। बैठक का मकसद भारत-ईयू के बीच व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द पूरा करना है। गोयल ने कहा कि भारत एक संतुलित और परस्पर लाभकारी एफटीए के लिए प्रतिबद्ध है।

गैर-टैरिफ बाधाओं पर दें ध्यान

बैठक के दौरान भारत ने जोर दिया कि व्यापार वार्ता में केवल टैरिफ ही नहीं बल्कि गैर-टैरिफ बाधाओं पर भी बराबर ध्यान दिया जाना चाहिए। नियामक ढांचे समावेशी और संतुलित होने चाहिए, ताकि वे व्यापार में रुकावट न बनें। जिनमें कस्टम्स, व्यापार सुविधा, डिजिटल ट्रेड और पूंजी प्रवाह जैसे मुद्दे शामिल हैं। हालांकि, रूल्स ऑफ ओरिजिन, मार्केट एक्सेस और वाइन व डेयरी जैसे उत्पादों पर टैरिफ को लेकर अभी भी मतभेद बने हुए हैं।

ईयू बड़ा साझेदार

गोयल ने बताया कि भारत-ईयू एफटीए की 13वें दौर की बातचीत पूरी हो गई है और दोनों पक्ष इसके जल्द निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एफटीए पर 14वां दौर ब्रुसेल्स में आयोजित किया जाएगा। ईयू भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वर्ष 2023-24 में दोनों के बीच व्यापार 135 अरब डॉलर तक पहुंचा। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक कार्यक्रम में बोलते हुए गोयल ने कहा कि प्रस्तावित एफटीए से ऑटो उद्योग को विशेष लाभ होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109